हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 1 दिसंबर 2025

अब लगेगी चौके-छक्कों की झड़ी, रोहित, विराट के साथ भारतीय-अफ्रीकी टीम आज पहुंचेगी रायपुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहीद वीर नारायण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम रायपुर में बुधवार को होने वाले दूसरे वनडे मैच के लिए टीम इंडिया और साउथ अफ्रीका की टीमें आज शाम करीब 4:30 बजे रांची से रायपुर पहुंचेंगी। एयरपोर्ट से दोनों टीमों को कड़ी सुरक्षा के बीच सीधा नया रायपुर स्थित मेफेयर होटल ले जाया जाएगा, जहां वे 3 दिसंबर तक ठहरेंगी। टीमें 2 दिसंबर को सुबह और शाम दोनों सत्रों में स्टेडियम में अभ्यास करेंगी। खिलाड़ियों की सुविधा के लिए मुंबई से विशेष लग्जरी बसें पहले ही रायपुर पहुंच चुकी हैं। दूसरी ओर स्टेडियम में वनडे मैच को लेकर तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। पिच का 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, और बाकी का कार्य तेजी से किया जा रहा है। दर्शकों के बैठने की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए टूटी कुर्सियों को बदला गया है। स्टेडियम में रंग-रोगन कर पूरे परिसर को नया लुक दिया गया है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

अलग खबर

कल स्टेडियम में खिलाड़ी करेंगे अभ्यास, 3 को मैच, तीन रात रायपुर में रहेंगे दोनों टीमों के खिलाड़ी

विदेशी खिलाड़ियों के लिए स्पेशल विदेशी डिश

रायपुर में वनडे मैच को लेकर खिलाड़ियों की भोजन व्यवस्था भी खास की गई है। टीम इंडिया के लिए सभी राज्यों की डिशेज उपलब्ध रहेंगी, जिसमें छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन भी शामिल होंगे। वहीं साउथ अफ्रीका के खिलाड़ियों के लिए ▶▶|शेष पेज 6 पर

कड़ी सुरक्षा, दर्शक खिलाड़ी तक नहीं पहुंच पाएंगे

पिछली बार हुए वनडे मैच के दौरान एक बच्चा सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए रोहित शर्मा तक पहुंच गया था, जिसे बड़ी सुरक्षा चूक मानी गई। इस बार ऐसे हालात दोहराए न जाएं, इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। स्टेडियम की जालियों की ऊंचाई बढ़ा दी गई है ताकि कोई भी दर्शक कूदकर मैदान में प्रवेश न कर सके। इसके अलावा पूरे मैदान के चारों ओर अतिरिक्त सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाएंगे। स्टेडियम में पेन, पानी की बोतल, खाने-पीने की कोई भी वस्तु ले जाना मना होगा। मैच दोपहर 1 बजे से शुरू होगा, दर्शकों को सलाह दी गई है कि वे समय पर पहुंचे।

विराट ने रचा इतिहास

सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बैटर बने

रांची। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में विराट कोहली ने कमाल कर दिया। रांची में विराट ने 120 गेंद में 135 रनों की रिकॉर्ड पारी खेली। इस दौरान किंग कोहली के बल्ले से 11 चौके और 7 छक्के निकले। विराट ने पुरुष वनडे क्रिकेट के इतिहास का 7000वां शतक लगाया, साथ ही किंग कोहली ने सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विराट ने 102 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। किंग कोहली ने शतक पूरा करने के लिए 7 ▶▶|शेष पेज 6 पर

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹95715/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹116900/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹127607/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand Jewels

Pandri, Raipur

*Conditions apply

खबर संक्षेप

असम से 11 घुसपैठियों को वापस भेजा

गुवाहाटी। 11 घुसपैठियों को राज्य से वापस भेज दिया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि घुसपैठियों को श्रीभूमि जिले से वापस भेजा गया, जिसकी सीमा बांग्लादेश से लगती है। शर्मा ने बॉलीवुड की 'एक्शन थ्रिलर' फिल्म 'सिंघम' का संदर्भ दिया।

दो एसयूवी की टक्कर में चार की मौत

भोपाल। मध्यप्रदेश के भोपाल जिले में दो स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों (एसयूवी) की आमने-सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। यह दुर्घटना यहां से 60 किलोमीटर दूर बैरसिया पुलिस थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात हुई। बैरसिया पुलिस थाने के प्रभारी वीरेंद्र कुमार सेन ने बताया कि सभी पीड़ित एक ही एसयूवी में सवार थे और वे श्योपुर जिले के रहने वाले थे।

मशहूर कन्नड़ अभिनेता उमेश का निधन

बेंगलुरु। वरिष्ठ कन्नड़ अभिनेता 'मैसूर' श्रीकांतैया उमेश का 80 वर्ष की उम्र में लंबी बीमारी के बाद रविवार को निधन हो गया। अभिनेता काफी समय से कैंसर से पीड़ित थे और हाल ही में उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।

पारादीप बंदरगाह पर मालवाहक जहाज में आग

पारादीप। ओडिशा के पारादीप बंदरगाह पर खड़े एक मालवाहक जहाज में कोयला का लदान करते समय आग लग गई। यह आग देर रात 12.55 बजे लगी जब चेन्नई राधा बर्थ पर एक कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से कोयले को इको कर्नल मोनोर्विया पर लादा जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद जहाज को सीक्यू-2 बर्थ पर लाया गया और जहाज से कोयला निकाला गया तथा अग्निशमन कर्मियों ने गर्म कोयले पर पानी डाला।

तीन दिवसीय डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस का समापन, मोदी-शाह की मौजूदगी में महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा

सुरक्षित भारत के लिए रोडमैप पर मंथन, नक्सलमुक्त हो रहे बस्तर के विकास के लिए नए मॉडल पर जोर

ऑल इंडिया डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस के तीसरे और अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राष्ट्रीय सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श हुआ। इसी के साथ कांफ्रेंस का समापन हुआ। इस तीन दिनी कांफ्रेंस में विजन 2047 की दिशा में आगे बढ़ते हुए पुलिस व्यवस्था का दीर्घकालीक रोडमैप, आतंकवाद और कट्टरपंथ-निरोध सहित भारतीय भगोड़ों को वापस लाने की रणनीति संबंधी पहलुओं पर मंथन हुआ। साथ ही श्री मोदी ने पुलिस नेतृत्व से आह्वान किया कि वे विकासशील राष्ट्र की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पुलिस व्यवस्था को फिर से व्यवस्थित करें, ताकि विकसित भारत बनने की राह पर साफ हो सके। कांफ्रेंस में नक्सलमुक्त हो रहे बस्तर के विकास के लिए नए मॉडल पर जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री ने पुलिस के प्रति जनता की धारणा बदलने की जरूरत पर बल दिया

पुलिस व्यवस्था को आधुनिक बनाने और इसमें सुधार का किया आग्रह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर में पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया। तीन दिवसीय इस सम्मेलन का विषय 'विकसित भारतः सुरक्षा आयाम' था। प्रधानमंत्री ने खासकर युवाओं के बीच पुलिस के प्रति जनता की धारणा बदलने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा, इसके लिए दक्षता, संवेदनशीलता और जवाबदेही को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने शहरी पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने, पर्यटक ▶▶|शेष पेज 6 पर

खुफिया जानकारी प्राप्त करने एआई से जोड़े

प्रधानमंत्री ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस और व्यापक प्रशासन को निर्जन द्वीपों को एकीकृत करने के लिए नवीन रणनीति अपनाने पर जोर दिया। राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड (नेटग्रिड) के अंतर्गत एकीकृत डेटाबेस का प्रभावी उपयोग करने और कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी प्राप्त करने के लिए इन प्रणालियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को पुलिस जांच में फोरेंसिक के उपयोग पर केस स्टडी करने के लिए प्रोत्साहित करने का ▶▶|शेष पेज 6 पर

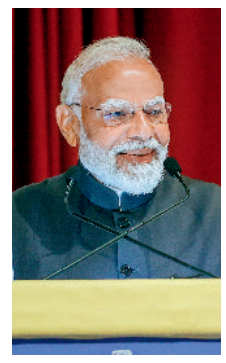

मोदी-शाह दिल्ली रवाना

डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस के तीन दिन के समापन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री दिल्ली रवाना हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार शाम 5.30 बजे रायपुर से दिल्ली रवाना हुए। पीएम की रवानगी के दौरान एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, मंत्रिमंडल के सदस्य और निगम-मंडलों के अध्यक्ष मौजूद रहे। इसके पूर्व केंद्रीय मंत्री अमित शाह शाम ▶▶|शेष पेज 6 पर

बस्तर का विकास रोडमैप तैयार

प्रधानमंत्री ने प्रतिबंधित संगठनों की नियमित निगरानी के लिए तंत्र स्थापित करने, वामपंथी उग्रवाद से मुक्त क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित करने और तटीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए नवोन्मेषी मॉडल अपनाने के महत्व पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए एक समग्र सरकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें ▶▶|शेष पेज 6 पर

खुफिया ब्यूरो के अफसर सम्मानित

प्रधानमंत्री ने खुफिया ब्यूरो के अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया। उन्होंने शहरी पुलिस व्यवस्था में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तीन शहरों को भी पुरस्कार प्रदान किए। ▶▶|शेष पेज 6 पर

22 छात्रों से मोदी ने की पढ़ाई के साथ कॅरियर पर चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों से संवाद किया। नवा रायपुर स्थित एम-1 आवास में प्रदेश से आए केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और अन्य स्कूलों के 22 चुनिंदा छात्रों को आमंत्रित किया गया था। शाम 5 बजे करीब 20 मिनट छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने इन विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ-साथ कॅरियर को लेकर चर्चा की। पीएम श्री मोदी ने इन बच्चों को परीक्षा, पढ़ाई के संदर्भ में टिप्स दिए। 22 छात्रों में से 10 छात्र-छात्राएं छत्तीसगढ़ बोर्ड के तहत सरकारी स्कूलों के थे। चार बच्चे सीबीएसई बोर्ड के निजी स्कूलों से थे। 6 छात्र-छात्राएं नवोदय विद्यालय और केंद्रीय विद्यालयों से थे। सभी विद्यार्थियों को इस महत्वपूर्ण मुलाकात के लिए फॉर्मल ड्रेस में बुलाया गया था।

मुख्यमंत्री ने जताया आभार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ट्विट कर कहा, छत्तीसगढ़ में आयोजित डीजीपी कॉन्फ्रेंस का सफलतापूर्वक संपन्न होना हमारे लिए गर्व का विषय है। पिछले तीन दिनों तक देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, देशभर के डीजीपी एवं सुरक्षा बलों के शीर्ष अधिकारियों की उपस्थिति ने इस आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। ▶▶|शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ में 65 लाख के 27 ईनामी सहित 37 माओवादियों ने छोड़े हथियार

'लाल आतंक' को फिर बड़ी चोट, 37 नक्सलियों ने किया सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

65 लाख के 27 ईनामी सहित 37 माओवादियों ने रविवार को उप महानिरीक्षक कमलोचन कश्यप, पुलिस उप महानिरीक्षक (परि) सीआरपीएफ राकेश चौधरी, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, कमाण्डेंट 111वीं वाहिनी गोपाल यादव, कमाण्डेंट 230वीं वाहिनी अनिल कुमार प्रसाद, कमांडेंट 80वीं वाहिनी जितेन्द्र कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन एवं उप कमांडेंट विमल के समक्ष डीआरजी कार्यालय में आत्मसमर्पण किया।

- शासन की नीति के तहत मिलेगी राशि और प्रशिक्षण

आत्मसमर्पित माओवादियों को पुनर्वास नीति के तहत 50 हजार की सहायता के साथ छत्तीसगढ़ ▶▶|शेष पेज 6 पर

शांति और प्रगति का मार्ग अपना रहे

पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पट्टिलिंगम ने कहा कि पूना मारगेम पुनर्वास से पुनर्जीवन बस्तर में स्थायी शांति, गरिमा और समग्र प्रगति की दिशा में एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभर रहा है। छग शासन की पूना मारगेम पर भरोसा जताते हुए माओवादी हिंसा का मार्ग छोड़कर शांति और प्रगति के मार्ग को अपना रहे हैं और समाज के मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं।

माओवादियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील

माओवादियों से यह अपील की गई है कि वे हिंसा का मार्ग त्यागें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ें। अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझें और शांति, सद्भाव एवं पुनर्वास का मार्ग अपनाएं। हिंसा का मार्ग छोड़िए, शांति, पुनर्वास और सम्मान की राह अपनाकर अपने परिवार और बस्तर के हित में सहभागी बने।

सूचना पर पहुंचे बीएमओ, प्रभारी को थमाया नोटिस

स्वास्थ्य केंद्र में ताला, खुले में कराया महिला का प्रसव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिहारपुर

दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य अमले की लापरवाही से लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में ताला बंद होने के कारण प्रसव के लिए पहुंची एक महिला को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान गर्भवती को अत्याधिक पीड़ा होने पर परिजन ने स्वास्थ्य ▶▶|शेष पेज 6 पर

बीएमओ को दी सूचना

इधर ग्रामीणों ने घटना की सूचना बीएमओ डॉ. बटी बैरागी को दी। वे तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे एवं परिजन से मिलकर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने लापरवाही पर स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी को फटकार लगाई तथा नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बीएमओ डॉ. बैरागी ने बताया कि मामले में स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी की बड़ी लापरवाही सामने आई है। इस संबंध में जांच रिपोर्ट जिला स्वास्थ्य अधिकारी को भेजी गई है।

सोनिया और राहुल की बढ़ी मुश्किलें

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी ने दर्ज करवाई नई एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की शिकायत पर कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई एजेंसी की धन शोधन जांच का हिस्सा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि पार्टी के शीर्ष नेताओं ने 'निजी लाभ' के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने तीन अक्टूबर को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और सात अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। पुलिस ने प्राथमिकी में ▶▶|शेष पेज 6 पर

कांग्रेस बोली - मामला पूरी तरह फर्जी

इस बीच, कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि 'नेशनल हेराल्ड' का मामला पूरी तरह फर्जी है। आखिरकार न्याय की जीत होगी। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी-शाह की जोड़ी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ उत्पीड़न, धमकी और प्रतिशोध की अपनी राजनीति जारी रखे हुए है। जो लोग धमकी देते हैं वे स्वयं असुरक्षित और भयभीत होते हैं।

क्या है आरोप

ईडी ने अपने आरोपपत्र में आरोप लगाया था कि कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियों द्वारा एक 'आपराधिक साजिश' रची गई थी, जिसमें सोनिया गांधी, उनके सांसद पुत्र राहुल गांधी के अलावा दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस तथा दुबे, पित्रोदा और एक निजी कंपनी 'यंग इंडियन' शामिल हैं। इन पर एजेएल की 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियों के अधिग्रहण से संबंधित धन शोधन में संलिप्त होने का आरोप है।

संसद का शीतकालीन सत्र आज से, सर्वदलीय बैठक में विपक्ष के तीखे तेवर

सरकार लाएगी 14 बिल, एसआईआर पर लामबंद विपक्ष!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार असैन्य परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने के प्रावधान वाले विधेयक के साथ सुधारों से जुड़े अपने एजेंडे को आगे बढ़ाएगी, जबकि विपक्ष 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का मुद्दा प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत हंगामेदार रहने और इसमें गतिरोध पैदा होने के आसार रविवार को उस वक्त दिखाई दिए जब सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने एक सुर में यह मांग उठाई कि विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा कराई जानी ▶▶|शेष पेज 6 पर

सबसे छोटा सत्र

शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलेगा। इस बार सत्र केवल 15 बैठकों का होगा, जो सामान्य तौर पर होने वाले 20 बैठकों के मुकाबले काफी कम है। विपक्ष ने सत्र को अपेक्षाकृत छोटा बताते हुए कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत और गहन चर्चा की मांग की है।

सरकार संसदीय परंपराओं को दफना रही: गोगोई

सर्वदलीय बैठक के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जानबूझकर सत्र को छोटा कर रही है। उन्होंने कहा, कुल 19 दिन के सत्र में केवल 15 दिन चर्चा संभव है। शायद यह अब तक का सबसे छोटा शीतकालीन सत्र होगा।

विपक्ष इन मुद्दों पर चर्चा चाहता है?

1. दिल्ली धमाके पर बहस- उन्होंने कहा कि यह सुरक्षा एजेंसियों की विफलता का संकेत है
2. लोकतांत्रिक सुरक्षा- मतदाता सूची, चुनाव सुरक्षा और एसआईआर प्रक्रिया की समीक्षा
3. स्वास्थ्य सुरक्षा- देशभर में बढ़ते प्रदूषण पर आपात चर्चा
4. आर्थिक सुरक्षा- महंगाई और रोजगार पर विस्तृत बहस
5. प्राकृतिक सुरक्षा- जलवायु संकट को लेकर चर्चा की मांग
6. विदेश नीति- विपक्ष का आरोप है कि भारत अपनी विदेश नीति दूसरे देशों की शर्तों पर चला रहा है

लोकसभा और राज्यसभा के लिए 14 विधेयकों की लिस्ट तैयार

- जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, 2025
- इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (संशोधन) विधेयक, 2025 (आईबीसी)
- मणिपुर गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025- अध्यादेश बदलने के लिए
- रीपीलिंग एंड अमेंडिंग बिल, 2025
- नेशनल हाइवेज (संशोधन) विधेयक, 2025
- एटॉमिक एनर्जी बिल, 2025
- कॉरपोरेट लॉज (संशोधन) बिल, 2025
- सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड बिल (SMC), 2025
- इंश्योरेंस लॉज ▶▶|शेष पेज 6 पर

आज कोई भी व्यक्ति बिजली के बगैर जिंदगी की कल्पना भी नहीं कर सकता है, लेकिन बस्तर संभाग के 3 जिले के लगभग 214 गांव ऐसे हैं, जहां लोग आज भी अंधेरे में जीने को मजबूर हैं। बिजली नहीं होने की वजह से बच्चों को पढ़ाई की समस्या होती है। ग्रामीणों के अनुसार बिजली ना होने की वजह से रात के समय कई बार लोग सर्पदंश का शिकार हो जाते हैं।

अब भी 3 जिले के 214 गांव के ग्रामीण अंधेरे में जीने को मजबूर

पहुंचविहीन, दुर्गम, सर्वाधिक नक्सल प्रभावित होने से गांवों में नहीं पहुंची बिजली

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विद्युत कंपनी के अनुसार ऐसे गांव हैं जो पहुंचविहीन दुर्गम सर्वाधिक नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने से वहां अब तक सड़क नहीं बन सकी। यही कारण है कि बिजली नहीं पहुंच सकी। इसमें से बस्तर जिले में सहित दंतेवाड़ा जिले में 11 एवं बीजापुर जिले में 203 गांव हैं, जहां बिजली नहीं है। इसमें से बीजापुर जिले के फरसनार, करपे, गर्तुल, अरेंपल्ली, गुंडापुरी, गुंडनगुर, करकवाड़ा, चिपनपल्ली, जारागुड़ा, छोटेकाकलेर, चेरपल्ली, पिलूर, अन्नापुर, साफीमरका, भंडारपाल, नारायणपुर जिले के हिक्कोनार, टिरकानार, तुरुसमेटा, होड़नार, सुरेर्वाही, अंजरेल, टेमरूगांव, बोरानिरपी, कोडोनार आदि शामिल हैं। ऐसे गांव है जहां सड़क बनने से अविद्युतिकृत गांवों में बिजली पहुंचाई जा सकेगी, वहां इसका प्रयास किया जा रहा है। सड़क नहीं होने से ट्रकों से पोल, ट्रांसफार्मर गांव तक नहीं पहुंच पा रहा है।

ज्यादातर सौर उर्जा प्लांट खराब और बिगड़े

ग्रामीणों ने बताया कि इसमें से कुछ गांव में सौर उर्जा प्लांट से रोशनी देने का प्रयास किया पर ज्यादातर खराब होने से ग्रामीण अंधेरे में रहते हैं। इसके चलते ग्रामीणों के पास मोबाइल नहीं है। मोबाइल को चार्ज करने के लिए बिजली की जरुरत होती है।

गांवों का हो रहा विद्युतीकरण

विद्युत कंपनी जगदलपुर वृत्त के अधीक्षण अभियंता केवी मैथ्यू ने इस संबंध में बताया कि विभिन्न योजनाओं से ऐसे गांव में विद्युतीकरण कार्य किया जा रहा है। ज्यादा से ज्यादा गांव तक पहुंचने का प्रयास कर करेंगे।

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य सेवा में नवाचार बढ़ाने एम्स ने किया एक और एमओयू

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एवं द जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ (जीआईजीएच) इंडिया ने सार्वजनिक स्वास्थ्य और नैदानिक विज्ञान के क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। एमओयू के दौरान एम्स के निदेशक अशोक जिंदल तथा जीआईजीएच के डायरेक्टर विवेकानंद झा मौजूद रहे। एम्स के नेफ्रोलॉजिस्ट डा. विनय राठौर ने बताया कि एमओयू सुपेबेड़ा और आसपास के सीकेडीयू प्रभावित क्षेत्रों में किडनी स्वास्थ्य एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान को व्यापक रूप से आगे बढ़ाएगा। प्रो. विवेकानंद झा ने उच्च गुणवत्ता वाले साक्ष्य उत्पन्न करने की आवश्यकता पर बल दिया। अशोक जिंदल ने कहा कि यह सहयोग अनुसंधान को रोगी देखभाल और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति के लिए प्रभावी रणनीतियों में परिवर्तित करने में सहायक होगा।

'एक फलदार पेड़ मोर दाई के नांव' अभियान

रायपुर। नवा रायपुर के श्री दावड़ा विवि में शुक्रवार को हरियाली दीदी की नवाचार एक फलदार पेड़ मोर दाई के नाव अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चन्दूलाल साहू एक फलदार पौधा अपने मां के याद में लगाने का महत्व एवं इसका सामाजिक लाभ तथा पर्यावरण सुधार के ऊपर व्यापक चर्चा की और पौधा रोपित किया। हरियर बहिनि की संस्थापक सदस्य पुष्पा साहू ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की आह्वान एक पेड़ माँ के नाम योजना को आम लोगों के भावना से जोड़ने की उदेश्य से मोर पेड़ मोर दाई जनजागृति अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने श्रीमती साहू ने फलो की जैविक खेती की वैज्ञानिक तकनीकी एवं महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

सरसों तेल के दाम अब एक बार फिर 200 रुपए लीटर

रायपुर। सरसों तेल के दाम एक बार फिर आसमान पर जा रहे हैं। इस समय राजधानी रायपुर में इसके दाम चिल्हर में 200 रुपए तक चले गए हैं, जबकि थोक में इसके दाम 182 से 185 रुपए लीटर हैं। यह दाम लाल गुलाब जैसे बड़े ब्रांड के हैं। आमतौर पर इसी ब्रांड को ज्यादा पसंद किया जाता है। दूसरे ब्रांड के तेल की कीमत 10 से 20 रुपए कम है। चार साल पहले मार्च 2021 में पहली बार इसके दाम दो सौ रुपए के पार हुए थे। इसके बाद कभी भी इसके दाम इतने नहीं हुए, लेकिन अब एक बार फिर चार साल पहले जैसी स्थिति हो गई है।
सरसों तेल का उपयोग खाना पकाने के साथ अचार बनाने के लिए किया जाता है। वैसे मालिश के लिए भी इसका उपयोग होता है। सरसों तेल की खपत अपने देश में भी बहुत होती है। खाद्य तेलों में इसका प्रतिशत करीब 20 है। अपने राज्य छत्तीसगढ़ में भी सरसों तेल की बहुत खपत होती है।

चुंगी क्षतिपूर्ति कर, मुद्रांक शुल्क, बार लाइसेंस, यात्री कर के रूप में लेनी है राशि

निगम की जेब खाली, अधिकारी-कर्मचारी के वेतन पेंशन के पड़े लाले, सरकार से मांगे 50 करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम अपने अधिकारियों ओर कर्मचारियों को वेतन बांटने की हालत में नहीं है। तंगहाली से जूझ रहे नगर निगम प्रशासन ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर 50 करोड़ की राशि वेतन, पेंशन, सफाई और स्ट्रीट लाइट बिल के लिए मांगी है। निगम के खजाने में इतनी राशि नहीं है कि वह अपने कर्मचारियों, अधिकारियों, पेंशनरों और प्लेसमेंट कर्मचारियों को वेतन दे सके। ऐसे में निगम के वित्त विभाग ने निगम कर्मचारियों, अधिकारियों के वेतन, पेंशन सहित स्ट्रीट लाइट, सफाई सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए 50 करोड़ रुपए की मांग राज्य शासन से की है। इसके लिए निगम मुख्यालय से पत्र शासन को पत्र भेजा गया है। निगम को शासन से मुद्रांक शुल्क, चुंगी क्षतिपूर्ति, बार लाइसेंस के रूप में बकाया राशि शासन से मिलनी है।

दरअसल नगर निगम मुख्यालय और 10 जोन में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को वेतन बांटने हर महीने नगर निगम को 9.5 करोड़ की जरूरत पड़ती है। साथ ही पेंशनरों को हर माह पेंशन के रूप में 3.5 करोड़ रुपए की एकमुश्त राशि चाहिए, यानी कुल 13 करोड़ निगम कर्मचारियों के वेतन और पेंशन का खर्च है। इसके अलावा सफाई कर्मचारियों और स्ट्रीट लाइट, फिल्टर प्लांट के बिजली बिल का खर्च अलग है। कुल मिलाकर एक साल में निगम कर्मचारियों के वेतन और पेंशन के लिए 156 करोड़ की जरूरत पड़ती है, लेकिन निगम की आमद अलग-अलग स्त्रोतों को मिलाकर महज 120 करोड़ के आसपास है, यानी हर साल 36 करोड़ का अंतर पूरा करने राज्य शासन के आगे हाथ फैलाने की नौबत आती है। इस बार भी कमोबेश यही स्थिति है। इसके बाद भी शहरी सरकार निगम के खर्चों को पूरा करने नए आर्थिक स्त्रोत नहीं ढूंढ पा रही है। सूत्रों के मुताबिक, नगर निगम रायपुर को हर साल अक्टूबर से लेकर दिसंबर माह तक आर्थिक तंगी के चलते अपने कर्मचारी, अधिकारियों के वेतन व पेंशनरों की मासिक पेंशन के लिए राज्य सरकार के रहमोकरम पर रहना मजबूरी है।

अलग खबर

अतिरिक्त आय के स्रोत बढ़ाने करेंगे प्रयास

इस बार राजस्व वसूली काफी कम हुई है। मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण विशेष अभियान में एक माह से सभी कर्मचारी व अधिकारियों की ड्यूटी लगने के कारण इस पर असर पड़ा है। यह काम पूरा होते ही राजस्व वसूली में तेजी लाएंगे। पेंशनरों की पेंशन भुगतान पर विशेष ध्यान देंगे। नागरिकों से आग्रह है कि वे समय रहते अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराएं, ताकि विलंब होने पर अतिरिक्त शुल्क न देना पड़े। - **मीनल चौबे**, महापौर।

475 करोड़ राजस्व वसूली का टारगेट, अब तक 100 करोड़ वसूली

निगम आयुक्त विश्वदीप ने राजस्व महकमे को साल 2025-26 के लिए 475 करोड़ रुपए राजस्व वसूली का लक्ष्य दिया है। निगम की 10 जोन कमिश्नरी शहर के 70 वार्डों से अब तक महज 20 फीसदी राशि ही वसूल पाई, यह राशि 100 करोड़ के करीब है। अब 5 महीने में 375 करोड़ की राजस्व वसूली निगम के लिए कड़ी चुनौती के रूप में सामने है। निगम के विभागीय अफसर इस बार राजस्व वसूली पिछड़ने का एक बड़ा कारण राजस्व विभाग के कर्मचारियों, अधिकारियों को मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान कार्य में लगाए जाने को बता रहे हैं।

निगम में राजस्व के प्रमुख स्त्रोतों पर एक नजर

टैक्स वसूली, दुकान किराया, चुंगी क्षतिपूर्ति राशि, मुद्रांक शुल्क, बार लायसेंस, उत्पाद कर, यात्री कर, मनोरंजन कर, शिक्षा उपकर।

फिजिकल टिकट लेने में दूसरे जिलों के दर्शकों को दिक्कत

अब नया रायपुर में 3 तारीख को क्रिकेट संघ खोल सकता है काउंटर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

वनडे मैच के लिए 48 हजार टिकट बिकने के बाद अब फिजिकल टिकट लेने के लिए लोग रायपुर के इंडोर स्टेडियम पहुंचने लगे हैं। राजधानी के लोगों को टिकट लेने में ज्यादा परेशानी नहीं हो रही, लेकिन अन्य जिलों से टिकट बुक करने वालों को अब फिजिकल टिकट के लिए रायपुर आना पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ की ओर से फिलहाल रायपुर के अलावा किसी अन्य जिले में फिजिकल टिकट वितरण की व्यवस्था नहीं की गई है। जानकारी के मुताबिक अभी तक करीब 60 प्रतिशत दर्शक, जो अन्य जिलों से हैं, जिसने फिजिकल टिकट नहीं लिया है। इसी वजह से भीड़ इन दिनों थोड़ी सामान्य बनी हुई है, लेकिन अनुमान है कि 3 दिसंबर को बड़ी संख्या में लोग टिकट लेने और मैच देखने एक साथ पहुंचेंगे। दर्शकों की परेशानी को देखते हुए छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने 3 दिसंबर के लिए नया रायपुर स्थित एनआरडीए से अतिरिक्त टिकट काउंटर खोलने की मांग की है। अगर इसकी मंजूरी मिल जाती है, तो दूसरे जिलों और राज्यों से आने वाले दर्शकों को सीधा स्टेडियम क्षेत्र में ही टिकट मिल सकेगा, जिससे समय और यात्रा दोनों की बचत होगी।

1500 की टिकट के लिए 3 हजार तक चुकाने को तैयार दर्शक

कई क्रिकेट प्रेमी मैच देखने की चाह में 1500 रुपये वाले टिकट के लिए 3000 रुपये तक देने को तैयार हैं। इंडोर स्टेडियम के काउंटर में भी लोग अतिरिक्त टिकटों की मांग कर रहे हैं। वहीं जिन लोगों को ऑनलाइन या पहले चरण में टिकट नहीं मिल पाया, वे अब दूसरों से महंगे दामों में टिकट खरीदने की कोशिश कर रहे हैं।

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विनीत की हृदयाघात से मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विनीत जैन की रविवार दोपहर हृदयाघात से मौत हो गई। उनके निधन की खबर से पूरा रायगढ़ स्तब्ध है, वहीं मेडिकल क्षेत्र में भी शोक व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार डॉ. विनीत जैन की कुछ दिनों से तबीयत नासाज थी, जिसका वो उपचार करा रहे थे। रविवार को दोपहर करीब 12.40 बजे हृदयाघात से उनकी मौत हो गई। डॉक्टर जैन का रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में करीब दो साल का कार्यकाल रहा। उनके कार्यकाल में कॉलेज की स्थिति काफी हद तक सुधर गई थी। मेडिकल कॉलेज के लोगों का कहना था कि उन्होंने व्यवस्था को ठीक कर दिया था, कुछ सुधार बाकी था, लेकिन शायद ईश्वर को मंजूर नहीं था। उनकी मौत की खबर मिलते ही मेडिकल कॉलेज में शोक की लहर दौड़ गई है।

आज होगा रायपुर में अंतिम संस्कार

डॉ. विनीत जैन स्व. विमल चंद के पुत्र व भागचंद, पारसचंद, निर्मलचंद के भतीजे, विकास, विशाल के बड़े भाई तथा पार्थ, जाह्नवी के पिता थे। उनकी अंतिमयात्रा सोमवार की सुबह 10 बजे महावीर नगर रायपुर निवास स्थान, आंचल नर्सिंग होम के पास से मारवाड़ी श्मशान घाट अंतिम संस्कार के लिए जाएगी।

निजी विश्वविद्यालयों का होगा 'हिसाब-किताब' बगैर अनुमति बांटी डिग्री तो मान्यता उद्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के सभी निजी विश्वविद्यालयों को अपने यहां अध्ययनरत छात्रों की पूरी जानकारी देनी होगी। छात्र किस पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया है, अध्ययन सत्र सहित विद्यार्थी के उत्तीर्ण-अनुत्तीर्ण होने की जानकारी भी सौंपनी होगी। यह फैसला निजी विवि विनियामक आयोग द्वारा लिया गया है। निजी विश्वविद्यालयों द्वारा फर्जी डिग्री बांटे जाने सहित कई तरह की शिकायतों के बाद यह आदेश जारी किया गया है। नियामक आयोग ने खत जारी कर उन सभी बिंदुओं का जिक्र किया है, जिसके अंतर्गत प्राइवेट यूनिवर्सिटी अपनी जानकारी प्रेषित करेंगे। निर्धारित अवधि में जानकारी प्रेषित नहीं करने वाले विश्वविद्यालयों पर नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी।

फर्जी डिग्री बांटने के अलावा अलग-अलग माध्यम से विनियामक आयोग को शिकायत प्राप्त हुई है कि विश्वविद्यालयों द्वारा निर्धारित सीटों से अधिक संख्या पर छात्रों को प्रवेश दिया जा रहा है। कई ऐसे पाठ्यक्रम हैं, जिनके संचालन की अनुमति नहीं होने के बाद भी निजी विवि उनका संचालन कर रहे हैं और डिग्री वितरित कर रहे हैं। इसे लेकर कई छात्र संगठन बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन भी कर चुके हैं। निजी विश्वविद्यालयों को ये सभी जानकारी विवि विनियामक आयोग को प्रेषित करने के बाद ऑनलाइन भी अपलोड करनी होगी, ताकि कोई भी व्यक्ति वेबसाइट में जाकर जानकारी प्राप्त कर सकें। संचालित होने वाले पाठ्यक्रम, निर्धारित सीट, पाठ्यक्रम अवधि, शुल्क व अन्य जानकारी अपलोड करने होंगे। यदि निजी विवि में अध्ययनरत छात्रों से तय राशि से अधिक शुल्क लिया जाता है तो वे विनियामक आयोग से शिकायत भी कर सकेंगे। सत्र प्रारंभ होने के दौरान भी नियामक आयोग द्वारा छात्रों और पालकों के लिए अधिसूचना जारी की गई थी। इसमें विद्यार्थियों व पालकों से कहा गया था कि वे किसी भी निजी विवि में प्रवेश लेने से पूर्व उसकी मान्यता संबंधित पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लें।

निजी विश्वविद्यालयों पर आरोप लगते रहे हैं कि वे छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रदान कर देते हैं, लेकिन उनकी उपस्थिति अनिवार्य नहीं होती है। छात्र सीधे परीक्षा में ही शामिल होते हैं। कई विद्यार्थी प्रैक्टिकल परीक्षाओं में भी शामिल नहीं होते हैं। कई छात्र एक ही समय में अलग-अलग संस्थानों से दो डिग्री एक साथ ले रहे होते हैं। इस तरह की शिकायतों के समाधान के लिए छात्रों की बायोमेट्रिक्स उपस्थिति भी आयोग अनिवार्य करने वाला है।

ऑटो एक्सपो का आयोजन नौ माह पूर्व किया गया था

डीलर की मामूली चूक की वजह से एक्सपो में गाड़ी खरीदने वाले सवा सौ को अब तक नहीं मिला आरसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ऑटो एक्सपो में ऑटो डीलरों की मामूली चूक की वजह से सवा सौ वाहन मालिकों को गाड़ी खरीदने के बाद भी अब तक परिवहन विभाग से आरसी बुक नहीं मिल पाया है। आरसी हासिल करने वाहन चालक डीलर के साथ परिवहन विभाग के चक्कर काटने मजबूर हैं। बताया जा रहा है, वाहन खरीदते समय डीलर के साथ वाहन खरीदने वालों द्वारा दस्तावेज जमा करने के दौरान मामूली चूक हुई। इसके कारण एनआईसी ने उन वाहन मालिकों का आरसी बुक तैयार ही नहीं किया। एक्सपो में गाड़ी खरीदने वाले सवा सौ से ज्यादा लोगों को अब तक आरसी बुक नहीं मिला है। परिवहन विभाग के अफसरों से संपर्क करने पर उन लोगों ने बताया है कि जिन लोगों को आरसी नहीं मिला है, उन गाड़ी खरीदी करने वालों का आरसी तैयार कर देने एनआईसी को पत्र लिखा गया है। एनआईसी ने परिवहन विभाग के अफसरों को जल्द ही त्रुटि सुधार कर आरसी देने की जानकारी दी। परिवहन विभाग के अफसर पिछले छह महीने से ज्यादा समय से एनआईसी को आरसी देने संपर्क कर रहे हैं, बावजूद इसके एनआईसी ने अब तक आरसी बुक बनाकर परिवहन विभाग को नहीं दिया है। फेडरेशन ऑफ ऑटो डीलर एसोसिएशन (फाडा) के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया से संपर्क करने पर बताया कि उन लोगों ने ऐसे गाड़ी खरीदने वाले जिन्हें अब तक आरसी नहीं मिला है, उन्हें जल्द आरसी मिले इसके लिए उन लोगों ने परिवहन विभाग के अफसरों से मुलाकात की है। साथ ही ज्ञापन भी दे चुके हैं।

खास खबर

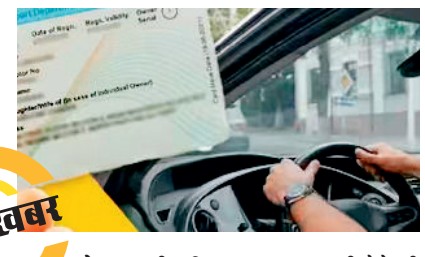

बगैर आरसी के बीमा क्लेम नहीं कर सकते

जिन लोगों को आरसी बुक नहीं मिला है, एक्सीडेंट या अन्य किसी तरह की स्थिति निर्मित होने पर गाड़ी मालिक बीमा क्लेम नहीं कर सकते। बगैर आरसी के गाड़ी मालिक अपनी गाड़ी दूसरे राज्य नहीं ले जा सकते। इसके साथ ही गाड़ी मालिकों को बगैर आरसी के कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

अन्यथा छूट का लाभ नहीं मिलेगा

गाड़ी खरीदने वाले लोग संबंधित डीलर से संपर्क कर रहे, तो उन लोगों का कहना है कि वर्तमान स्थिति में नया डाक्यूमेंट वे तैयार कर परिवहन विभाग को भेज देंगे। ऐसा करने पर वाहन मालिकों को एक्सपो में रोड टैक्स सहित अन्य छूट का लाभ दिया गया है, वह उन्हें नहीं मिलेगा। ऐसे में एक्सपो में गाड़ी खरीदने वाले बीच मझधार में फंस गए हैं।

बिलासपुर

सोमवार 1 दिसंबर 2025

अगहन शुक्ल पक्ष एकादशी
वर्ष : 25, अंक : 248
पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 4.00***

मौसम
अधि. 27.2
न्यून. 14.0

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी को

छत्तीसगढ़ समेत 12 राज्यों में अब 11 तक एसआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के पूरे कार्यक्रम को रविवार को एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया। आयोग ने यह कदम विपक्षी दलों के इन आरोपों के बीच उठाया कि 'कम समय-सीमा' लोगों और जमीनी स्तर के चुनाव अधिकारियों के लिए समस्याएं पैदा कर रही है। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि गणना प्रपत्र वितरण अब चार दिसंबर के बजाय 11 दिसंबर तक जारी रहेगा।

करीब 51 करोड़ मतदाता

निर्वाचन आयोग ने 27 अक्टूबर को इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा की थी। लगभग 51 करोड़ मतदाता इस कवायद के दायरे में आएंगे। ये राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं - अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्यप्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल।

चूहों के हमले से पक्षियों की मौत, घबराए सफारी प्रबंधन ने आनन-फानन में 38 पक्षियों को शिफ्ट किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नंदनवन पक्षी विहार में चूहों के हमले से पक्षियों की लगातार हो रही मौत की खबर हरिभूमि में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद वन महकमे में हड़कंप मच गया। ऐसे में सफारी प्रबंधन आनन-फानन में रविवार को बगैर किसी शासकीय आदेश के पक्षियों को नंदनवन से जंगल सफारी शिफ्ट करने लगा। पक्षियों की गलत तरीके से चोरी-छिपे शिफ्टिंग से नाराज ग्रामीणों ने पक्षी चोरी की आमानाका थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आमानाका पुलिस ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है। नंदवन पक्षी विहार में पक्षियों का दाना चट कर रहे चूहे ⏭शेष पेज 6 पर

हरिभूमि लगातार

सरपंच बोले- हड़बड़ी में ले गए 38 पक्षी

हथबंद के सरपंच ताजूराम निषाद के अनुसार, जंगल सफारी के डॉक्टर समेत कुछ अन्य कर्मचारी रविवार को दोपहर 12 बजे के करीब नंदनवन पहुंचे और वहां बाड़े में विचरण कर रहे 38 पक्षियों को छोटे पिंजरे में बंद कर बोलेरो कार से ले गए। सरपंच के अनुसार, जब ग्रामीण जंगल सफारी के डायरेक्टर से बात कर रहे थे। इस दौरान डॉक्टर तथा सफारी प्रबंधन से जुड़े अन्य कर्मचारी आनन-फानन में पक्षियों को पिंजरे में कैद कर जंगल सफारी ले गए।

ग्रामीणों ने डॉक्टर के खिलाफ आमानाका थाने में पक्षी चोरी की लिखित शिकायत दर्ज कराई

हरिभूमि में खबर प्रकाशित होने के बाद हरकत में आया सफारी प्रबंधन

सरकार के दो साल पूरे होने पर 22 दिसंबर को भव्य आयोजन रायपुर से बाहर जांजगीर में संभव

सत्ता और संगठन ने तैयारियां शुरू कीं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे शिरकत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने वाले हैं। इस अवसर पर 22 दिसंबर को प्रदेश सरकार के साथ ही प्रदेश का भाजपा संगठन सरकार के दो साल पूरे होने पर भव्य आयोजन करने की तैयारी में जुटा है। यह बड़ा आयोजन राजधानी रायपुर से बाहर करने की योजना बनी है। इसके लिए पहला संभावित स्थान जांजगीर-चांपा है। इस आयोजन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा आएंगे।

खास खबर

सूत्रों के अनुसार इस आयोजन को इस बार रायपुर में न करके रायपुर से बाहर करने की तैयारी है। सत्ता और संगठन का मानना है कि रायपुर में नियमित रूप से आयोजन हो रहे हैं। ऐसे में प्रदेश के किसी दूसरे जिले में सरकार के दूसरे साल का जश्न मनाया जाना चाहिए। इससे पहले मैनपाट में भाजपा सरकार के मंत्रियों के साथ विधायक और सांसदों का बड़ा प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया था। कई बड़े आयोजन प्रदेश सरकार दूसरे जिलों में कर रही है।

नड्डा का भी प्रदेश से विशेष लगाव

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव है, वे छत्तीसगढ़ के भाजपा के प्रदेश प्रभारी भी रह चुके हैं। उनका भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद छत्तीसगढ़ लगातार आना हो रहा है। भाजपा के सदस्यता अभियान के समय श्री नड्डा ने छत्तीसगढ़ में सदस्यता अभियान की रफ्तार को देखते हुए 50 लाख के लक्ष्य को 60 लाख कर दिया था। अब वे एक बार फिर से छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने पर आ रहे हैं। इस आयोजन में प्रदेश मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ ही पूरे मंत्रिमंडल के भी शामिल होने की संभावना है।

केंद्र सरकार का विशेष ध्यान, छत्तीसगढ़ को मिल रही है तवज्जो

छत्तीसगढ़ में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के साथ ही केंद्र सरकार का विशेष ध्यान है। इसका बड़ा सबूत है कि राज्य स्थापना दिवस पर यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आए थे। इसी के साथ श्री मोदी एक माह में ही यहां पर दो बार आए। वे 28 से 30 नवंबर तीन दिनों तक यहां पर डीजी-आईजी कॉन्फ्रेंस में रहे। इस कांफ्रेंस में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। इसी के साथ नवंबर में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू भी अंबिकापुर आईं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह लगातार छत्तीसगढ़ आते रहे हैं। उनकी रणनीति के तहत ही अब छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद भी समाप्त होने वाला है। इसी के साथ लगातार कई केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं का भी छत्तीसगढ़ आना हो रहा है।

चक्रवात का कहर, तीन राज्यों में अलर्ट, छत्तीसगढ़ में छाए रहे बादल

दितवाह की एंट्री, तमिलनाडु-पुडुचेरी में भारी बारिश, ढह गए कई आशियाने, तीन की मौत

साइक्लोन दितवाह की पुडुचेरी में एंट्री हो गई है। जैसे ही चक्रवात ने दस्तक दी, वैसे ही पुडुचेरी पोर्ट पर तूफान की चेतावनी का झंडा नंबर पांच फहरा दिया गया। तमिलनाडु में भारी बारिश की वजह से भारी क्षति हुई है। कच्चे मकान ढह गए। तूतीकोरिन और तंजावुर में रविवार को दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। मयिलादुथुराई में करंट लगने से 20 साल के युवक की जान चली गई, वहीं 150 से अधिक जानवरों की मौत की खबर है। आंध्रप्रदेश के तटीय इलाकों में भी भारी बारिश से जनजीवन बेहाल है। इधर, श्रीलंका में चक्रवात ने भारी तबाही मचाई, यहां अब तक 212 लोगों की मौत हो चुकी है और 218 लोग लापता हैं।

एजेंसी ⏭ चेन्नई

चक्रवात 'दितवाह' के प्रभाव से तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश जारी है जबकि वर्षा से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। मौसम कार्यालय ने कहा कि अगले 24 घंटों में चक्रवात के राज्य के उत्तरी हिस्सों के तटों और पड़ोसी पुडुचेरी के समानांतर बढ़ने की संभावना है। तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा जिलों में भारी बारिश के कारण रामनाथपुरम और नागपट्टिनम जिलों में भारी बारिश हुई है। तटीय शहरों रामेश्वरम और नागपट्टिनम में जनजीवन प्रभावित रहा क्योंकि भारी बारिश के कारण कई निचले इलाके जलमग्न हो गए। क्षेत्रीय मौसम विभाग के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार, चक्रवात 7 किमी प्रति घंटे की गति से लगभग उत्तर की ओर बढ़ गया है और यह कुड्डालोर से लगभग 100 किलोमीटर ⏭शेष पेज 6 पर

- आंध्रप्रदेश के तटीय इलाकों में भी जनजीवन बेहाल

श्रीलंका में भारी तबाही, अब तक 212 से अधिक की गई जान

अगले 24 घंटे अहम

निजी मौसम ब्लॉगरों ने कहा कि चक्रवात कमजोर होकर गहरे अवदाब वाले क्षेत्र में बदल जाएगा। मयिलादुथुराई में पिछले 24 घंटों में 140-220 मिमी भारी बारिश दर्ज की गई। एक अन्य निजी ब्लॉगर ने कहा, चक्रवात और कमजोर होकर गहरे अवदाब वाले क्षेत्र में बदल जाएगा और फिर उत्तर की ओर बढ़ जाएगा। उम्मीद है कि यह चक्रवात एक और दिन समुद्र के ऊपर बना रहेगा और चेन्नई तट से टकराये बिना ही प्रभावहीन हो जाएगा।

150 से अधिक जानवरों की मौत

38 आपदा प्रतिक्रिया टीम की मुस्तैद

54 उड़ानें तमिलनाडु से हुईं रद्द

234 से अधिक झोपड़ियों को नुकसान

ट्रेनों का रूट बदला कुछ उड़ानें रद्द

तमिलनाडु में भारी बारिश से जनजीवन पर गहरा असर पड़ा है। यहां 14 एनडीआरएफ की टीमें तैनात हैं। पुणे और वडोदरा से 10 और टीमें चेन्नई भेजी गईं। रामेश्वरम-चेन्नई सेक्टर में 11 ट्रेनों का रूट बदला गया है।

टीमें तैनात स्कूलों में छुट्टी

3 दिसंबर तक आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में तेज बारिश होने का अनुमान है। पुडुचेरी में साइक्लोन से निपटने के लिए 2 एनडीआरएफ टीम तैनात की गईं।

श्रीलंका में तबाही भारत की मदद से बचाव अभियान जारी

इधर, श्रीलंका ने चक्रवात 'दित्वा' के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही और 200 से अधिक लोगों की मौत के बाद रविवार को भारत की सहायता से राहत और बचाव कार्य जारी रखा। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र की ओर से रविवार शाम चार बजे जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार से अब तक 212 लोगों की मौत हो चुकी है और 218 लोग लापता हैं। डीएमसी ने बताया कि 9,98,918 लोग प्रभावित हुए हैं। इस बीच, भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और भारतीय वायुसेना के कर्मी लोगों की जान बचाने में श्रीलंकाई अधिकारियों की सहायता के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

आतंक के खिलाफ कार्रवाई में बड़ी सफलता हाथ लगी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को आतंक के खिलाफ कार्रवाई में बड़ी सफलता हाथ लगी है। स्पेशल सेल ने 3 से ज्यादा आतंकियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े टेररिस्ट शहजाद भट्टी के संपर्क में ये सभी आतंकी थे। पकड़े गए सभी आतंकी उत्तर भारत के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

कंटेनर से टकराई कार भाई-बहन की मौत

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के औराई क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर एक तेज रफ्तार कार के कंटेनर से टकरा जाने के कारण कार में सवार भाई-बहन की मौके पर ही मौत हो गई। तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। वाराणसी जिले के गिलट बाजार निवासी विनय श्रीवास्तव (35) अपनी पत्नी श्रेया (28), बहन श्वेता (44), सीमा देवी (45) और उसके 10 वर्षीय बेटे जयेश को लेकर प्रयागराज जा रहा था। रास्ते

नेपाल में 4.4 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रांत के बझांग जिले में रविवार को 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। स्थानीय समयानुसार अपराह्न 12:09 बजे आए भूकंप का केंद्र बझांग जिले में साइपाल पर्वत था।

पीएम मोदी से सपरिवार मिले सीएम साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आयोजित 60वें डीजीपी–आईजी कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने परिवार सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की। इस मुलाकात को लेकर सीएम साय सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'सत्पुरुषसंसर्गो हि कृतार्थयति जीवनम्'। सीएम विष्णुदेव साय आगे लिखा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की हमारे परिवारजनों से हुई मुलाकात जीवन भर याद रहने वाला प्रेरक अनुभव है। अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच जिस आत्मीयता से मोदीजी ने सबका हालचाल पूछा, बच्चों से सहज होकर बात की और आशीर्वाद दिया, वह अविस्मरणीय है। माननीय प्रधानमंत्री के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान परिवार की तीन पीढ़ियों को एक साथ उनके सान्निध्य में बैठने का अवसर मिला, यह हमारे लिए भावुक कर देने वाला क्षण था।

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी अपने पूरे परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। डॉ. रमन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, धन्यवाद प्रधानमंत्री आज स्पीकर हाउस, नया रायपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सपरिवार आत्मीय मुलाकात की। इस भेंट के दौरान पूरे परिवार और विशेषकर परिवार के बच्चों के साथ आदरणीय मोदी की तन्मयता और स्नेह से सभी अनुग्रहित हैं। अपने व्यस्ततम कार्यक्रम से समय निकालकर परिवार से मिलने के लिए मैं हृदय से श्री मोदी जी का आभार प्रकट करता हूं।

भीषण हादसे में 40 घायल

दो बसों की आमने-सामने की टक्कर, 11 यात्रियों की मौत

एजेंसी ⏭ शिवगंगा

तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में रविवार को दो बसों के आमने-सामने जोरदार टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और करीब 40 लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा तिरुप्पत्तूर के पास कुम्मानगुडी रोड पर हुआ। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। एक बस तिरुप्पुर से कराईकुड़ी जा रही थी, जबकि दूसरी बस कराईकुड़ी से दिन्दिगुल की ओर जा रही थी।

शिवगंगा जिले के पुलिस अधीक्षक शिव प्रसाद ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि टक्कर की सूचना मिलते ही मौके पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और पुलिसकर्मी तथा स्थानीय लोग घायलों को बचाने के लिए दौड़ पड़े।

बस ने ऑटो को रौंदा, एक ही परिवार के छह की मौत

मुरादाबाद। दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर एक भीषण सड़क दुर्घटना में शादी समारोह में जा रहे एक ही परिवार के छह लोग काल के गाल में समा गए। मेरठ डिपो की एक अनियंत्रित रोडवेज बस ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस हादसे में छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह दर्दनाक घटना तब हुई जब कुंदरकी क्षेत्र के अब्दुल्लापुर गांव निवासी संजू, सीमा पत्नी करन सिंह, आरती पुत्री मुरारी, अभय पुत्र ओमवीर, सुमन पत्नी हरदीप और करन सिंह की एक अन्य पुत्री, संजू के ऑटो में सवार होकर कटघर क्षेत्र के रफतापुर गांव में भात (शादी की रस्म) लेकर जा रहे थे।

बसों के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि टक्कर के कारण दोनों वाहनों का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में कई यात्रियों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। पुलिस के अनुसार, हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत शिवगंगा जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि कई घायलों की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है।

एक प्यार ऐसा भी...प्रेमिका बोली- मेरा आशिक मरकर भी जीत गया

पिता ने प्रेमी को मार डाला, तो बेटी ने 'शव' से की शादी!

एजेंसी ⏭ नांदेड़

महाराष्ट्र के नांदेड में एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने पूरे शहर को भीतर तक झकझोर दिया। यहां 21 वर्षीय युवती ने अपने पिता और दो भाइयों द्वारा उसके प्रेमी की कथित रूप से हत्या किए जाने के बाद अपने प्रेमी के शव से ही 'विवाह' कर लिया। आंचल मामिडवार के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं, जिसमें वह अपने प्रेमी के घर में उसके शव से 'विवाह' करती नजर आ रही है और हत्या के लिए अपने परिजन को फांसी दिए जाने की मांग कर रही है। पुलिस के अनुसार, आंचल का प्रेमी सक्षम ताटे (20) गुरुवार शाम पुराने गंज क्षेत्र में अपने मित्रों के साथ खड़ा था।

पहले मारी गोलियां, फिर सिर पर भारी पत्थर

पुलिस के अनुसार, 20 वर्षीय सक्षम ताटे की हत्या उसकी प्रेमिका आंचल मामिडवार के पिता और भाइयों ने मिलकर की। गुरुवार शाम सक्षम को पहले तीन गोलियां मारी गईं, फिर उसके सिर पर भारी पत्थर मारकर उसे मौत के घाट उतार दिया गया। पुलिस के अनुसार, सक्षम और मुख्य आरोपी हिमेश दोनों की आपराधिक पृष्ठभूमि है और कभी वे घनिष्ठ मित्र थे। उसने बताया कि मामिडवार परिवार आंचल और सक्षम के रिश्ते का विरोध कर रहा था लेकिन दोनों ने संबंध समाप्त करने से इनकार कर दिया जिसके बाद सक्षम की हत्या की गई तथा यह नाटकीय 'विवाह' हुआ।

छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज

इटवारा थाने के अधिकारी के मुताबिक, मामले में छह लोगों के खिलाफ हत्या, अवैध रूप से एकत्र होने, दंगा करने और अन्य अपराधों के आरोप में भारतीय न्याय संहिता, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अधिनियम और शस्त्र कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जाति अलग होने से रिश्ते के खिलाफ था परिवार

आंचल ने कहा, मैं पिछले तीन साल से सक्षम से प्रेम करती थी लेकिन जाति अलग होने के कारण मेरे पिता हमारे रिश्ते के खिलाफ थे। मेरा परिवार अक्सर सक्षम को जान से मारने की धमकी देता था और अब मेरे पिता एवं भाइयों हिमेश और साहिल ने उसे मार डाला। मैं न्याय चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि आरोपियों को फांसी दी जाए। उसने कहा कि अब उसका सक्षम के घर में ही रहने का इरादा है।

चिंतन

नई एफआईआर से संदेश कानून से ऊपर कोई नहीं

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी और लोकसभा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज हुई है। इस मामले ने एक बार फिर सियासी गलियारों में हलचल मचा दी। साथ ही संदेश भी दिया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। गलत काम किया है तो जांच का सामना भी करना पड़ेगा। सजा भी भुगतनी होगी। इस मुद्दे को लेकर सत्तापक्ष हमेशा से ही कांग्रेस के खिलाफ मुखर रहा है। भाजपा शुरू से ही आरोप लगाती रही है कि कांग्रेस नेताओं ने बड़े-बड़े घोटाले किए हैं, देश को बर्बाद कर दिया और हजारों करोड़ का गोलमाल कर देश को पीछे धकेलने का काम किया है। अब ईडी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा नई एफआईआर दर्ज करने से उनके आरोपों को और बल मिला है। इस मामले को लेकर सत्तापक्ष के नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी, सोनिया गांधी और गांधी-वाड्रा परिवार एक भ्रष्ट परिवार है। वे कानून से ऊपर नहीं हैं। अगर आरोप हैं, तो एजेंसियां उसी हिसाब से अपनी जांच करेंगी। उनका कहना है कि नई एफआईआर दस्तावेजों और सबूतों के गहन अध्ययन के बाद दर्ज की गई है। कार्रवाई किसी भी तरह बदले की भावना से नहीं हुई। अदालत स्वतंत्र और निष्पक्ष है। जब प्राप्त साक्ष्य मिलते हैं, तब एफआईआर के लिए कहा जाता है। एफआईआर में साक्ष्य लगने के बाद कोर्ट उसको स्वीकार करता है। इस एफआईआर में आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और विश्वासघात जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि कांग्रेस के स्वामित्व वाली संस्था एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड का धोखाधड़ी से अधिग्रहण किया गया था। इसकी कुल संपत्ति 2000 करोड़ रुपये थी। कोलकाता की डोटेक्स मर्चेंडाइज ने यंग इंडियन को 1 करोड़ रुपये दिए, जिसके बाद यंग इंडियन ने कांग्रेस को 50 लाख रुपये चुकाकर एजेएल पर अपना नियंत्रण हासिल कर लिया। यंग इंडियन के माध्यम से यह अधिग्रहण संपन्न हुआ था और गांधी परिवार की इसमें 76 फीसदी हिस्सेदारी थी। ईडी ने 9 अप्रैल, 2025 को सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और डोटेक्स के प्रमोटर के खिलाफ नेशनल हेराल्ड/ एसोसिएटेड जर्नल्स प्राइवेट लिमिटेड (एजेएल) से जुड़े कथित मनी लान्ड्रिंग मामले में एक चार्जशीट दायर की थी। इसी सिलसिले में यह नई एफआईआर दर्ज हुई है। यह मामला सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में उठाया था। उन्होंने दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एक याचिका दाखिल करते हुए सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के ही मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे पर घाटे में चल रहे नेशनल हेराल्ड अखबार को धोखाधड़ी और पैसों की हेराफेरी के जरिए हड़पने का आरोप लगाया था। आरोप के मुताबिक, कांग्रेसी नेताओं ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कब्जे के लिए यंग इंडियन लिमिटेड ऑर्गेनाइजेशन बनाया और उसके जरिए नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करने वाली एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) का अवैध अधिग्रहण कर लिया। अब दिल्ली पुलिस जल्द ही एजेएल के शेयरधारकों को तलब कर सकती है, ताकि यह पता चले कि क्या इस ट्रांसफर से पहले कांग्रेस ने उनसे अनुमति ली थी। अब इस मामले में आगे क्या होगा, यह तो भविष्य के गर्भ में है, लेकिन फिलहाल कांग्रेस के बड़े नेताओं की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं।

संसद का सत्र

डॉ. पवन कुमार शर्मा

जनता की उम्मीदें जीतेंगी या राजनीति

संसद का शीतकालीन सत्र इस बार 1 से 19 दिसंबर तक चलेगा। यह 18वीं लोकसभा का छठा सत्र है। शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कुल 15 बैठकें होंगी। इस छोटे लेकिन अहम सत्र में सरकार 10 नए बिल पेश करेगी और 2 अहम बिलों को सेलेक्ट कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर दोबारा मंजूरी के लिए सदन में लाएगी। शीतकालीन सत्र में इस बार केंद्र सरकार का फोकस आर्थिक सुधार, निवेश-प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचा विकास, शिक्षा सुधार, सुशासन व कानून-व्यवस्था जैसे विषयों पर है।

मानसून सत्र में सेलेक्ट कमेटी के पास भेजे गए दो विधेयकों- जन विश्वास विधेयक 2025 एवं भारत में दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) संशोधन विधेयक पर इस सत्र में पुनर्विचार एवं पारित होने की संभावना है। जन विश्वास विधेयक दर्जनों छोटे कंप्लायंस संबंधी अपराधों को डिक्रिमिनलाइज करता है जबकि आईबीसी संशोधन विधेयक में बड़े बदलावों के जरिए कर्जदार-लेनदार के विवादों को तेजी से खत्म करने पर फोकस है। इस विधेयक का उद्देश्य प्रक्रियात्मक अनुशासन को कड़ा करना, जटिल कॉर्पोरेट संरचनाओं के लिए समूह दिवालियापन की रूपरेखा पेश करना और सीमा-पार दिवालियापन के मामलों को संभालना है। इसमें सरकार के बकाया को 'सेक्योर्ड क्रेडिटर' मानने जैसे सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों को बदलने का भी प्रस्ताव है। संसद के विंटर सेशन के दौरान जिन 10 नए विधेयकों के पेश होने की संभावना है उनमें एटॉमिक एनर्जी बिल, 2025 प्रमुख है जो नागरिक परमाणु ऊर्जा सेक्टर में निजी कंपनियों को भागीदारी की अनुमति देने और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र का नया नियामक ढांचा स्थापित करने का प्रस्ताव करता है। दूसरा महत्वपूर्ण बिल हायर एजुकेशन कमिशन ऑफ इंडिया बिल 2025 है जो उच्च शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता, मान्यता, शासन-संरचना आदि सुधारने के लिए एक नया आयोग स्थापित करने का प्रयास करता है। इसी तरह नेशनल हाइवेज संशोधन विधेयक 2025, राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास, भूमि अधिग्रहण, पारदर्शिता और गति को बेहतर बनाने के लिए संशोधन का प्रस्ताव करता है। कॉर्पोरेट लॉज संशोधन विधेयक 2025, कंपनी कानूनों में सुधार व अद्यतन व्यापार-नियमों और कॉर्पोरेट संचालन में बदलाव का प्रस्ताव करता है। सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड बिल 2025, प्रतिभूति बाजार संबंधित कई पुराने कानूनों को एक समेकित कोड में बदलने का प्रस्ताव करता है ताकि विनियमन और निवेश आसान हो सके। इंश्योरेंस लॉज संशोधन विधेयक 2025, बीमा क्षेत्र में सुधार, निवेश-पर्यावरण सुगम बनाने और मार्केट विस्तार के लिए कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव करता है। आर्बिट्रेशन एवं कॉन्सिलिएशन संशोधन विधेयक 2025, मध्यस्थता व सुलह प्रक्रियाओं को द्रुत व सरल बनाने हेतु संशोधन का प्रस्ताव करता है। रिपीलिंग एवं संशोधन विधेयक 2025, पुराने, अप्रयुक्त या अव्यवहार्य कानूनों को निरस्त या संशोधित करने से संबंधित है। मणिपुर जीएसटी संशोधन विधेयक 2025, मणिपुर के लिए माल एवं सेवा कर अधिनियम में संशोधन से जुड़ा बिल है जिससे राजस्व व स्थानीय कानून–व्यवस्था से जुड़ी व्यवस्थाएं सुधारने का प्रस्ताव है। इसके अलावा संविधान विधेयक 2025, संवैधानिक स्तर पर कुछ

प्रावधानों में बदलाव के लिए एक महत्वपूर्ण विधेयक है जो संविधान के प्रावधानों को अद्यतन या संशोधित करने का प्रस्ताव करता है। 18वीं लोक सभा का छठा सत्र देश की राजनीति, कानून और नीति निर्माण के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2025 का यह शीत सत्र कई संवेदनशील मुद्दों और बड़े सुधारों के कारण विशेष रूप से चर्चा में है। दिल्ली एनसीआर में वायु-प्रदूषण एक गंभीर चुनौती बन चुका है। विंटर सेशन में विपक्ष इस मुद्दे को 'स्वास्थ्य आपातकाल' की तरह उठाने का मंसूबा जाहिर कर चुका है। हालांकि यह विषय सत्र के आधिकारिक एजेंडे में नहीं है, फिर भी यह जनता के जीवन-स्तर से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है।

देश के 12 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर इस सत्र के दौरान गहमागहमी होने के पूरे आसार हैं। तमाम विपक्षी दल इस प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और मतदाता बहिष्करण के जोखिम की बातें कई महीनों से उठा रहे हैं, लिहाजा विरोधी दलों की तरफ से इस मुद्दे पर विस्तृत बहस की मांग की जा रही है। 'वन्दे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा को एजेंडे में विशेष रूप से शामिल किया गया है। यह सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान से जुड़ा विषय है लिहाजा इसमें संवेदनशीलता तो है लेकिन इस मुद्दे पर सियासत और राजनीतिक बयानबाजी भी खूब हो रही है। सरकार के प्रस्तावित एजेंडा के साथ-साथ, विपक्ष की ओर से कुछ गंभीर चिंताएं व तैयारियां देखी जा रही हैं जो शीतकालीन सत्र को चुनौतीपूर्ण और प्रतिस्पर्धात्मक बना सकती हैं। मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दल पहले ही तीखी नाराजगी जता चुके हैं। उनका आरोप है कि इसमें राजनीतिक दुरुपयोग हो सकता है। इस तरह की बहसों में राजनीतिक, क्षेत्रीय और धार्मिक मतभेद भी खुलकर सामने आ सकते हैं। आर्थिक सुधारों को लेकर खासकर दिवालियापन व निजी क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा विषय पर विपक्ष यह सवाल उठाता रहा है कि इससे रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और छोटे उद्योगों की स्थिति पर क्या असर पड़ेगा। साथ ही, यदि सत्र में पर्याप्त समय नहीं दिया गया या सार्वजनिक बहस सीमित रही तो नीतिगत बदलावों और संवैधानिक संशोधनों पर व्यापक सामाजिक विमर्श नहीं हो सकने का जोखिम भी है। सत्र की छोटी अवधि यानी महज 15 बैठकों में इतने महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत बहस कठिन है। इसमें जल्दबाजी या आधी-अधूरी चर्चा का जोखिम है। यदि प्रक्रियाएं जल्दबाजी में होंगी तो जनता और विशेषज्ञ समूहों की भागीदारी कम हो सकती है, जिससे नीतियों पर भरोसा घटने का खतरा है।

सच्चाई यह भी है कि संसद के मानसून सत्र के दौरान मतदाता पुनरीक्षण का मामला हावी रहा था और उत्पादकता में भारी कमी आई थी। 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चले मानसून सत्र के दौरान लगभग दो-तिहाई समय व्यवधान की भेंट चढ़ा था। 18वीं लोकसभा में अब तक के सत्रों की यह सबसे कम उत्पादकता है। प्रश्नकाल के दौरान, लोक सभा में निर्धारित समय का केवल 23% तथा राज्य सभा में केवल 6% ही काम हो सका। 18वीं लोक सभा का यह शीतकालीन सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह आर्थिक सुधारों, मतदाता सूची की पारदर्शिता, सांस्कृतिक मुद्दों और पर्यावरण नीति के संदर्भ में निर्णायक साबित हो सकता है। लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या सरकार और विपक्ष मिलकर लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करते हुए संवेदनशील और गंभीर बहस कर पाते हैं। संसद का शीतकालीन सत्र अगर रचनात्मक ढंग से चलता है तो देश की नीति एवं दिशा को सकारात्मक गति मिल सकती है, अन्यथा यह अवसर एक बार फिर टैक्सपेयर की गाढ़ी कमाई की बर्बादी ही साबित होगा

(लेखक संसद टीवी में कार्यरत हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

संसद का शीतकालीन सत्र इस बार 1 से 19 दिसंबर तक चलेगा। यह 18वीं लोकसभा का छठा सत्र है। इस शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कुल 15 बैठकें होंगी। इस छोटे लेकिन अहम सत्र में सरकार 10 नए बिल पेश करेगी और 2 अहम बिलों को सेलेक्ट कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर दोबारा मंजूरी के लिए सदन में लाएगी। यह आर्थिक सुधारों, मतदाता सूची की पारदर्शिता, सांस्कृतिक मुद्दों और पर्यावरण नीति के संदर्भ में निर्णायक साबित हो सकता है। संसद का शीतकालीन सत्र अगर रचनात्मक ढंग से चलता है तो देश की नीति एवं दिशा को सकारात्मक गति मिल सकती है, अन्यथा यह अवसर एक बार फिर टैक्सपेयर की गाढ़ी कमाई की बर्बादी ही साबित होगा।

गीता जयंती विशेष

डॉ. सुशील टाया

गीतामय पंच परिवर्तन

कर्मणैव हि संसिद्धिमास्थिता जनकादयः।
लोकसंग्रहमेवापि सम्पश्यन् कर्तुमर्हसि॥

महाभारत के युद्ध में अर्जुन का मन जब विषादों से भर जाता है तब भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को कहते हैं कि हे अर्जुन, व्यक्ति की महानता पलायन और कर्म से विमुख होने में नहीं, बल्कि निःस्वार्थ भाव से कर्म करते हुए लोकहित में कार्य करने में है। प्रत्येक व्यक्ति कर्तव्य और आचरण से व्यापक सामाजिक परिवर्तन का कारण बन सकता है। व्यक्ति अपने कर्म, अनुशासन व चरित्र से उत्तमता प्राप्त कर सकता है। एक कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति अपने परिवार को संस्कारित और संगठित बनाता है। इससे समाज संगठित और कर्तव्यनिष्ठ होगा, तो निश्चित तौर पर राष्ट्र शक्तिशाली बनेगा। इससे विश्व कल्याण और विश्व बंधुत्व की भावना को भी बल मिलेगा, जिससे सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, स्व-बोध व पर्यावरण संरक्षण को बल मिलता है। गीता के तीसरे अध्याय के बीसवें श्लोक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विश्व-कल्याण के पंच परिवर्तन का सार स्पष्ट रूप से निहित दिखाई देता है। गीतामय पंच परिवर्तन हमें मानवता के कल्याण की ओर ले जाते हैं।

नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः।
उभयोरपि दृष्टोऽन्तस्त्वनयोस्तत्त्वदर्शिभिः॥

गीता के दूसरे अध्याय का सोलहवां श्लोक हमें बताता है कि सत्य शाश्वत है और असत्य क्षणिक। यही संदेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्व-बोध परिवर्तन का आधार बनता है, जो प्रत्येक व्यक्ति में अपनी संस्कृति, इतिहास और पहचान के प्रति आत्मगौरव जगाता है। जब हम अपने सत्य को पहचानते हैं, तभी राष्ट्रनिर्माण की मजबूत नींव रखी जाती है।

आत्मौपम्येन सर्वत्र समं पश्यति योऽर्जुन।
सुखं वा यदि वा दुःखं सः योगी परमः मतः॥

गीता के छठे अध्याय का बत्तीसवां श्लोक हमें बताता है कि सच्चा योग वही है जो अपने अंदर और समाज में समानता का अनुभव करता है। जब व्यक्ति स्वयं को और दूसरे को एक ही दिव्य चेतना का अंश समझने लगता है, तभी भेदभाव मिटते हैं। समाज का प्रत्येक घटक सम्मान का पात्र है और किसी प्रकार का ऊंच-नीच, जात-पात, भेदभाव हमारे राष्ट्रीय चरित्र के विपरीत है। सभी को अपने समान देखना ही वास्तविक समरस समाज का आधार बनता है और यही संदेश गीता से संघ के समरसता-परिवर्तन को दिशा देता है।

अधर्माभिभवात्कृष्ण प्रदुष्यन्ति कुलस्त्रियः।
स्त्रीषु दुष्टासु वार्ष्णेय जायते वर्णसंकरः॥

गीता के पहले अध्याय के 41वें श्लोक में परिवार को समाज की मूल इकाई माना गया है। जब परिवार में धर्म, संस्कार और नैतिक मूल्य मजबूत रहते हैं, तो समाज की नींव भी मजबूत होती है। अधर्म के बढ़ने से परिवार और कुल का पतन होता है, जिससे समाज में अस्थिरता आती है। इसलिए कुटुम्ब प्रबोधन का उद्देश्य परिवार को जागरूक और संस्कारित करना है, ताकि प्रत्येक सदस्य अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समझे और परिवार से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन आए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दृष्टिकोण में भी परिवार जागरण इसी सिद्धांत पर आधारित है, जो व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त करता है।

श्रेयान्स्वधर्मो विगुणः परधर्मात्स्वनुष्ठितात्।
स्वधर्मे निधनं श्रेयः परधर्मो भयावहः॥

गीता के तीसरे अध्याय के पैंतीसवें श्लोक में हमें अपने स्वधर्म का पालन करने का महत्व बताया गया है। प्रत्येक नागरिक का अपने समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य निभाना सर्वोच्च है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दृष्टिकोण से, यह नागरिक कर्तव्य-जैसे ईमानदारी, अनुशासन, समाज सेवा, राष्ट्रहित में कार्य करना-हमारे जीवन का मूल आधार है। गीता के अनुसार सभी जीव और प्राणी प्रकृति के साथ गहरे संबंध में हैं। तीसरे अध्याय के तेरहवें श्लोक में हमें यह समझने का संदेश देता है कि प्रकृति ही हमारे जीवन का आधार है और उसके संसाधनों का संतुलित उपयोग करना हमारा कर्तव्य है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को समाजिक कर्तव्य मानता है। यह श्लोक हमें यह प्रेरणा देता है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखें, अपव्यय से बचें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, स्वस्थ और संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित करें। गीता में प्रत्येक समास्या का समाधान है। बस जरूरत है कि व्यक्ति निर्माण का कार्य किया जाए। संघ का मूल उद्देश्य भी व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का है। गीता व्यक्ति को सही मार्ग दिखाती है। गीतामय पंच परिवर्तन व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इसी में विश्व कल्याण और विश्व बंधुत्व की भावना निहित है।

(लेखक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में शिक्षक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शिवत्व की साधना

संकलित

दर्शन

हर कर्म का आरंभ संकल्प से होता है। बातों को बनाने, बिगाड़ने व संभालने का आधार भी हमारा सोच रूपी कर्म है। अच्छे या बुरे सोच के कारण हमारे कर्म और कर्मफल सुखदायी व दुखदायी होते हैं। इसलिए कहते हैं, परमात्मा शिव अपनी शुद्ध और श्रेष्ठ संकल्पों से सोच को परिष्कृत कर दुनिया को परिवर्तित कर देते हैं। उनका प्रत्येक संकल्प मानवता का कल्याण व सद्ज्ञान है, जिसकी वर्षा से प्रकृति में शांति, संतुलन, सद्भावना व प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होता है। मानव जीवन व संसार से विकार, व्यभिचार, भ्रष्टाचार, पापाचार, दुख, कष्ट व हिंसा के ताप समाप्त होते हैं। परमात्मा के इस सृष्टि परिवर्तन या उद्धार कार्य से कृतज्ञ होकर हम श्रावण मास में भगवान शिव की पूजा-अर्चना और व्रत-उपवास करते हैं। शिव की महिमा स्मरण, गायन, पूजन व श्रवण से श्रावण मास शिवमय हो जाता है। कहते हैं, चातुर्मास के आरंभ में भगवान विष्णु जब शयन में चले जाते हैं, तब परमात्मा शिव संसार की बागडोर संभालते हैं। शिव निराकार ज्योति स्वरूप हैं। वे शिव ज्ञान व योग सिखाकर मनुष्यों में सतयुगी दिव्य गुण व दैवी संस्कारों को पुनः विकसित करते हैं। जब भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं, तब सृष्टि को बचाने एवं भक्तों की शुद्ध भावनाओं और कामनाओं का फल देने हेतु शिव अदृश्य रूप में संसार का कार्यभार संभालते हैं। ज्ञान सूर्य ज्योति स्वरूप शिव अपने ईश्वरीय ज्ञान व शिक्षा के प्रकाश द्वारा मनुष्यों के आसुरी अवगुणों को सद्गुण, दैवी चरित्र व दैवी संस्कारों में बदलते हैं।

दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि

संकलित

प्रेरणा

स्वामी विवेकानंद एक बार कहीं जा रहे थे। रास्ते में नदी पड़ी तो वे वहीं रुक गए क्योंकि नदी पार कराने वाली नाव कहीं गई हुई थी। स्वामीजी बैठकर राह देखने लगे कि उधर से नाव लौटे तो नदी पार की जाए। एका-एक वहां एक महात्मा भी आ पहुंचे। स्वामीजी ने अपना परिचय देते हुए उनका परिचय लिया। बातों ही बातों में महात्माजी को पता चला की स्वामीजी नदी किनारे नाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं। महात्मा जी बोले, अगर ऐसी छोटी-मोटी बाधाओं को देखकर रुक जाओगे तो दुनिया में कैसे चलोगे? तुम तो स्वामी हो, बड़े आधात्यात्मिक गुरु और दार्शनिक माने जाते हो। जरा सी नदी नहीं पार कर सकते? देखो, नदी ऐसे पार की जाती है। महात्मा जी खड़े हुए और पानी की सतह पर तैरते हुए लंबा चक्कर लगाकर वापस स्वामी जी के पास आ खड़े हुए। स्वामीजी ने आश्चर्य चकित होते हुए पूछा, महात्माजी, यह सिद्धि आपने कहां और कैसे पाई? महात्मा जी मुस्कुराए और बड़े गर्व से बोले, यह सिद्धि ऐसे ही नहीं मिल गई। इसके लिए मुझे हिमालय की गुफाओं में तीस साल तपस्या करनी पड़ी। महात्मा की इन बातों को सुनकर स्वामी जी मुस्करा कर बोले, आपके इस चमत्कार से मैं आश्चर्यचकित तो हूं लेकिन नदी पार करने जैसे काम जो दो पैसे में हो सकता है, उसके लिए आपने अपनी जिंदगी के तीस साल बर्बाद कर दिए। यानी दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि! ये तीस साल अगर आप मानव कल्याण के किसी कार्य में लगाते या कोई दवा खोजने में लगाते, जिससे लोगों को रोग से मुक्ति मिलती तो आपका जीवन सचमुच सार्थक हो जाता।

अंतर्मन

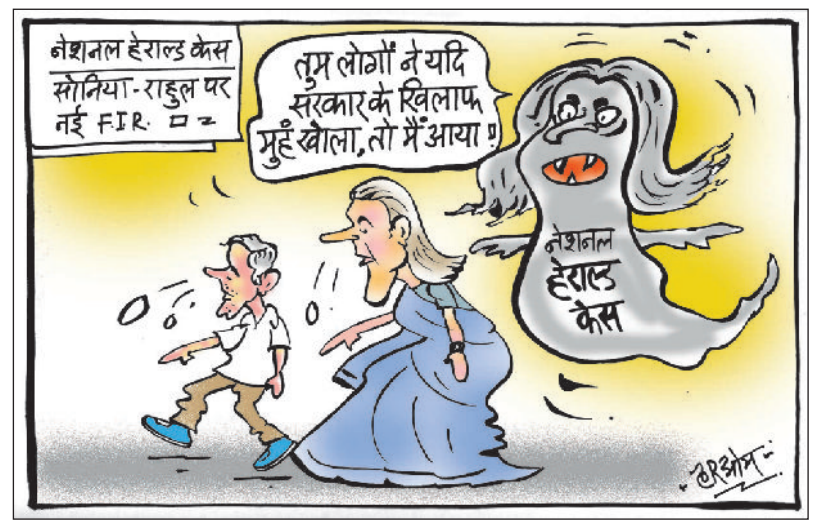

आज की पाती

अपशिष्ट प्रबंधन के ठोस उपाय करना जरूरी

कम करें, पुनः उपयोग करना, रीसायकल करना एक ऐसा टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन है, जो सामाजिक रूप से स्वीकार्य और पर्यावरण के अनुकूल है। अपशिष्ट उत्पाद आज दुनिया की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। यह दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करने वाले प्रदूषण का कारण बनता है। कम करना, पुनः उपयोग करना और रीसायकल करना भूमि, वायु और जल प्रदूषण के सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक को खत्म करने के तीन बेहतरीन तरीके हैं। कम करने का मतलब है कि अपशिष्ट की मात्रा कम हो जाती है। अपशिष्ट में कमी का सीधा मतलब है उन चीज़ों को कम करना जिन्हें हम उपयोग करते हैं और केवल वही उपयोग करते हैं जो आवश्यक है। चीज़ों को कम करके हम बहुत सारा पैसा भी बचा सकते हैं। बहरहाल अपशिष्ट प्रबंधन के ठोस उपाय करना जरूरी है। – *मोहन देवांगन, भिलाई*

ट्रेंड

गीता महोत्सव

सऊदी अरब और लातविया में गीता महोत्सव उल्लेखनीय प्रयास हैं, जो प्रवासी भारतीयों तथा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रति उत्साही लोगों के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव को गहरा करते हैं।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

ज़हरीली हवा

मैं जिस भी माँ से मिलता हूँ, वह मुझे एक ही बात कहती है कि उसका बच्चा ज़हरीली हवा में सांस लेते हुए बड़ा हो रहा है। मोदी जी, भारत के बच्चे हमारे सामने घुट रहे हैं। आपकी सरकार कोई तत्परता, कोई योजना, कोई जवाबदेही क्यों नहीं दिखाती?
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

स्वच्छ हवा और हरियाली

भाजपा सरकार पैसे के लालच में लखनऊ के 'हरित-हृदय' जनेश्वर मिश्र पार्क को अपनी इवेंटबाजी से दूर रखे। लखनऊ के नागरिकों का स्वच्छ हवा और हरियाली पर पूरा अधिकार है। हम सबको मिलकर एक नागरिक आंदोलन की तरह इसका पुरजोर विरोध करना चाहिए।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

उज्ज्वला योजना

उज्ज्वला योजना के अंतर्गत नए गैस कनेक्शन और सिलेंडर दिल्ली की गृहणियों को रसोई के धुएं से राहत देंगे और प्रदूषण को कम करके घरों और वातावरण दोनों को अधिक सुरक्षित बनाएंगे। हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि यह योजना हर ज़रूरतमंद परिवार तक पहुंचे।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

आयु सीमा बढ़ने से 37 लाख चीनी ने दी सिविल सेवा परीक्षा

पात्रता आयु सीमा 35 वर्ष से अधिक किए जाने के बाद पहली राष्ट्रीय सिविल सेवा परीक्षा में रविवार को 37 लाख से अधिक चीनी नागरिक उपस्थित हुए, जिससे देश में बढ़ती बेरोजगारी के दबाव के बीच सरकारी नौकरियों की मांग में वृद्धि का संकेत मिलता है। यह परीक्षा देश की केंद्र सरकार और उसके विभागों में पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन करती है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, 37 लाख से ज़्यादा चीनी नागरिक इस परीक्षा में शामिल हुए, जिसका मतलब है कि औसतन लगभग 98 आवेदक एक उपलब्ध पद के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से लगभग 70 प्रतिशत रिक्तियां नए कॉलेज स्नातकों के लिए आरक्षित हैं। चीन ने इस परीक्षा के लिए पात्रता आयु सीमा को सामान्यतः 38 वर्ष कर दिया है। पात्रता की उम्र सीमा को 35 वर्ष से बढ़ाए जाने को स्वागत योग्य कदम माना जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि नये स्नातक से लेकर मास्टर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के लिए आयु सीमा को और कम करके 43 वर्ष कर दिया गया है। यह चीन द्वारा हाल में विदेशी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित पेशेवरों के लिए के-वीजा की घोषणा के बाद पहली परीक्षा है।

ऑफ बीट

ठंडे में फंसने पर शरीर के साथ क्या होता है

तापमान में गिरावट के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया को वाहिका संकीर्णन कहा जाता है जो रक्त वाहिकाओं की दीवारों में छोटी मांसपेशियों द्वारा संकुचन है। अगर तापमान शून्य से कम चार डिग्री सेल्सियस से भी नीचे चला जाता है तो वैसोकंस्ट्रिक्शन रक्त में बर्फ के क्रिस्टल बनने से भी रोकता है। जब शरीर के अंदरुनी अंगों का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला जाता है तो हाइपोथर्मिया होता है। इसका मतलब है कि शरीर पर्याप्त गर्मी पैदा करने में असमर्थ है। हल्के चरण में शरीर का तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच गिर जाता है। दिल की धड़कन तेज हो जाती है, सांस लेने की दर और रक्तचाप बढ़ जाता है तथा कंपकंपी से मांसपेशियां तनावग्रस्त हो जाती हैं। मध्य चरण में शरीर का तापमान 28 से 32 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। इस चरण में शरीर के सभी अंगों के काम करने की गति धीमी हो जाती है और कंपकंपी बंद हो जाती है। गंभीर चरण में शरीर का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के नीचे चला जाता है और शरीर के ज्यादातर अंग काम करना बंद कर देते हैं। इस चरण तक ज्यादातर लोग अचेत हो जाते हैं। दिल और फेफड़ों की स्थिति बिगड़ जाती है।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

मोदी ने खोला राज- मंगल ग्रह पर बिना जीपीएस कैसे उड़ा ड्रोन...?

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 128वें एपिसोड में संबोधित किया। पीएम ने इसरो की एक अनोखी ड्रोन प्रतियोगिता का जिक्र किया। उन्होंने मंगल ग्रह जैसी कठिन परिस्थितियों में ड्रोन उड़ाने वाले युवाओं की तारीफ की। पीएम ने पुणे के युवाओं की खास तारीफ की। उन्होंने कहा कि जेन-जेड मंगल ग्रह जैसी चुनौतियों का डटकर सामना कर रही है।इसके अलावा उन्होंने कृषि और खेल जगत की उपलब्धियों को भी साझा किया। इसके साथ ही उन्होंने अपनी कुरुक्षेत्र यात्रा और सऊदी अरब में गीता पाठ का जिक्र किया।

मंगल ग्रह जैसी चुनौती और युवा

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो की बात की। इसमें देश के जेन-जी युवा मंगल ग्रह जैसी स्थितियों में ड्रोन उड़ा रहे थे। वहां जीपीएस की कोई सुविधा नहीं होती है। ड्रोन को अपने कैमरे और सॉफ्टवेयर के दम पर ही उड़ना था। पुणे की एक टीम ने इस मुश्किल काम को कर दिखाया। उनका ड्रोन बिना बाहरी मदद के उड़ने में कामयाब रहा।

खेती में तोड़े पुराने रिकॉर्ड : प्रधानमंत्री मोदी ने देश के किसानों की जमकर तारीफ की। भारत ने खाद्यान्न उत्पादन में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। देश में कुल 357 मिलियन टन अनाज का उत्पादन हुआ है। यह आंकड़ा दस साल पहले के मुकाबले 100 मिलियन टन ज्यादा है। कृषि क्षेत्र में यह एक बड़ी क्रांति है।

ब्लाइंड एवं महिला क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास

पीएम ने भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम और महिला क्रिकेट टीम की जीत पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि दोनों ही टीमों ने वर्ल्ड कप जीतकर देश का सिर ऊंचा किया है। खास बात यह है कि ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने एक भी मैच नहीं हारा। उन्होंनें कहा कि क्रिकेटरों के जुनून ने वर्ल्ड कप के खिताब पर भारत का कब्जा करवाया। ज्ञात हो कि पीएम ने खिलाड़ियों से अपने आवास पर मुलाकात भी की। उन्होंने कहा कि यह जीत हर भारतीय को प्रेरित करती रहेगी।

रक्षा और स्पेस सेक्टर में नई उड़ान

पीएम ने हैदराबाद में दुनिया की सबसे बड़ी लीप इंजन फैसिलिटी के उद्घाटन की जानकारी दी। मुंबई में आईएनएस 'माहे' को नौसेना में शामिल किया गया है। वहीं, स्काईरूट के नए कैंपस से स्पेस सेक्टर को नई ताकत मिली है। जी-20 शिखर सम्मेलन में भी 'वोकल फॉर लोकल' की गूंज रही। पीएम ने विदेशी मेहमानों को भारत में बने खास उपहार भेंट किए।

सऊदी अरब और यूरोप में गीता

पीएम ने बताया कि सऊदी अरब में पहली बार सार्वजनिक मंच पर गीता प्रस्तुत की गई। यह भारतीय संस्कृति के लिए गर्व की बात है। यूरोप के लातविया में भी गीता महोत्सव मनाया गया। इसमें एस्टोनिया और लिथुआनिया के कलाकारों ने भी हिस्सा लिया। दुनिया भर के लोग इस पवित्र ग्रंथ से लगातार प्रेरित हो रहे हैं।

कुरुक्षेत्र में डिजिटल महाभारत

पीएम मोदी हाल ही में कुरुक्षेत्र गए थे। उन्होंने वहां के अनुभव केंद्र की जमकर तारीफ की। वहां डिजिटल तकनीक से महाभारत युद्ध को दिखाया जाता है। थ्रीडी और लाइट-साउंड शो से इतिहास जीवंत हो उठता है। 25 नवंबर की यात्रा ने उन्हें काफी आनंदित कर दिया।

महाराजा दिग्विजय सिंह को किया याद

पीएम ने द्वितीय विश्व युद्ध के समय को भी याद किया। उन्होंने जामनगर के महाराजा दिग्विजय सिंह के कार्यों को सराहा। महाराजा ने उस समय पोलिश बच्चों की जान बचाई थी। उन्होंने युद्ध के बीच मानवता की बड़ी मिसाल पेश की थी। उनका यह कार्य आज भी प्रेरणा देता है।

खबर संक्षेप

ऑपरेशन सिंदूर ने युद्ध तैयारी को दर्शाया

पुणे। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय नौसेना की निरंतर युद्ध की तैयारी को प्रदर्शित किया जिसमें पहलगाम हमले के बाद त्वरित तैनाती, हथियारों की फायरिंग और आक्रामक युद्धाभ्यास के साथ पाकिस्तानी बेड़े को उसके बंदरगाहों के भीतर ही सीमित कर दिया गया। वह नौसेना फाउंडेशन पुणे चैप्टर द्वारा आयोजित 'भू-राजनीति, प्रौद्योगिकी और रणनीति के निरंतर प्रवाह के बीच भारतीय नौसेना की गति' विषय पर एडमिरल जेजी नाडकर्णी स्मारक व्याख्यान दे रहे थे। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, "भारतीय नौसेना अपनी युद्ध की तैयारी के लिए जानी जाती है और हम हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहते हैं, भले ही वे बहुत कम हों।

युवक और नाबालिग लड़की ने की आत्महत्या

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के धामपुर थाना इलाके में 20 वर्षीय युवक और उसकी कथित नाबालिग प्रेमिका ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि गांव पीपला में शनिवार को विपुल ने और स्योहारा इलाके में 16 वर्षीय एक लड़की ने विपुल से फोन पर बात करने के तुरंत बाद जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। मामले की विस्तृत जांच जारी है। उन्होंने कहा कि दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

शादी समारोह में हुए विवाद पर 'बॉडी बिल्डर' की हत्या

चंडीगढ़। हरियाणा के भिवानी जिले में शादी समारोह से लौट रहे 26 वर्षीय एक पेशेवर 'बॉडी बिल्डर' की कुछ लोगों ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि पीड़ित की पहचान रोहतक जिले के हुमायूंपुर गांव निवासी रोहित धनखड़ के रूप में हुई है। मृतक के परिवार का दावा है कि शादी समारोह में महिला के साथ छेड़छाड़ का विरोध करने पर धनखड़ को भिवानी में रेलवे क्रॉसिंग के पास बेरहमी से पीटा गया। भिवानी के एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि यह हमला शुक्रवार रात शादी समारोह में सेल्फी लेने को लेकर हुए विवाद के बाद हुआ। उन्होंने बताया कि धनखड़ अपने दोस्त जतिन के साथ विवाह समारोह में गया था। धनखड़ के चाचा सतीश ने रोहतक में संवाददाताओं को बताया कि उनके भतीजे का कुछ युवकों के साथ अनुचित भाषा को लेकर झगड़ा हो गया था। जतिन ने संवाददाताओं को बताया, ''हम विवाह समारोह में थे। वहां कुछ लोग गाली-गलौज कर रहे थे जिसपर पर धनखड़ ने आपत्ति जताते हुए कहा कि आसपास लड़कियां हैं्् एक घंटे बाद जब हम वहां से निकले तो उन्होंने हमें रोक लिया।'' जतिन ने बताया कि शादी उसके रिश्तेदार की थी जिसमें धनखड़ शामिल होने गया था। जतिन ने बताया, ''हमलावरों ने कार में धनखड़ जिस तरफ बैठा था, उस ओर से जबरन खिड़की खोली और मेरी तरफ वाले शीशे पर भी हमला किया। मैंने कार मोड़कर वहां से भागने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने हमारा पीछा किया। आगे एक रेलवे क्रॉसिंग पर गेट बंद था और उन्होंने अपनी कार हमारी कार के सामने लगा दी और हमारा रास्ता रोक दिया।''

भोपाल में जलाया मदनी का पुतला, देवबंद में जिहाद का सही अर्थ नहीं पढ़ाया जाता : आरिफ़

मदनी के बयान पर बवाल, बजरंग दल-वीएचपी ने की कार्रवाई की मांग

एजेंसी ▶▶| भोपाल

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी के 'जब-जब जुल्म होगा, तब-तब जिहाद होगा' वाले बयान को लेकर विरोध तेज हो गया है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने रविवार को भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मदनी के पुतले पर जूते-चप्पलों की माला पहनाई और उस पर जूते भी फेंके। इसके बाद पुतला फूंका। संगठनों ने इसे देश और हिंदू समाज के खिलाफ दिया गया बयान बताते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं बिहार के राज्यपाल आरिफ़ मोहम्मद ख़ान ने मौलाना महमूद मदनी के हालिया जिहाद संबंधी बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। उन्होंने कहा कि देवबंद में पढ़ाई जाने वाली एक किताब में जिहाद की गलत परिभाषा दी जाती है। किताब में लिखा है कि किसी को 'दीने हक' की ओर बुलाया जाए और वह स्वीकार न करे तो उससे लड़ना जिहाद है। उन्होंने कहा, यह उनकी (देवबंद की) व्याख्या है, कुरान का असली संदेश नहीं।

भोपाल में हुए प्रदर्शन के दौरान विश्व हिंदू परिषद ने पूछा- मदनी बताएं कि कहां जुल्म हो रहा है बजरंग दल का कहना है कि मौलाना मदनी ने वंदे मातरम, देश और हिंदू धर्म के खिलाफ बयान दिए हैं। वीएचपी के प्रांत सह मंत्री जितेंद्र चौहान ने कहा आजादी से पहले देश का बंटवारा हुआ, मुसलमानों ने पाकिस्तान मांगा दे दिया गया, अब उन्हें कौन सा पाकिस्तान चाहिए। लगातार वंदे मातरम, सुप्रीम कोर्ट का विरोध कर ये लोग मुस्लिम युवाओं को बहकाकर जिहाद और गृह युद्ध की तैयारी कर रहे हैं।

मदनी जिहाद के बारे में नहीं जानते : आरिफ मोहम्मद

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद ने कहा कि अगर मदनी वास्तव में उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने को जिहाद मानते, तो वे कश्मीर में लोगों के विस्थापन के समय सबसे पहले वहां जाते। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्चों को जिहाद का सही अर्थ नहीं पढ़ाया जाता, जबकि कुरान स्पष्ट रूप से अत्याचार के खिलाफ खड़े होने को जिहाद बताता है। मदनी को जिहाद के बारे में नहीं पता है।

देवबंद की किताबें कुरान से मेल नहीं खातीं

महमूद मदनी के बयान पर बोलते हुए आरिफ ख़ान ने कहा कि मदनी एक शैक्षणिक संस्थान से जुड़े हैं और यह समझना जरूरी है कि वहां बच्चों को क्या पढ़ाया जा रहा है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि देवबंद की जिस किताब का वह जिक्र कर रहे हैं, उसका नाम भी 'शरीयत में जिहाद' है, जिसमें दी गई कई बातें कुरान के वास्तविक संदेश से मेल नहीं खातीं।

मदनी इस्लाम का गलत उपदेश देना बंद करें : कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद

कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए यहां तक कह दिया कि वह लोगों को इस्लाम का गलत उपदेश देना बंद कर दें। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, 'मैं मौलाना महमूद मदनी से पूछना चाहती हूं कि तीन तलाक पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले में क्या गलत है? यह तो कुरान शरीफ में भी नहीं है! तो कृपया अपने अनुयायियों को इस्लाम का गलत उपदेश देना बंद कर दें! यह हराम है।

मदनी जैसे लोग युवाओं को बना रहे भारत विरोधी : बंसल

विनोद बंसल ने कहा कि मदनी जैसे लोग मुस्लिम यूथ को जुल्म, जन्नत व जिहाद जैसे जुमलों में फांस कर तथा भारत विरोधी बनाकर जैश जैसे जानवरों की जमात में जमा कर देंगे। जैसे देश की राजनीति से भाई-भतीजावाद भाग रहा है, वैसे ही मुस्लिम समाज को भी भारत विरोधी मानसिकता के भाई भतीजों से समय रहते किनारा करना होगा।

'मुस्लिम यूथ को बरगला रहे हैं मदनी': विहिप प्रवक्ता ने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो मदनी जैसे कौम के कथित रहनुमा अपनी तकरीरों से मुस्लिम यूथ को देश के संविधान, न्याय व्यवस्था और राष्ट्रीय स्वाभिमान के खिलाफ भड़का रहे। हलाल से हो रही हराम की कमाई से अपना घर भरकर आतंकी मदरसे चलाते हुए देशद्रोहियों को पालने वाले कुछ कट्टरपंथियों को लग रहा है कि वे ऐसा कर दुनिया में भारत की बदनामी से ही अपना नाम और पैसा कमा लेंगे, तो उनका यह दिवास्वप्न पूरा नहीं होगा।

क्या कहा था मौलाना महमूद मदनी ने ? मौलाना महमूद मदनी ने वंदे मातरम को लेकर कहा था कि मुर्दा कौमों के लिए मुश्किल नहीं होती है, क्योंकि वह तो सरेंडर कर देती हैं। वह कहेंगे 'वंदे मातरम' पढ़ो तो पढ़ना शुरू कर देंगे, लेकिन यह पहचान होगी मुर्दा कौम होने की है। अगर जिंदा कौम है तो फिर हौसला बुलंद करना पड़ेगा और हालात का मुकाबला करना पड़ेगा। इसके अलावा मदनी ने सुप्रीम कोर्ट पर भी टिप्पणी की थी।

ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में बोलीं जस्टिस नागरत्ना

फैसले रेत पर नहीं लिखे जाते, जज बदलने से नहीं बदलने चाहिए

सोनीपत। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने न्यायपालिका की कार्यप्रणाली को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने फैसलों को बार-बार पलटने की कोशिशों पर चिंता जताई है। जस्टिस नागरत्ना ने साफ कहा कि जज बदलने से कोर्ट के फैसले नहीं बदलने चाहिए। यह सुप्रीम कोर्ट और पूरी न्याय व्यवस्था के सम्मान के लिए जरूरी है। यह बात उन्होंने सोनीपत की ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में आयोजित एक सम्मेलन में कही।

शासन का अहम हिस्सा है न्यायपालिका

जस्टिस ने बताया कि न्यायपालिका देश के शासन का मुख्य अंग है। अदालतें भारतीयों के भविष्य से जुड़े अहम सवालों पर निर्णय लेती हैं। कानून का शासन बनाए रखना जजों की जिम्मेदारी है। जब भी नियमों का उल्लंघन होता है, कोर्ट को अपना फर्ज निभाना पड़ता है। लोगों का भरोसा बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती है।

जजों के लिए राजनीति से दूरी है जरूरी

जस्टिस नागरत्ना ने जजों के निजी आचरण पर भी जोर दिया। एक निष्पक्ष व्यवस्था के लिए राजनीति से दूरी बहुत जरूरी है। जजों का व्यवहार हमेशा संदेह से परे होना चाहिए। 26 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने भी फैसलों को पलटने पर चिंता जताई थी। पिछली बेंचों के आदेश को नई बेंच द्वारा बदलना सही परंपरा नहीं है। इससे मुकदमों का अंतहीन सिलसिला शुरू हो जाता है।

स्याही से लिखे जाते हैं फैसले

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अदालती फैसले पक्के होने चाहिए। फैसले स्याही से लिखे जाते हैं, रेत पर नहीं। उन्होंने वकीलों और शासन व्यवस्था से जुड़े लोगों को नसीहत दी है। केवल जजों का चेहरा बदलने पर फैसले को पलटने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। यह सुप्रीम कोर्ट और पूरी न्याय व्यवस्था के सम्मान के लिए जरूरी है। सभी का कर्तव्य है कि वे दिए गए निर्णयों का आदर करें।

अब 34 देशों में बजेगा भारतीय नोट का डंका

डॉलर की बादशाहत को बड़ी चुनौती!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की करेंसी अब वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत दिखा रही है। भारतीय रुपया अब दुनिया के 34 देशों में स्वीकार किया जा रहा है। पहले यह आंकड़ा सिर्फ 18 देशों तक सीमित था। यह बदलाव भारत की मजबूत होती अर्थव्यवस्था का बड़ा सबूत है। आरबीआई के अधिकारियों ने निर्यातकों के साथ हुई बैठक में यह जानकारी साझा की है।

अमेरिका और ब्रिटेन भी लिस्ट में शामिल

भारत का व्यापारिक दायरा एशिया से लेकर यूरोप और अमेरिका तक फैल गया है। फॉरेक्स एक्सचेंज डीलर एसोसिएशन के आंकड़ों ने सबको चौंका दिया है। अब रूस, अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे विकसित देश भी भारत के साथ रुपये में व्यापार कर रहे हैं।

इन देशों में भी चलेगा रुपया

इस लिस्ट में कई महत्वपूर्ण देश शामिल हो चुके हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया, यूएई,

सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे बड़े नाम हैं। इसके अलावा पड़ोसी देश बांग्लादेश, श्रीलंका और म्यांमार भी भारतीय रुपया में कारोबार कर रहे हैं। इससे आयात और निर्यात की प्रक्रिया पहले से काफी सरल और सस्ती हो गई है।

2026 में सुधार की उम्मीद

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भारतीय रुपया को डॉलर के मुकाबले कमजोर किया है। डॉ. विजयकुमार के अनुसार, अगर अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता होता है और टैरिफ घटते हैं, तो करेंसी में सुधार दिखेगा। अनुमान है कि रुपया पहले 90 के स्तर तक गिरेगा। इसके बाद साल 2026 की शुरुआत में यह रिकवर होकर 88.50 के आसपास आ सकता है।

डॉलर पर निर्भरता होगी कम

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से वैश्विक बाजार बदल रहा है। कई देश डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं। भारतीय रुपया में व्यापार बढ़ने से एक्सचेंज का खर्च काफी कम हो जाएगा। लेनदेन सीधे अपनी मुद्रा में होने से डॉलर की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर नहीं पड़ेगा। इससे भारतीय कंपनियों को ग्लोबल मार्केट में पैर जमाने में आसानी होगी।

करोड़ों रुपए के खनन को रोका, खनिज निगम के अफसरों के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

- ऐसे हुआ खनन का बंदरबांट - स्वीकृत खदान को ओम कंस्ट्रक्शन नामक कंपनी को आवंटित कर दी,
- डीएफओ परमार ने स्वीकृत खदान से खनिज की खुदाई व इसके परिवहन पर भी तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी

भोपाल । वन विभाग ने टीकमगढ़ जिले के कारी वन क्षेत्र में खनन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। इस मामले में मध्यप्रदेश खनिज निगम के स्थानीय अफसरों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण भी दर्ज किया गया है। यह वह इलाका है, जहां पर डायस्फोर और पायरोफिलाइट जैसे बेशकीमती खनिज बड़ी मात्रा में हैं। इनके खनन को लेकर मध्यप्रदेश खनिज निगम ने साल 1999 में वन विभाग से अनुबंध किया था। यह अनुबंध 60 सालों के लिए था। इसके तहत वन विभाग ने कारी वन क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 48 में 5 हेक्टेयर का पट्टा मध्यप्रदेश खनिज निगम के नाम स्वीकृत किया गया था। खनिज निगम ने बाद में स्वीकृत खदान को ओम कंस्ट्रक्शन नामक कंपनी को आवंटित कर दी। सूत्रों की माने तो संबंधित कंपनी के पास खनिज भंडारण का लाइसेंस ही नहीं है। इसके चलते ओम कंस्ट्रक्शन ने खनिज ढुलाई और भंडारण का काम, पेटी कांट्रेक्ट पर एक अन्य फर्म गजानन कंस्ट्रक्शन को सौंप दिया। इस तरह यह खदान एक से दूसरे और दूसरे से तीसरे ठेकेदार के हाथ में चली गई। डीएफओ परमार ने स्वीकृत खदान से खनिज की खुदाई व इसके परिवहन पर भी तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है।

नजरअंदाज किया जा रहा अवैध खनन

सूत्रों का दावा है कि वन विभाग की ओर से की गई इस जांच में भी खेल हुआ है। विभाग ने स्वीकृत खदान के अलावा 2.62 हेक्टेयर वन क्षेत्र में अतिक्रमण तो बताया है, लेकिन इस क्षेत्र में हुए अवैध खनन की बात छुपा ली है। दरअसल जांच में अवैध खनन सामने आने पर संबंधित कंपनी को भारी जुमार्ना अदा करना पड़ता है। क्षेत्र में कागजी सड़क बनाने की तैयारी- खनिज परिवहन के लिए ठेकेदार कंपनी ने कारी क्षेत्र के बीट नंबर 15 में खड़ंजा और मुरम की सड़क तैयार की है, जो खदान से वन क्षेत्र समाप्ति तक है। सूत्रों का दावा है कि वनमंडल कार्यालय ने इसी सड़क को प्रस्तावित पहुंच मार्ग बताकर एक नया प्रस्ताव मुख्यालय को भेजा था। वह प्रस्ताव स्वीकृत भी हो चुका है। इसके निर्माण की राशि भी वन मंडल को मिल चुकी है।

विधानसभा में गूंजा तब चेता वन विभाग

खनिज निगम ने खदान तो आवंटित कर दी, लेकिन निगरानी व्यवस्था में कोताही बरती। नतीजा यह हुआ कि ज्यादा मुनाफे के फेर में पेटी कांट्रेक्टर ने स्वीकृत खदान से बाहर जाकर खुदाई शुरू कर दी। यह मामला राज्य विधानसभा में भी गूंजा था। कांग्रेस विधायक यादवेंद्र सिंह ने सदन में इस पर सवाल उठाए। इसके बाद वन विभाग की नींद खुली और अब प्रतिबंध लगाया है।

टीकमगढ़ डीएफओ ने कराई एफआईआर

अवैध खनन का मामला सदन में गूंजने व मुख्यालय को हुई शिकायत के बाद मामले की जांच हुई। इसमें स्वीकृत खदान के अलावा करीब पौने तीन हेक्टेयर रकबे में अतिक्रमण होना पाया गया। इसे लेकर डीएफओ राजाराम परमार ने अनुबंध कर्ता मध्यप्रदेश खनिज निगम के स्थानीय उप प्रबंध व प्रभारी अधिकारी के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज करा दिया है।

सैकड़ों लोग हुए लापता, 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

इंडोनेशिया में बाढ़ से भीषण तबाही, 300 से ज्यादा की मौत

एजेंसी ▶▶| सुमात्रा

साउथ ईस्ट एशिया में कुदरत का कहर बरपा है। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर बाढ़ से 300 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। मूसलाधार बारिश ने यहां दशकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सैकड़ों लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। सुमात्रा के तीन प्रांतों से करीब 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। भूस्खलन के कारण कई मुख्य सड़कें पूरी तरह टूट गई हैं। बिजली और इंटरनेट सेवा ठप होने से संपर्क टूट गया है। बचाव दल हेलीकॉप्टर का सहारा ले रहे हैं। सैकड़ों लोग अभी भी बाढ़ के बीच फंसे हुए हैं।

थाईलैंड और मलेशिया में भी हाहाकार

पड़ोसी देश थाईलैंड में भी हालात बेहद खराब हैं। वहां शनिवार तक 160 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मलेशिया भी इस प्राकृतिक आपदा की चपेट में है। ट्रॉपिकल तूफानों ने पूरे क्षेत्र को जलमग्न कर दिया है। सुमात्रा में 279 लोग लापता हैं, जिससे मृतकों का आंकड़ा बढ़ने का डर है।

आंखों के सामने बह गए घर

मलक्का स्ट्रेट से उठे सेन्यार चक्रवात ने इंडोनेशिया में भारी विनाश किया है। तेज बहाव में हजारों इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं। एक पीड़िता ने बताया कि पानी सेकंडों में घरों में घुस गया। जब वह अपनी दादी के घर पहुंची, तो वह पूरी तरह डूब चुका था। लोग अपना सब कुछ खो चुके हैं।

कनाडा में नौकरी लगने के बाद वीजा नहीं मिलने से डिप्रेशन में आया युवक, लगाई फांसी

भोपाल। सोनागिरी में युवक ने फांसी के फंदे में लटक कर आत्महत्या कर ली। घटना रविवार सुबह 8 बजे की बताई जा रही है। सुबह के समय नानी ने दरवाजा खटखटाया लेकिन युवक ने दरवाजा नहीं खोला। खिड़की से देखा तो वह फांसी के फंदे से लटका हुआ था। इसके बाद तत्काल ही पुलिस को सूचना दी गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अस्पताल पहुंचने के बाद एम्स प्रबंधन ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल युवक की मौत के बाद उसका पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है। पुलिस का कहना है की मां के आने के बाद ही उसका पोस्टमार्टम किया जाएगा। पुलिस ने बताया कि मृतक दक्ष सेंडेलिया मूलतः दिल्ली का रहने वाला है। वह अपनी नानी और नाना के घर सोनागिरी आया हुआ था। पिछले इसलिए कई दिनों से वह डिप्रेशन में था। पुलिस ने पूछताछ में बताया कि उसकी कनाडा में नौकरी लग गई थी लेकिन वीजा नहीं मिलने की वजह से वह नहीं जा पाया था। जबकि उसके कई दोस्त कनाडा में नौकरी कर रहे थे। संभवत इसी वजह से वह परेशान था नाना नानी के घर कुछ दिनों की छुट्टी बिताने के लिए आया हुआ था। इस दरमियान उसने सुसाइड करने का रास्ता चुना। रविवार की सुबह उसका शव फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस ने बताया कि फिलहाल इस मामले में परिजनों के प्राथमिक बयान हुए हैं। जिसके आधार पर डिप्रेशन के वजह मानी जा रही है। फिलहाल उसके रूम से कोई भी सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। युवक मूलतः दिल्ली का रहने वाला है और उसकी मां भी दिल्ली में है। इसलिए उसकी मां की आने का इंतजार किया जा रहा है।

45 पानी टंकियों की 'स्कॉडा' से मॉनिटरिंग की योजना फिस्स

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

जल वितरण की स्थिति, पाइपलाइन लीकेज की मिनटों में पड़ताल का किया था दावा

रायपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र के 45 पानी टंकियों की स्कॉडा सिस्टम से निगरानी की योजना फिस्स हो गई। 4 साल बाद भी नगर निगम का जल विभाग मैनुअल सिस्टम से पानी टंकियों के जल वितरण की स्थिति और टेल एंड तक जल आपूर्ति की जानकारी जुटा रहा है। जबकि स्वचालित वॉल्व लगाकर पानी टंकी का वॉल्व खोलने व बंद होने का सिस्टम अमल में लाना था। हालत ये है कि ज्यादातर पानी टंकियों में डबल वॉल्व की जगह सिंगल वॉल्व होने से सैकड़ों लीटर पीने का शुद्ध पानी सड़क पर फिजूल में बहाने के अलावा कोई विकल्प नगर निगम के पास उपलब्ध नहीं है। शहर के किस पानी टंकी में कितना जल स्टॉक में है, अंतिम छोर तक कितना पानी पहुंच रहा है, इसे पता करने का हाईटेक सिस्टम जल विभाग के पास नहीं है। केवल रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने 24 घंटे जल आपूर्ति योजना में मोतीबाग की नई पानी टंकी और गंज पानी टंकी में यह सिस्टम लगाया है, पर यह अभी तक शुरू नहीं हो पाया है।

नगर निगम के 70 वार्डों में जल वितरण की व्यवस्था और उसकी निगरानी का सिस्टम अब तक हाईटेक नहीं हो पाया है। साल 2021 में फिल्टर प्लांट में एक्टेंशन के समय 80 एमएलडी के नए प्लांट को शहरवासियों की 30 साल की जरूरत के हिसाब से तैयार किया गया, जिसमें नगर निगम की सभी पानी टंकियों के पुराने वॉल्व को बदलकर नया स्वचालित वॉल्व लगाने, पानी टंकियों में जल वितरण की स्थिति पर सीधे तौर पर नजर रखने स्कॉडा सिस्टम विकसित करने की योजना रही। इससे फायदा ये होता है कि फिल्टर प्लांट में बने मिनी कंट्रोल रूम और जयस्तंभ चौक के पास स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के उपरी फ्लोर पर संचालित दक्ष सेंटर से एक क्लिक पर सभी पानी टंकियों में प्रतिदिन जल वितरण, टेल एंड तक पहुंचने वाले पानी के प्रेशर की मिनटों में जानकारी विभाग के अधिकारियों को मिल जाती। साथ ही स्कॉडा सिस्टम से पाइपलाइन लीकेज का भी पता लगाना आसान होता, पर निगम के आला अफसरों की उदासीनता के चलते यह योजना 4 साल बाद भी धरातल पर साकार रूप नहीं ले पाई।

जल विभाग के अधिकारी का कहना है, योजना के मुताबिक हमें शहर की सभी पानी टंकियों में मैनुअल आपरेट होने वाले पुराने वॉल्व को बदलकर स्वचालित वॉल्व लगाने थे। इसके लिए एमआईसी और सामान्य सभा में प्रस्ताव भी लाया गया, पर आज भी ज्यादातर पानी टंकियों में पुराने वॉल्व से काम चला रहे हैं। उस भी मैनुअल तरीके से आपरेट करना पड़ता है। स्कॉडा सिस्टम में प्रावधान यह भी था कि शहर की जितनी पानी टंकियां हैं, उसे सोलर लाइट से कनेक्ट कर अपग्रेड करना था, यह कार्य अब तक नहीं हुआ है।

2 पानी टंकियों में स्कॉडा 43 में काम बाकी

जल वितरण व्यवस्था की ऑनलाइन निगरानी के लिए स्कॉडा सिस्टम का प्रावधान है। सभी पानी टंकियों में स्वचालित वॉल्व लगाकर सोलर लाइट से वाटर डिस्ट्रीब्यूशन की योजना पर काम होना है। अपग्रेड करने का काम बाकी है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में मोतीबाग और गंज पानी टंकी में स्कॉडा सिस्टम विकसित हो चुका है।

– **नरसिंग फरेंद्र,** ईई, जल विभाग, ननि रायपुर।

दो हजार वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र के भवन और मल्टीप्लेक्स, अस्पताल, होटल, कन्वेशन सेंटर अब बनेंगे एनर्जी एफिशिएंट

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

अब भूमि विकास नियम में बदलाव, सरकार देगी इन्सेंटिव, मिलेगा रिवार्ड

छत्तीसगढ़ में अब अगर दो हजार वर्गमीटर से अधिक का कोई बड़ा भारी भवन हो, मल्टीप्लेक्स, अस्पताल या कन्वेशन सेंटर हो, इस तरह के सभी निर्माण को अब एनर्जी इफिशिएंट यानी ऊर्जा दक्षता वाला बनाना होगा। इस तरह के सभी भवनों पर ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता (सीजीईसीबीसी) के प्रावधान लागू होंगे। राज्य सरकार ने यह बदलाव लागू करने के लिए छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम-1984 में बदलाव कर दिया है।

राज्य सरकार ने भूमि विकास नियम में ये जो बदलाव किया है, वह दरअसल एक रिफार्म (सुधार) के लिए किया है। सरकार का मानना है कि राज्य में अब जो भी बड़े या विशालकाय भवन, जैसे 2 हजार वर्गमीटर से अधिक और बड़े भूभाग में बनने वाले संस्थान, ऊर्जा दक्षतायुक्त होने चाहिए। इस तरह से बनने वाले भवनों को सरकार रिवार्ड और इन्सेंटिव भी देगी। आवास एवं पर्यावरण विभाग के उच्च पदस्थ सूत्रों ने हरिभूमि को बताया कि यह बदलाव लागू होने से बड़े आकार के भवन इन्वायरमेंट फ्रेंडली होंगे। इससे यहां बिजली की खपत कम होगी। भवन के अंदर भी बिजली का उजाला अधिक नहीं करना होगा। पानी का खर्च भी कम होगा।

ऊर्जा दक्षता भवन के संबंध में आवासीय भवनों के लिए ईको निवास संहिता (ईएनएस) एवं वाणिज्यिक एवं कार्यालयीन भवनों हेतु छत्तीसगढ़ ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता (सीजीईसीबीसी) के प्रावधान लागू होंगे। यह संहिताएं उन भवनों पर लागू होंगी, जिनका निर्मित क्षेत्रफल 2000 वर्गमीटर से अधिक है और कुछ श्रेणियों के भवन, जैसे मल्टीप्लेक्स, अस्पताल, होटल और कन्वेंशन सेंटर, चाहे उनका निर्मित क्षेत्रफल कुछ भी हो, संहिताओं का अनुपालन करेंगे। साथ ही भवन अनुज्ञा अनुमोदन के समय, बिल्डर, स्वामी, डेवलपर, संबंधित शहरी स्थानीय निकाय, नगर तथा ग्राम निवेश कार्यालय को संहिता के अनुपालन की अनिवार्य आवश्यकता का पालन किए जाने के संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत करेंगे।

पूर्णता एवं अधिभोग प्रमाणपत्र जारी करते समय, बिल्डर, स्वामी, डेवलपर, उक्त संहिता के प्रावधान अनुसार अधिकृत तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा जारी अनुपालन प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे, जिसमें यह सत्यापित किया जाएगा कि भवन का निर्माण संहिता के अनुरूप किया गया है। अनुपालन प्रमाणपत्र और छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम, 1984 के अंतर्गत अन्य आवश्यक अनुमोदन प्रस्तुत करने के पश्चात, पूर्णता एवं अधिभोग प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

कभी भी हो सकेगी जांच

छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम के प्रावधान अनुसार, सक्षम प्राधिकारी किसी भी नए भवन, परिवर्धन या परिवर्तन परियोजना के लिए, भवन के निर्माण के दौरान किसी भी चरण पर प्रगति निरीक्षण कर सकता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भवन, संहिता का अनुपालन करता है।

मंत्रालय में बायोमेट्रिक अटेंडेंस आज से अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रशासनिक पारदर्शिता और समयपालन को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने 1 दिसंबर से मंत्रालय में आधार-आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि 1 दिसंबर से आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के माध्यम से ही अवर सचिव और उनसे वरिष्ठ समस्त अधिकारियों की कार्यालय में उपस्थित होने और कार्यालय पश्चात वापस जाने के समय उपस्थिति दर्ज की जाए।

आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के लिए मोबाइल में आधार बीएएस एप के माध्यम से अथवा प्रवेश द्वार के पास स्थापित बायोमेट्रिक डिवाइस या कंप्यूटर में थम्ब स्कैनर का उपयोग करते हुए उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं। मंत्रालय में एईबीएएस का अनिवार्य ट्रायल रन 20 नवंबर से शुरू हो गया था। पारदर्शिता बढ़ाने, समयपालन सुनिश्चित करने और प्रशासनिक कार्यकुशलता में सुधार करने के उद्देश्य से सरकार ने महानदी भवन और इंद्रावती भवन, दोनों में इस सिस्टम को लागू करने की घोषणा की थी। अब ट्रायल रन सफल होने के बाद 1 दिसंबर से मंत्रालय के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए एईबीएएस के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य होगा।

महिला बीएलओ से हाथापाई, नाम दूसरे बूथ में चढ़ने से नाराज होकर की मारपीट

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

- मारपीट की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, खम्हारडीह पुलिस अपराध दर्ज कर महिला की पतासाजी में जुटी

खम्हारडीह थाने में एक महिला बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) ने एक अन्य महिला के खिलाफ अपने ऑफिस में घुसकर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मारपीट की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। बीएलओ के साथ बदसलूकी तथा मारपीट करने की यह दूसरी घटना है। महिला एक अन्य बीएलओ से एड्रेस की जानकारी लेकर वहां मारपीट करने पहुंची थी। घटना शनिवार दोपहर 3 से 4 बजे के बीच की है।

शक्तिनगर उपरवारा निवासी वंदना सोनी ने अज्ञात महिला के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। वंदना ने पुलिस को बताया कि वह भारत निर्वाचन आयोग के अभियान एसआईआर के लिए घर-घर जाकर फार्म भरवाने का काम कर रही है। घटना दिनांक को वंदना के पास अज्ञात महिला ने वंदना को कॉल कर उसके बूथ में अपना नाम होने का कारण पूछा। इस पर वंदना ने कहा कि पूर्व में किसी ने गलती से उनका नाम किसी बूथ में जोड़ दिया होगा, इसे वे ठीक कर देंगी।

पता पूछकर मारपीट करने पहुंची महिला

हरिभूमि ने वंदना से संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि मारपीट करने वाली महिला को वे नहीं पहचानतीं। मोबाइल पर बात होने के बाद महिला 15 मिनट के अंदर बीएलओ को घर पहुंच गई। वंदना अपने घर के एक कमरे को ऑफिस बनाकर एसआईआर का काम कर रही हैं। अज्ञात महिला ने वंदना के घर पहुंचने के बाद उन पर आरोप लगाते हुए कहा कि तुम्हारा काम घर-घर जाकर फार्म भरना है और तुम घर से काम कर रही हो। इसके बाद उस अज्ञात महिला ने वंदना के साथ मारपीट करते हुए बीच सड़क पर उसकी साड़ी खींची और निकालने की कोशिश करने लगी। घटना का एक व्यक्ति वीडियो बना रहा था। तब उस अज्ञात महिला ने वीडियो बनाने वाले के साथ हाथापाई करते हुए मोबाइल लूटने की कोशिश की। बीएलओ के साथ मारपीट तथा बदसलूकी की यह दूसरी घटना है। इसके पूर्व अमलीडीह में एक पार्षद द्वारा बीएलओ के साथ बदसलूकी की घटना सामने आ चुकी है।

कर्मचारी के नामांकन से उत्तराधिकार का अधिकार नहीं मिलता-हाईकोर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि कर्मचारी के नामांकन से उत्तराधिकार का अधिकार नहीं मिलता। नामिनी सिर्फ राशि का अभिरक्षक होता है, मालिक नहीं। दरअसल दिवंगत महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता रंजनादेवी प्रधान के बैंक ऑफ इंडिया, मुंगेली शाखा में 15 लाख रुपए जमा था। उनकी मौत के बाद रकम पर दामाद राहुल ध्रुव और ससुर लल्लाराम दोनों ने दावा किया। ट्रायल कोर्ट ने नामांकन देखकर राशि दामाद को देने का आदेश दिया था, लेकिन अपील में जिला न्यायालय ने फैसला पलटते हुए कहा कि हिन्दू सक्सेशन एक्ट के तहत पति पक्ष के वारिसों को पहला अधिकार होता है, और लल्लाराम ससुर होने के नाते निकट संबंधी हैं। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि, नामांकन से व्यक्ति का सिर्फ 'कस्टोडियन' का दर्जा बनता है, उत्तराधिकार का अधिकार नहीं मिलता। यही कानून बार-बार स्पष्ट किया जा चुका है। जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद ने अपीलीय अदालत का आदेश सही मानते हुए पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया ,इसके साथ ही 15 लाख की राशि पर लल्लाराम का अधिकार सही माना गया है।

फर्जी फेडरेशन पर लगेगा ब्रेक, रेलवे भर्ती में अब सिर्फ खेल मंत्रालय से मान्यता प्राप्त

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

भारतीय रेलवे ने खेल कोटे की भर्ती में बड़ा बदलाव किया है। अब किसी खिलाड़ी का मेडल तभी मान्य होगा, जब टूर्नामेंट आयोजन की तारीख को आयोजक फेडरेशन के पास खेल मंत्रालय की वैध मान्यता हो। 24 नवंबर 2025 को रेलवे बोर्ड ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे समेत सभी 17 जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों को पत्र भेजकर यह नई नीति तत्काल लागू करने के निर्देश दिए हैं। रेलवे बोर्ड के निदेशक स्थापना (खेल) रवि कुमार की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि अब रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) किसी फेडरेशन को अलग से मान्यता नहीं देगा।

सर्टिफिकेट की वैधता की जांच सीधे खेल मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट से की जाएगी। टूर्नामेंट की तारीख को यदि फेडरेशन मान्यता सूची में दर्ज है तो मेडल मान्य होगा, अन्यथा खारिज। पहले रेलवे और खेल मंत्रालय दोनों मान्यता देते थे, जिसका फायदा उठाकर कई फर्जी फेडरेशन बनाए गए और उनसे मेडल लेकर लोग नौकरी पा चुके हैं। खेल मंत्रालय से मान्यता खत्म होने के बाद भी बोर्ड से मान्यता चलती रहती थी, जिसका गलत फायदा फेडरेशन उठता था। नई व्यवस्था से यह समस्या खत्म हो जाएगी।

हर साल खेल कोटे से 400-500 नियुक्तियां

यह नियम केवल भविष्य की भर्तियों पर लागू होगा। पहले से खेल कोटे से नौकरी पा चुके सभी खिलाड़ियों की नौकरी पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। रेलवे में हर साल खेल कोटे से लगभग 400-500 नियुक्तियां होती हैं, जिनमें ज्यादातर ग्रुप-सी और कुछ ग्रुप-डी पद शामिल होते हैं। अब इन पदों पर केवल वही खिलाड़ी पहुंच सकेंगे, जिनके मेडल जारी करने वाला फेडरेशन उस समय खेल मंत्रालय से मान्यता प्राप्त रहा हो।

फर्जीवाड़े को रोकने में मिलेगी मदद

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह कदम फर्जीवाड़े को रोकने के साथ-साथ वास्तविक प्रतिभा को मौका देगा। भविष्य में आवेदन करने वाले खिलाड़ियों को सलाह दी गई है कि टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से पहले खेल मंत्रालय की वेबसाइट पर आयोजक फेडरेशन की मान्यता जरूर जांच लें। जोनल अधिकारियों ने बताया कि बोर्ड के निर्देश के अनुक्रम में खेल कोटे की भर्ती में यह नियम प्रभावी रहेगा।

राशिफल

मेष – मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष – व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन – भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क – क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह – नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या – धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक – क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर – आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ – कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

मीन – शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

स्वदेशी मेला के लिए भूमिपूजन समारोह आज

रायपुर। साइंस कॉलेज ग्राउंड में सात दिवसीय 18 से 25 दिसंबर तक स्वदेशी मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेले का भूमिपूजन समारोह 1 दिसंबर को सुबह 9.30 बजे किया जाएगा। यह जानकारी मीडिया प्रभारी इंदिरा जैन ने देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब होंगे। विशेष अतिथि महापौर मीनल चौबे होंगी। इसके अलावा मेले से जुड़े पदाधिकारियों में मेला संयोजक केदारनाथ गुप्ता, सहसंयोजक जसप्रीत सलूजा, मनीषा सिंह, स्वागत समिति अध्यक्ष आनंद सिंघानिया, समिति सचिव अमरजीत छाबड़ा, स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक जगदीश पटेल, प्रांत मेला प्रमुख अमर बंसल, भारतीय विपणन विकास केंद्र के प्रबंधक सुब्रत चाकी, इसके अतिरिक्त स्वदेशी मेला के अनेक कार्यकर्ता भी उपस्थित रहेंगे।

प्रदेश में दिसंबर से जनवरी तक दो हजार स्थानों में होगा हिंदू सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

1601 मंडलों और 666 बस्तियों में होंगे कार्यक्रम

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह शताब्दी वर्ष है। इसके लिए कई कार्यक्रम तय किए गए हैं। सबसे अहम हिंदू सम्मेलनों का आयोजन है। सबसे पहले प्रदेश में आरएसएस ने विजयादशमी से लेकर 15 अक्टूबर तक विजयादशमी पर्व मनाया। इसमें दो हजार स्थानों में पंथ संचलन का कार्यक्रम किया गया। नवंबर में घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया। अब दिसंबर से लेकर जनवरी तक हिंदू सम्मेलन होंगे। इसमें आरएसएस के 1601 मंडल और शहरी क्षेत्रों की 666 बस्तियां शामिल हैं। इन सम्मेलनों में साधु, संतों के साथ समाज के प्रमुखों का मार्गदर्शन मिलेगा। इसी के साथ सालभर लगातार कार्यक्रम होंगे।

आरएसएस ने अपने शताब्दी वर्ष में सालभर के लिए कार्यक्रम तय किए हैं। इसका आगाज विजयादशमी से किया गया। विजयादशमी पर आरएसएस हमेशा से पथ संचलन का आयोजन करता है। इस बार 2 अक्टूबर को विजयादशमी से लेकर 15 अक्टूबर तक प्रदेश में दो हजार स्थानों पर पथ संचलन का कार्यक्रम किया गया। इसके बाद नवंबर में घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया। प्रदेश के हर गांव के हिंदू परिवारों के घरों तक स्वयंसेवक गए और उनको आरएसएस के सौ सालों में किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी गई। लोगों को संघ का साहित्य भी वितरित किया गया। सबसे अहम सभी घरों में भारत माता की तस्वीर दी गई।

आरएसएस ने हिंदू समाज को संगठित करने के लिए ही देशभर में हिंदू सम्मेलन आयोजित करने का फैसला किया है। छत्तीसगढ़ में आरएसएस के 1601 मंडल हैं। ये मंडल प्रदेश के 19 हजार से ज्यादा गांवों को मिलाकर बनाए गए हैं। एक मंडल में आठ से दस गांवों को रखा गया है। अब हर मंडल में हिंदू सम्मेलन होंगे। इसी के साथ शहरी क्षेत्रों में 666 बस्तियां हैं। इनमें भी हिंदू सम्मेलन होंगे। प्रांत संघचालक टोपलाल वर्मा ने बताया, हिंदू सम्मेलन करने का मकसद समाज को संगठित करना है। सम्मेलनों में मंडलों से जुड़े गांवों के लोगों को एक मंच पर लाएंगे। सम्मेलन में साधु, संतों के साथ विभिन्न समाज से जुड़े लोग भी शामिल होंगे। इसमें इनका मार्गदर्शन मिलेगा। 10 दिसंबर से लेकर जनवरी में मकर संक्रांति तक यह कार्यक्रम लगातार चलेगा।

कार्यक्रमों की कड़ी में जनवरी में युवाओं के लिए युवा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 221 स्थानों पर होगा। इसमें 152 खंड और 69 नगर शामिल हैं। इसमें युवाओं की समस्याओं को भी जानने के साथ उनका निदान कैसे हो, इस पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा मार्च में एक अलग तरह का आयोजन प्रमुख जन गोष्ठी होगी। इसमें अलग-अलग वर्गों के प्रमुख शामिल होंगे। जैसे ऑटो, ट्रक, टैक्सी के वाहन चालक, किसान, वकील, व्यापारी, इनके प्रमुखों को बुलाकर एक मंच दिया जाएगा।

शब्द पहेली - 6064

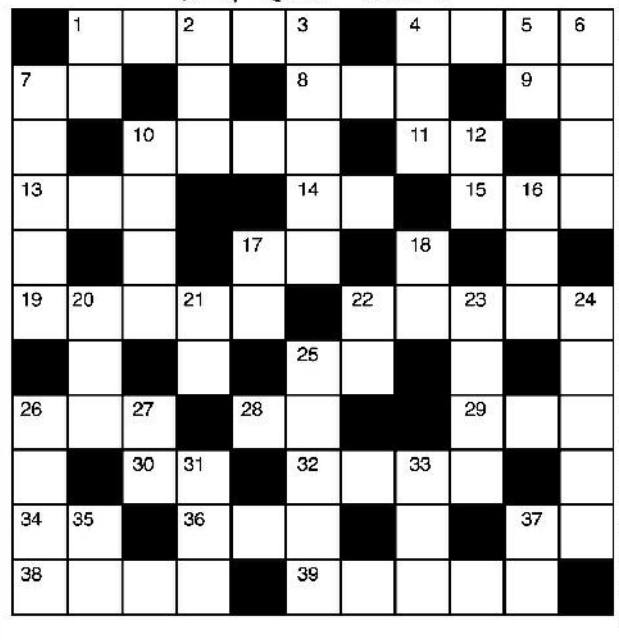

बाएँ से दाए
1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना, रोना, लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा, कारपेट-3
9. किनारा, छोर-2
10. झगड़ा, कहासुनी-4
11. समय, वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र, स्वदेश-2
15. पुत्र, लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र, व्यवहार-2,3
25. जीव, दूत, जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत, जोश, बल-2
29. कराह, टीस, लालसा-3
30. वहम, संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा, घास-2
36. चोंगा, गाऊन-3
37. सफर, जात्रा-2
38. दयालु, कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. पांव, पैर-2
2. भिखारी, मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूर्ण-4
7. हल्का काला, श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल, पत्ता-2
18. रुखसार, कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़, योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच, नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरैया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त, मित्र, सखा-2

शब्द पहेली- 6063 का हल

■	व	र	दा	न	■	अ	प	मा	न	■
स	■	■	ब	■	म	■	ह	■	■	ह
र	■	श	रा	र	त	क	र	ना	■	व
क	ल	ह	■	■	वा	■	■	का	न	न
ना	■	र	■	अ	ला	व	■	रा	ख	■
■	दा	■	का	म	■	च	प्पू	■	रा	■
■	व	जु	■	न	म	न	■	पा	■	मु
क	त	रा	■	■	हा	■	■	ल	ल	क
ल	■	ब	लि	दा	न	क	र	ना	■	र
म	■	■	ख	■	ता	■	ई	■	■	ना
■	ना	ना	ना	नी	■	खि	स	ल	ना	■

सूडोकु नवताल- 6074

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6073 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

खबर संक्षेप

पूंजीकरण में सबसे अधिक फायदा में रिलायंस रही

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 96,200.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 474.75 अंक या 0.55 प्रतिशत चढ़ा।

लोढ़ा डेवलपर्स 14 हजार करोड़ की परियोजना करेगी शुरू

नई दिल्ली। रियल्टी कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में 14,000 करोड़ रुपये की 15 आवासीय परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रही है। मुंबई स्थित लोढ़ा डेवलपर्स देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। यह लोढ़ा ब्रांड के तहत संपत्तियां बेचती है।

बीते सप्ताह मूंगफल्ली और सोयाबीन में रहा सुधार

नई दिल्ली। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। वहीं सोयाबीन डी-आयल्ड केक की कमजोर स्थानीय मांग के कारण मिल वालों की मांग प्रभावित रहने से सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए।

वेकफिट आठ दिसंबर को आईपीओ लाएगी

नई दिल्ली। घरेलू सामान और फर्नीचर बनाने वाली कं पनी वेकफिट इनोवेशंस आठ दिसंबर को अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम लाएगी, जिसमें 377 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। कंपनी का आईपीओ 10 दिसंबर को बंद होगा तथा एंकर निवेशकों को पांच दिसंबर को शेयर आवंटित किए जाएंगे।

एफपीआई ने नवंबर में बाजार से निकाले 3,765 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। एफपीआई भारतीय शेयर बाजार में फिर बिकवाल बन गए है। अक्टूबर में थोड़े ठहराव के बाद विदेशी निवेशकों ने नवंबर में भारतीय शेयरों से शुरू रूप से 3,765 करोड़ रुपये निकाले हैं। ऐसा वैश्विक स्तर पर जोखिम लेने की क्षमता में कमी, वैश्विक स्तर पर प्रौद्योगिकी शेयरों में उतार-चढ़ाव और प्राथमिक बाजार को प्राथमिकता देने की वजह से हुआ है।

जम्मू-कश्मीर में 10.07 लाख लोगों को मिला ऋण

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में 10.07 लाख से अधिक लाभार्थियों को ऋण सहायता प्रदान की गई तथा बैंकों ने 43,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित किए। जम्मू में मुख्य सचिव अटल डुल्लू की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रशासित प्रदेश स्तरीय बैंकर समिति की 17वीं बैठक में दी गई। बैठक में 2025-26 की पहली तिमाही तथा पहली छमाही में बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण तथा अन्य बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के प्रदर्शन की समीक्षा की गई।

सोना फिर रिकॉर्ड ऊंचाई को छू सकता है, नजर फेड के चेयरमैन पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विश्लेषकों के अनुसार सोने की कीमतें अगले सप्ताह मजबूती के साथ रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच सकती हैं। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों का पूरा ध्यान अमेरिका के महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों, फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के भाषण और भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति पर टिका है। जे एम फाइनेंशियल के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, /"सोना अब उस सीमित दायरे से बाहर निकल आया है जिसमें वह काफी दिनों से फंसा हुआ था। निवेशक दुनिया भर के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के आंकड़ों, अमेरिका के रोजगार आंकड़ों और उपभोक्ताओं की मनोदशा पर पूरा ध्यान दे रहे हैं।/"

- सोना अब सीमित दायरे से बाहर निकल आया है

निवेशकों के पूरा ध्यान पॉवेल व आरबीआई के मौद्रिक नीति पर

सोने-चांदी को लेकर रुझान सकारात्मक

क्वांटेस रिसर्च के संस्थापक कार्तिक जोनागडला ने कहा, /"निवेशकों के लिए सोना सबसे सीधा और स्पष्ट तरीका है यह बताने का कि वे अमेरिका में वास्तविक ब्याज दरों के भविष्य को लेकर क्या सोचते हैं।/" उन्होंने आगे कहा, /"जब तक दिसंबर में ब्याज दर कटौती की मजबूत संभावना बनी हुई है, सोने-चांदी को लेकर रुझान हल्का सकारात्मक रहेगा।

कमजोर रुपए ने सोने की मांग बढ़ाई

एंजल वन के वरिष्ठ शोध अधिकारी प्रथमेश माल्या ने कहा, /"भारत में रुपये की कमजोरी और स्थानीय मांग ने सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव को बहुत बढ़ाया है। त्योहार, शादियां और लगातार जारी आभूषणों की खरीदारी भारतीय बाजार में सोने-चांदी की कीमतों को मजबूत सहारा दे रही है।/"

केंद्रीय बैंक लगातार सोना खरीद रहें : माल्या ने आगे कहा कि दुनिया के केंद्रीय बैंक लगातार सोना खरीद रहे हैं, जिससे लंबी अवधि में सोने का परिदृश्य सकारात्मक बना रहेगा। उन्होंने कहा,/"पिछले कई सालों से केंद्रीय बैंक सोना जमा करते आ रहे हैं और यह सिलसिला 2026 में भी जारी रहेगा।/"

निवेशकों की सभी घटनाओं पर बारीक नजर

मेर ने आगे कहा, /"इन सबके अलावा सोमवार को फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल का भाषण, रूस-यूक्रेन शांति वार्ता में होने वाली प्रगति और शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक की नीति बैठक भी होगी। निवेशक इन सभी घटनाओं पर बहुत बारीकी से नजर रखेंगे।/" मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर फरवरी 2026 सोना वायदा भाव पिछले सप्ताह 3,654 रुपये यानी 2.9 प्रतिशत चढ़ा और शुक्रवार को 1,29,504 रुपये प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ।

श्रम मामलों के विशेषज्ञ व अर्थशास्त्री ने कहा

श्रम कानून नियोक्ताओं के हित में, केवल संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को होगा लाभ: विशेषज्ञ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

श्रम मामलों के विशेषज्ञ और अर्थशास्त्री प्रोफेसर संतोष मेहरोत्रा ने कहा है कि नई श्रम संहिता में 'फिक्स्ड टर्म' कर्मचारियों की श्रेणी में समयसीमा का जिक्र नहीं होना और श्रम निरीक्षकों की कमी जैसे खामियां नये श्रम कानून को श्रमिकों के बजाय नियोक्ताओं के हित में बनाती हैं। साथ ही इस कानून से देश में काम कर रहे लगभग 61 करोड़ कामगारों में से केवल संगठित क्षेत्र में कार्यरत केवल 15 प्रतिशत कर्मचारियों को ही लाभ होगा।

मेहरोत्रा ने यह भी कहा कि अब कंपनियां अपने कई कार्यों के लिए 'कान्ट्रैक्टर' के जरिये कर्मचारी लेती हैं। हालांकि, ऐसे मामलों में इन कर्मचारियों का मूल नियोक्ता वह है जहां वह काम करता है। लेकिन असल में वह कानून के तहत कांट्रैक्टर या ठेकेदार का ही कर्मचारी है और सीधे नियुक्त न होने वाले इस कर्मचारी के बारे में नई श्रम संहिता कुछ नहीं कहती है।

श्रमिकों को सार्थक लाभ मिलता है

मानव संसाधन सेवाएं देने वाली कंपनी रैंडस्टैड इंडिया के जनरल काउंसल डॉ. सचिन बिराज ने कहा, ''नई श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन भारत के प्रतिभा परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण संरचनात्मक कदम है। श्रम संहिताएं सभी प्रकार के अनुबंधित और निश्चित अवधि के श्रमिकों को सार्थक लाभ प्रदान करती हैं और यह भारत के श्रम ढांचे में सबसे प्रगतिशील बदलावों में से एक है।''

कर्मचारियों को बहुत ज्यादा फायदा होता नहीं दिख रहा

पूर्ववर्ती योजना आयोग के अंतर्गत आने वाला इंस्टिट्यूट ऑफ एप्लॉयड मैनपावर रिसर्च (वर्तमान में नीति आयोग के अंतर्गत नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ लेबर इकॉनमिक्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट) के महानिदेशक रह चुके मेहरोत्रा ने कहा, ''नई श्रम संहिता में कर्मचारियों को बहुत फायदा होता हुआ नहीं दिख रहा है। यही कारण है कि सभी श्रमिक संगठन (भारतीय मजदूर संगठन) इसका विरोध कर रहे हैं।'

अधिक पीएफ बचत कर सकेंगे

बिराज ने कहा, नए ढांचे के तहत, संगठित क्षेत्र के अनुबंध पर काम करने वाले कामगारों के लिए अधिक मानकीकृत और पारदर्शी रोजगार शर्तें होने की संभावना है। हालांकि, इसके लिए जरूरी है कि संबंधित राज्य सरकारें लागू प्रावधानों को अधिसूचित और कार्यान्वित करें। वेतन की एक समान परिभाषा यह सुनिश्चित करती है कि अनुबंधित श्रमिक अब अधिक पीएफ बचत कर सकेंगे।

- श्रम संहिता में फिक्स्ड कर्मियों की श्रेणी में समयसीमा का जिक्र नहीं
- श्रम निरीक्षकों की कमी जैसी खामियां नए श्रम कानून में
- देश में काम कर रहे लगभग 61 करोड़ कामगारों संगठित क्षेत्र में

29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाने की कोशिश

सरकार ने सभी चार श्रम संहिताओं... वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशा संहिता, 2020 को हाल ही में अधिसूचित किया है। इस प्रमुख श्रम सुधार के जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाने की कोशिश की गई है।

सीधी नियुक्ति पर सुविधाएं व लाभ देना होगा

वर्तमान में मॉस्को स्थित हायर स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स के इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन में 'लीड रिसर्च फेलो' और ब्रिटेन के बाथ विश्व-विद्यालय के सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज में 'विजिटिंग' प्रोफेसर मेहरोत्रा ने कहा, ''दूसरी समस्या यह है कि नए कानून के तहत अगर किसी कर्मचारी को आपने सीधे नियुक्त किया है, तो उसको उतनी ही सुविधाएं एवं लाभ देने होंगे, जो आप स्थायी कर्मचारी को देते हैं। यानी आपको समान वेतन देना होगा।

वेतन एक समान होगा

मेहरोत्रा ने कहा, ''कानून कहता है कि चाहे अनुबंध पर हो या फिर स्थायी कर्मचारी हो, उन पर वेतन और गैर-वेतन नीति एक समान लागू हों। संहिता में पेचीदगी यह है कि ...इस कानून में एक नये किस्म की श्रेणी 'फिक्स्ड टर्म' यानी निश्चित अवधि के लिए नियुक्त कर्मचारी' सृजित की गयी है, जिसकी चर्चा बहुत साल से हो रही है। लेकिन फिक्स्ड टर्म में उन्होंने समयसीमा नहीं लिखी है।

नेपाल ने चीनी कंपनी को दिया नेपाली बैंक नोट छापने का ठेका

- चीनी सिक्योरिटी प्रेस 50 और 500 रुपए का नोट भी छापेगा

एजेंसी ▶▶| काठमांडू

नेपाल के विभिन्न मूल्यवर्ग के बैंक नोट छापने का ठेका एक चीनी सिक्योरिटी प्रिंटिंग प्रेस को मिला है, जिसमें सबसे नया 1,000 रुपये का नोट भी शामिल है।

नेपाल के केंद्रीय बैंक नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने चाइना बैंकनोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन को 50 रुपये, 500 रुपये और 1,000 रुपये के नेपाली बैंक नोट छापने का ठेका दिया है। एनआरबी के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने रविवार को पीटीआई-भाषा को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाल में दिए गए ठेके के अनुसार चीनी सिक्योरिटी प्रेस को नौ महीने के अंदर बैंक नोटों का डिजाइन, छपाई और आपूर्ति करनी है। अधिकारी ने कहा कि एनआरबी के निर्देश के अनुसार चीनी कंपनी नोट डिजाइन करती है और फिर उसकी बैंक से मंजूरी मिलने के बाद ही छपाई होती है। इस महीने की शुरुआत में इसी चीनी कंपनी को नेपाल के 1,000 रुपये के 43 करोड़ बैंक नोट डिजाइन करने और छापने के लिए आशय पत्र जारी किया गया था।

इसमें सबसे नया 1,000 रुपए का नोट शामिल

चीनी कंपनी ने सबसे कम बोली लगाई थी

चीनी कंपनी सबसे कम बोली लगाने के आधार पर चुनी गई थी और उसने पहले भी नेपाल के पांच रुपये, 10 रुपये, 100 रुपये और 500 रुपये के बैंक नोट छापे हैं। नेपाल के केंद्रीय बैंक बृहस्पतिवार को 100 रुपये का नया नोट जारी किया था। इसमें देश का बदला हुआ नक्शा है, जिसमें कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा क्षेत्र को नेपाल में दिखाया गया है।

एनसीएलएटी ने वोल्टास के खिलाफ दिवाला याचिका खारिज की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने वोल्टास के खिलाफ एक अर्जी खारिज कर दी है। इसमें टाटा समूह की कंपनी के खिलाफ उसके एक परिचालन ऋणदाता द्वारा दिवाला कार्यवाही शुरू करने की अपील की गई थी। एनसीएलएटी की दो सदस्यों वाली पीठ ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ के पहले के आदेशों को बरकरार रखा है, जिसने 27 मई, 2025 को पहले से मौजूद विवाद के आधार पर अर्जी खारिज कर दी थी। उसने अपील करने वाली एयर वेव टेक्नोक्राफ्ट्स और वोल्टास के बीच ई-मेल के आदान-प्रदान के आधार पर इस मौजूदा जारी विवाद मानने में कोई गलती नहीं की है। यह कार्य प्रमाणन, राशि और उससे जुड़े दस्तावेजों से संबंधित है। ''हमें इस मामले में एनसीएलटी के नजरिये से अलग रुख अपनाने का कोई कारण नहीं दिखता, जिसने पहले से मौजूद विवादों के सही आधार पर धारा-9 आवेदन को खारिज कर दिया था। नतीजतन, हमें अपील में कोई दम नहीं मिला। हमें विवादित आदेश में दखल देने का कोई कारण नहीं मिला। अपील खारिज की जाती है।'' एनसीएलएटी का यह आदेश एयर वेव टेक्नोक्राफ्ट्स की एक याचिका पर आया है, जिसे वोल्टास ने अपने ग्राहकों को अलग-अलग वर्क साइट पर मौजूद 'सी' (हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर-कंडीशनिंग) प्रणाली के परिचालन और रखरखाव के लिए सेवा देने के लिए नियुक्त किया था।

- एनसीएलटी के आदेश को सही ठहराया

वोल्टास भुगतान प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं कर पाया

एक बार जब ग्राहक स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) काटने के बाद वोल्टास को भुगतान जारी कर देता था तो टाटा समूह की कंपनी बदले में, कुछ रकम 'रिटेंशन मनी' के तौर पर रोककर शेष राशि अपीलकर्ता कंपनी को जारी कर देती थी। याचिका में कहा गया था कि वोल्टास बाद में अपनी भुगतान प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रही।

एमटीएनएल पर लगा 5.42 लाख का जुर्माना ...

नई दिल्ली। शेयर बाजार एनएसई और बीएसई ने निदेशक मंडल में नियुक्ति से संबंधित नियमों का पालन नहीं करने के लिए कर्ज में डूबी सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी एमटीएनएल पर 5.42 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। एमटीएनएल ने शनिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसे नियमों के अनुसार चार और स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने हैं, लेकिन वह ऐसा करने में असमर्थ रही है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, एनएसई और बीएसई दोनों ने सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 की धारा 17(1) के उल्लंघन के लिए कंपनी पर 5,42,800 रुपये का जुर्माना लगाया है। इसमें 4.6 लाख रुपये मूल जुर्माना तथा 82,800 रुपये 18 प्रतिशत जीएसटी शामिल है।

मौद्रिक नीति व वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़ों की होगी घोषणा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं, वैश्विक रुख, ब्याज दर पर भारतीय रिजर्व बैंक के निर्णय और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि अक्टूबर, 2025 के लिए औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े एक दिसंबर को जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, सोमवार को नवंबर के वाहन बिक्री के आंकड़े भी आएंगे, जो बाजार को दिशा देंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष- शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''इस सप्ताह बहुत सारे आंकड़े आएंगे, जो बाजार में उतार-चढ़ाव का कारण बनेंगे। घरेलू मोर्चे पर वाहन बिक्री के आंकड़े आएंगे। इसके बाद एचएसबीसी विनिर्माण और पीएमआई के आंकड़े आने हैं। सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम पांच दिसंबर को आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के नतीजे होंगे।

- कंपनी प्रीमियम व अलग तरह की गाड़ियां लाने की योजना बना रही

महिंद्रा का अभी एसयूवी, इलेक्ट्रिक वाहन पर ध्यान देने का इरादा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महिंद्रा एंड महिंद्रा घरेलू यात्री वाहन बाजार में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने के लिए प्रीमियम और अलग तरह की गाड़ियां पेश करने की अपनी रणनीति पर टिके रहने की योजना बना रही है।

इनमें आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाली एसयूवी और इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं यह बात कंपनी के एक शीर्ष कार्यकारी ने कही है। मुंबई की इस बड़ी वाहन कंपनी की अपने उत्पाद श्रृंखला में सीएनजी और दूसरी वैकल्पिक ईंधन प्रौद्योगिकी लाने की अभी कोई योजना नहीं है, क्योंकि वह अपनी मुख्य ब्रांड पहचान पर टिके रहना चाहती है और ऐसे ग्राहकों को लक्षित करना चाहती है, जो अलग तरह के उत्पाद चाहते हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा के अध्यक्ष - वाहन कारोबार आर वेलुसामी ने पीटीआई-भाषा से कहा, हमारा ध्यान आईसीई और इलेक्ट्रिक पर रहा है, और हम इन क्षेत्रों में काफी बढ़ रहे हैं।

2028 तक ईवी हिस्सेदारी 25 फीसदी करने का लक्ष्य

इलेक्ट्रिक वाहन खंड की बात करें, तो कंपनी की योजना इस वित्त वर्ष के अंत तक 7,000 ईवी बेचने की है। कंपनी का इरादा 2028 तक अपनी कुल बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी को करीब 25 प्रतिशत करने का है।

रेपो दर में चौथाई प्रतिशत तक की कमी संभव

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुद्रास्फीति का दबाव कम होने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी आगामी मौद्रिक नीति बैठक में प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत कम कर सकता है।

हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के मद्देनजर केंद्रीय बैंक ब्याज दर को स्थिर रख सकता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति पिछले दो महीनों से सरकार के तय दायरे की निचली सीमा (दो प्रतिशत) से भी कम है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अर्थव्यवस्था में आई तेजी के कारण आरबीआई ब्याज दरों को यथावत रख सकता है। यह तेजी राजकोषीय समेकन, लक्षित सार्वजनिक निवेश और जीएसटी दर कटौती जैसे विभिन्न सुधारों से समर्थित है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 3-5 दिसंबर 2025 तक होनी है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा पांच दिसंबर को समिति के फैसलों की घोषित करेंगे।

दो माह में कंपनियां आईपीओ से 40,000 करोड़ रुपए जुटाएंगी

दो दर्जन कंपनियां आईपीओ लाने की तैयारी में

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कंपनियों के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का आकर्षण तेजी पकड़ रहा है। मर्चेंट बैंकरों का कहना है कि अगले दो माह के दौरान आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी, मीशो और जुनिपर ग्रीन एनर्जी समेत दो दर्जन और कंपनियां अपना सार्वजनिक निर्गम लाने की तैयारी कर रही हैं।

इन आईपीओ के जरिये करीब 40,000 करोड़ रुपये जुटाए जा सकते हैं। इस मजबूत पाइपलाइन में कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी फ्रैक्टल एनालिटिक्स, होम और स्लीप समाधान ब्रांड वेकफिट इनोवेशंस, प्रौद्योगिकी आधारित सुरक्षा और निगरानी कंपनी इनोवेटिवव्यू इंडिया और हॉस्पिटल श्रृंखला पार्क मेडी वर्ल्ड जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

- मीशो और जुनियर ग्रीन एनर्जी जैसी कंपनियां लाएगी निर्गम

इस साल अब तक 96 कंपनियां हुई सूचीबद्ध

इस साल अब तक 96 कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई हैं। इन कंपनियों ने आईपीओ से 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। इनमें से 40 से ज्यादा कंपनियां अकेले पिछले तीन महीने में सूचीबद्ध हुई हैं, जो प्राथमिक बाजार में बढ़ती गतिविधियों को दर्शाता है। इसकी तुलना में, 2024 में 91 सार्वजनिक निर्गम के जरिये कुल 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे।

पीएसयू से वर्ष 2025 में दो लाख करोड़ जुटाए गए

इसे मजबूत खुदरा भागीदारी, निजी निवेश और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था से समर्थन मिला था। आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स के प्रमुख - प्रेफर्ड, थॉमस स्टीफन ने कहा कि दिसंबर में कई आईपीओ आने वाले हैं। इससे 2025 में सार्वजनिक निर्गम के जरिये जुटाई गई राशि का आंकड़ा दो लाख करोड़ रुपये पर पहुंच सकता है, जो भारतीय प्राथमिक बाजार के लिए नया रिकॉर्ड होगा।

पहले कंपनियां आईपीओ लाने हिचकिचाती थी

मेवेनार्क के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शांतनु अवस्थी ने इसी तरह की राय जताते हुए कहा कि जो कंपनियां पहले सार्वजनिक निर्गम लाने में हिचकिचाती थीं, अब वे समझ रही हैं कि लगातार वृद्धि के लिए काफी पूंजी की जरूरत होती है। आईपीओ के जरिये धन जुटाने वाली कंपनियां इस राशि का खर्च अपनी विस्तार योजनाओं को आगे बढ़ाने, पूंजीगत व्यय, कर्ज भुगतान और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए करेंगी।

इंडियनऑयल
CIN-L23201MH1959GOI011388
IndianOil

विपणन प्रभाग — मध्य प्रदेश राज्य कार्यालय

सर्वो स्टॉकिस्ट की नियुक्ति के लिए नोटिस

एनआईटी नंबर / नियुक्ति का नाम	आवेदन की अवधि
एनआईटी संख्या: MPSO/Lubes/2025-26/6 एवं 7 निम्नलिखित स्थानों पर ग्रामीण सर्वो स्टॉकिस्ट (GSS) एवं सर्वो स्टॉकिस्ट रिसेलर (SSR) की नियुक्ति:	आवेदन दस्तावेज प्रकाशित और डाउनलोड की शुरुआत 1.12.2025, 10:00 बजे से होगी। भौतिक आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख: 21.12.2025, 16:00 बजे तक

क्र. सं.	स्थान	राजस्व जिला	राज्य	ऑपरेशन की टेरिटरी
1	बिलासपुर	बिलासपुर, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही और मुंगेली	छत्तीसगढ़	छत्तीसगढ़ का जिला बिलासपुर, जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही और जिला मुंगेली
2	खंडवा	खंडवा, बुरहानपुर और हरदा	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश के खंडवा, बुरहानपुर और हरदा जिले

किसी भी स्पष्टीकरण के लिए कृपया निम्नलिखित संपर्क नंबरों पर हमारे स्थानीय बिक्री अधिकारियों से संपर्क करें:

स्थान	कार्यकारी का नाम	संपर्क नंबर	ईमेल
बिलासपुर	श्री अभिषेक बैनर्जी	9437038823	abanerjee@indianoil.in
खंडवा	श्री सतीश कुमार	9713016039	ksatish@indianoil.in

इच्छुक उम्मीदवार https://spandan.indianoil.co.in/BPSP/HomePage.jsp से आवेदन पत्र और दिशानिर्देश डाउनलोड कर सकते हैं। आवेदन पत्र में उल्लिखित सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ भरा हुआ आवेदन पत्र, समापन तिथि और समय या उससे पहले एनआईटी में उल्लिखित पते पर प्रस्तुत किया जाना चाहिए। शुद्धिपत्र, यदि कोई होगा, तो इसी वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

अब लगेगी चौके-छक्कों की ....

टिकट की उम्मीद में पहुंच रहे इंडोर स्टेडियम - बुकिंग पूरी हो जाने के बाद अब जिन लोगों को टिकट नहीं मिल पाई है, वे इंडोर स्टेडियम पहुंचकर अन्य लोगों से टिकट खरीदने की उम्मीद लगाए हुए हैं। इस बीच टिकटों की कालाबाजारी भी शुरू हो गई है। कई क्रिकेट प्रेमी मैच देखने की चाह में 1500 रुपये वाले टिकट के लिए 3000 रुपये तक देने को तैयार हैं। इंडोर स्टेडियम के काउंटर पर भी लोग अतिरिक्त टिकटों की मांग कर रहे हैं। वहीं, जिन दर्शकों को ऑनलाइन या पहले चरण में टिकट नहीं मिल सका, वे अब दूसरों से महंगे दामों पर टिकट खरीदने की कोशिश कर रहे हैं।

विदेशी खिलाड़ियों के लिए ....

विदेशी फूड तैयार किया जाएगा। दोनों टीमों की डाइट लिस्ट के अनुसार स्पेशल न्यूट्रिशन डाइट मेन्यू तैयार किया गया है। मैच वाले दिन भी होटल से सीधा खाना खिलाड़ियों तक स्टेडियम पहुंचाया जाएगा, ताकि फिटनेस और स्वाद दोनों में कोई कमी न हो।

विराट ने रचा इतिहास ....

चौके और 5 छक्के लगाए। इंटरनेशनल क्रिकेट में विराट का यह 83वां शतक है। विराट ने दमदार खेल दिखाते हुए अपने वनडे करियर में 52वीं बार 100 रनों का आंकड़ा पार किया। रोहित शर्मा ने पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का माइलस्टोन अपने नाम किया। यही नहीं, रोहित-विराट की जोड़ी अब भारत के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली जोड़ी भी बन गई।

सुरक्षित भारत के ....

पुलिस को फिर से सक्रिय करने और औपनिवेशिक काल के आपराधिक कानूनों के स्थान पर लागू किए गए नए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। आपदा प्रबंधन तंत्र को मज़बूत करें- प्रधानमंत्री ने मज़बूत तैयारियों और समन्वय की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और पुलिस प्रमुखों से चक्रवात, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपात स्थितियों से निपटने प्रभावी आपदा प्रबंधन तंत्र को मज़बूत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ऐसी घटनाओं के दौरान जीवन की रक्षा और न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय योजना, तत्क्षण समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और समग्र सरकारी दृष्टिकोण आवश्यक हैं। 700 से अधिक अफसर वर्चुअल जुड़े- सम्मेलन में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, गृहराज्य मंत्री और केंद्रीय गृह सचिव ने भाग लिया। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक, साथ ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुखों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया, जबकि देश भर से विभिन्न रैंकों के 700 से अधिक अधिकारी वर्चुअल माध्यम से इस सम्मेलन में शामिल हुए। पुलिस बलों की जवाबदेही पर केंद्रित -मोदी- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स ट्विट कर कहा कि इस वर्ष का डीजीपी/आईजीपी सम्मेलन अत्यंत फलदायी रहा। हम सभी ने 'विकसित भारतः सुरक्षा आयाम' विषय के अनुरूप विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। पुलिस बलों के संबंध में व्यावसायिकता, संवेदनशीलता और जवाबदेही पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

खुफिया जानकारी प्राप्त ...

आह्वान करते हुए कहा, फोरेंसिक के बेहतर अनुप्रयोग से आपराधिक न्याय प्रणाली और मजबूत होगी।

मोदी-शाह दिल्ली रवाना ....

5 बजे विशेष विमान से रवाना हुए। उनके साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, आईबी चीफ तपन डेका भी रवाना हुए।

बस्तर का विकास ....

प्रवर्तन, पुनर्वास और सामुदायिक स्तर पर हस्तक्षेप एक साथ किया जाए।

खफिया ब्यूरो के ....

यह सम्मान शहरी पुलिस व्यवस्था में नवाचार और सुधार को प्रोत्साहित करने के लिए पहली बार स्थापित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने जताया .....

मैं सफल आयोजन के लिए हृदय से सभी का आभार व्यक्त करता हूँ। छत्तीसगढ़ समर्पित भाव से राष्ट्र की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वास्थ्य केंद्र में ....

केन्द्र के बाहर खुले में उसका प्रसव कराया। चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत दूरस्थ ग्राम पंचायत लांजित में लम्बे समय से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित किया जा रहा है। दूरस्थ इलाका होने के कारण स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर निर्भर हैं। स्वास्थ्य केंद्र में प्रभारी सहित मात्र दो कर्मचारी पदस्थ है इसलिए आए दिन स्वास्थ्य केंद्र के बंद होने की शिकायतें मिलती हैं। रविवार को सुबह लांजित खाल पारा निवासी संगीता पति सुखलाल (24वर्ष) को प्रसव पीड़ा होने लगी तो परिजन उसे सुरक्षित प्रसव के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र में ताला लटकता देख परिजन को कोई उपाय नहीं सूझ रहा था। इधर संगीता प्रसव पीड़ा बढ़ने के कारण बेचैन होकर छटपटा रही थी। सुबह 10 बजे उसकी पीड़ा बढ़ जाने पर परिजन ने स्वास्थ्य केंद्र के बाहर खुले में उसका प्रसव कराया। आधे घंटे बाद स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी पहुंचे तो अस्पताल का ताला खुला तथा महिला व नवजात को अस्पताल में भर्ती किया गया।

नेशनल हेराल्ड केस ....

भारतीय दंड विधान की धारा 120बी (आपराधिक षड्यंत्र), धारा 403 (संपत्ति का दुरुपयोग), धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात के लिए दंड) और धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत आरोप लगाए हैं, जिसमें गांधी परिवार, कांग्रेस नेता सुमन दुबे और सैम पित्रोदा के अलावा यंग इंडियन (वाईआई) और डोटेक्स मर्चेंडाइज लिमिटेड जैसे प्रतिष्ठानों, डोटेक्स के प्रवर्तक सुनील भंडारी, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और अन्य अज्ञात लोगों के नाम शामिल हैं। अप्रैल में दिल्ली की एक अदालत में दाखिल ईडी के आरोपपत्र में भी इन प्रतिष्ठानों का नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है। अदालत ने अभी तक इस पर संज्ञान नहीं लिया है और अगली सुनवाई 16 दिसंबर को निर्धारित है। सूत्रों के अनुसार, ईडी ने पुलिस प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 66 (2) के तहत उपलब्ध शक्तियों का इस्तेमाल किया। यह धारा संघीय एजेंसी को कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा आपराधिक मामला दर्ज करने के लिए साक्ष्य साझा करने की अनुमति देती है, ताकि वह जांच को आगे बढ़ाने के लिए धन शोधन का मामला दर्ज कर सके।

'लाल आतंक' को फिर ....

शासन द्वारा मिलने वाली अन्य सुविधाएं स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षण, कृषि भूमि मुहैया कराई जाएगी। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में कुमली उर्फ अनिता मण्डावी सदस्य/एसजेडसीएम कमलेश की गार्ड 8 लाख ईनामी, गीता उर्फ लख्मी उर्फ लक्ष्मी मड़काम सदस्य 8 लाख ईनामी, रंजन उर्फ सोमा मण्डावी सदस्य 8 लाख ईनामी, भीमा उर्फ जहाज कलमू सदस्य 8 लाख ईनामी, क्रांति उर्फ पोदिये गावड़े एसीएम आमदई एरिया कमेटी 5 लाख ईनामी, कुमारी मुन्नी कर्मा सदस्य 2 लाख ईनामी, लक्ष्मी अटामी सदस्य 2 लाख ईनामी, कृष्णा पदामी पल्लेवाया पंचायत मिलिषिया कमाण्डर 2 लाख ईनामी, मगंड़ी उर्फ मंगली हेमला ककाड़ी आरपीसी केएएमएस अध्यक्ष 2 लाख ईनामी, दशरू डोडी बेलनार आरपीसी मिलिशिया सदस्य 2 लाख ईनामी, नंदू मंडावी गमपुर पंचायत सीएनएम कमाण्डर 2 लाख ईनामी, विज्जा मिच्चा कोलनार आरपीसी मिलिषिया अध्यक्ष 2 लाख ईनामी, हिड़मे कुहड़ाम एरिया कृषि शाखा अध्यक्ष 1 लाख ईनामी, रोशनी उर्फ हुंगी सोड़ी आमदई एरिया कमेटी पार्टी सदस्य 1 लाख ईनामी, राजू उर्फ गांधी लेकाम इन्द्रावती एरिया कमेटी पार्टी सदस्य 1 लाख ईनामी, जनकू वेको बोड़गा आरपीसी जनताना सरकार अध्यक्ष 1लाख ईनामी, बुधराम माड़वी पल्लेवाया आरपीसी जनताना सरकार अध्यक्ष 1 लाख ईनामी, सुखमति उर्फ सुक्की ताती एलओएस सदस्य 1 लाख ईनामी, सुकलू कड़ियाम गमपुर आरपीसी जनताना सरकार अध्यक्ष 1 लाख ईनामी, टाकलू उर्फ अजय कष्यप आमदई एरिया कमेटी पार्टी सदस्य 1 लाख ईनामी, बामन मण्डावी हण्ड्री आरपीसी जनताना सरकार अध्यक्ष 1 लाख ईनामी, अर्जुन कुंजाम भैरमगढ़ एरिया कमेटी पार्टी सदस्य 1 लाख ईनामी, कुमारी सोमारी परसा - इन्द्रावती एरिया कमेटी पार्टी सदस्य 1 लाख ईनामी, विजय ओयाम इन्द्रावती एरिया कमेटी पार्टी सदस्य 1 लाख ईनामी, फुलमती उर्फ शांति वेको भैरमगढ़ एरिया कमेटी पार्टी सदस्य 1 लाख ईनामी, नितेष उर्फ बदरू अलामी कुसमेली आरपीसी सीएनएम सदस्य 50 हजार ईनाम, सुखराम कुहड़ाम जैगूर 50 हजार ईनामी, मारा राम लेकाम मूलवासी बचाओ मंच सदस्य, हेमला बुगुर - ताकीलोड़ पंचायत कृषि शाखा सदस्य, बबलु ओयाम बेचापाल आरपीसी छात्र संगठन सदस्य, मंगडू लेकाम डोडीतुमनार आरपीसी डीएकेएमएस सदस्य, बामन उर्फ साई कुंजाम डोडीतुमनार ,मल्ला बारसे रेवाली पंचायत संघम सदस्य, पाण्डू ताती ग्राम अचेली जीआरडी सदस्य, नंदा मड़काम ककाड़ी आरपीसी केएमएस सदस्य, देवे मड़काम केएमएस सदस्य तथा लिंगा कुंजाम अरनपुर शामिल थे। **508 माओवादियों ने छोड़ी हिंसा-** पिछले 20 महीनों में दंतेवाड़ा जिला में 165 ईनामी माओवादी सहित कुल 508 से अधिक माओवादियों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर सामाजिक मुख्यधारा को अपनाया है। माओवादियों की वरिष्ठ नेतृत्व से लेकर आधार क्षेत्र के सक्रिय कैडर तक बड़ी संख्या में माओवादी संगठन से अलग हो चुके हैं। **1160 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण -** लोन वराटू अभियान के तहत अब तक 333 ईनामी माओवादियों सहित 1160 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया।

सरकार लाएगी 14 ....

चाहिए। सरकार ने हालांकि कहा कि संसद की कार्यवाही अच्छी तरह चलनी चाहिए और वह गतिरोध की स्थिति को टालने के लिए विपक्षी दलों के साथ बातचीत जारी रखेगी। संसद का यह सत्र बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्रचंड जीत कुछ दिनों बाद हो रहा है। महत्वपूर्ण 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025' के अलावा भारतीय उच्च शिक्षा आयोग विधेयक और आठ अन्य मसौदा कानून भी सत्र के विधायी एजेंडे में शामिल हैं। इस सत्र के लिए कुल 15 बैठकें प्रस्तावित हैं। विपक्षी दलों के विरोध के कारण सरकार को केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद 240 के दायरे में लाने का प्रस्ताव से पीछे हटना पड़ा। इस प्रस्ताव में राष्ट्रपति को केंद्र शासित प्रदेश के लिए नियम बनाने और सीधे कानून बनाने का अधिकार देता है। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सत्र के दौरान सदन में समन्वय सुनिश्चित करने के लिए रविवार को संसद में राजनीतिक दलों के नेताओं की एक बैठक बुलाई। सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पेश करने के लिए कुल 10 विधेयकों को सूचीबद्ध किया है जिनमें निजी कंपनियों के लिए असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने के प्रावधान वाला एक विधेयक भी शामिल है। 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025' भारत में परमाणु ऊर्जा के उपयोग और विनियमन को नियंत्रित करने के उद्देश्य लाया जा रहा है। इस सत्र के लिए उच्च शिक्षा आयोग विधेयक भी सरकार के एजेंडे में है। **रिजिजू ने की शांतिपूर्ण चर्चा की अपील-** बैठक से पहले संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सभी दलों के नेताओं से अलग-अलग बातचीत की। उन्होंने कहा, सर्दियों का मौसम है, उम्मीद है सब लोग ठंडे दिमाग से काम करेंगे। बहस हो, लेकिन व्यवधान नहीं। शांत माहौल देश के लिए फायदेमंद होगा और संसद सुचारू चलेगी।

लोकसभा और राज्यसभा ....

(संशोधन) बिल, 2025
10. आर्बिट्रेशन एंड कंसिलिएशन (संशोधन) बिल, 2025
11. हायर एजुकेशन कमिशन ऑफ इंडिया बिल, 2025
12. सेंट्रल एक्साइज (संशोधन) बिल, 2025
13. हेल्थ सिक्योरिटी सेस/नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025
14. वर्ष 2025-26 के लिए प्रथम पूरक अनुदान मांगें (फाइनेंशियल बिजनेस)

चूहों के हमले से पक्षियों की मौत...

पक्षियों पर हमला कर रहे। चूहों के हमले से पक्षियों की मौत हो रही है। इस संबंध में 30 नवंबर को प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने के बाद जंगल सफारी के डायरेक्टर सहित अन्य जिम्मेदार व्यवस्था सुधारने के नाम पर सुबह 9 बजे नंदनवन पहुंच गए। जहां उन्होंने पक्षियों को जंगल सफारी शिफ्ट कराया। इस संबंध में सफारी के जिम्मेदार अब कुछ भी बोलने से बच रहे। हेड ऑफ फॉरेस्ट वी. श्रीनिवास राव से संपर्क किया गया तो उन्होंने पूरे मामले की जानकारी लेने के बाद उचित कार्रवाई करने की बात कही। **चूजे-अंडे पक्षी विहार में छोड़ गए -** सरपंच ने बताया कि जंगल सफारी से आए जिम्मेदार इतनी हड़बड़ी में थे कि पक्षियों को तो अपने साथ ले गए। ग्रामीण उनको जब तक रोकते, तब तक सफारी से आए लोग पक्षियों को कार में ले भागे। पक्षियों को ले जाने की हड़बड़ी में उनके चूजे तथा अंडे वहीं छोड़ गए। ऐसे में खुली जगह में बगैर मां के चूजे तथा अंडों में पल रहे चूजों की ठंड में मौत हो सकती है। **इन प्रजाति के पक्षियों को ले गए -** जंगल सफारी से आए जिम्मेदार अफसर-कर्मचारी नंदनवन से जिन पक्षियों को छोटे पिंजरे में कैद कर ले गए हैं, उनमें कॉकटेव बर्ड, बडीज के साथ संरक्षित प्रजाति के तोते समेत अन्य प्रजाति के पक्षी शामिल हैं। बताया जा रहा है, नंदनवन से पक्षी ले जाने के समय जिम्मेदार अफसरों ने सभी कर्मियों के मोबाइल अपने पास रख लिए थे। पक्षी ले जाने के दौरान कोई फोटो खींच न पाए, इसलिए सभी के मोबाइल जमा करा लिए गए थे।

दितवाह की एंट्री, तमिलनाडु-पुडुचेरी में...

पूर्व-दक्षिणपूर्व, कराईकल से 100 किमी उत्तरपूर्व, पुडुचेरी से 110 किमी दक्षिणपूर्व, वेदारण्यम से 140 किमी उत्तरपूर्व, पुडुचेरी से 160 किमी दक्षिणपूर्व और चेन्नई से 180 किमी दक्षिण-दक्षिणपूर्व में केंद्रित है। मौसम विभाग द्वारा रविवार दोपहर जारी बुलेटिन में कहा गया है कि उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों से चक्रवात के केंद्र की न्यूनतम दूरी लगभग 70 किमी है। बुलेटिन में कहा गया है, अगले 24 घंटों के दौरान इसके उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के समानांतर उत्तर की ओर बढ़ने की प्रबल संभावना है। उत्तर की ओर बढ़ते हुए, चक्रवाती तूफान 30 नवंबर तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर न्यूनतम 60 किमी और तमिलनाडु-पुडुचेरी तटरेखा से 30 किमी की दूरी पर केंद्रित होगा।" चक्रवात के प्रभाव के कारण, अगले 24 घंटों में कुड्डालोर, नागापट्टिनम, मयिलादुथुराई, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, पुदुक्कोट्टई, तंजावुर, तिरुवरूर, अरियालुर, पेरम्बलुर, तिरुचिरापल्ली, चैन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और रानीपेट जिलों तथा पुडुचेरी और कराईकल में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। उत्तरी तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी में 60-70 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जो बढ़कर 80 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। बुलेटिन में कहा गया है कि समुद्र का मौसम खराब रहने की आशंका है और 1 दिसंबर की सुबह तक इसमें धीरे-धीरे सुधार होने की उम्मीद है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: लेजर हेयर रिमूवल, केमिकल पीलिंग, हाइड्रोफेशियल, रेडियोफ्रिक्वेंसी, कार्बन फेशियल, एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक: छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय: सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन: 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी — डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital, Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साँई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल — डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA — भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंती विहार, रायपुर, फोन: 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
HMS देखकर खरीदें

सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिटी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखे
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- फर्निशिंग दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मरीन फोम एंड फर्निशिंग, पेट्रोल पम्प के पास भारतीय नगर चौक व्यापार विहार रोड बिलासपुर 8889978688 (39279)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड सिक्युरिटी सुपरवाइजर गनमैन फिल्ड ऑफिसर कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000, आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जे.जे. हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 8085233213, 8253010291, 8889997826 (39295)

आवश्यकता है- हाऊस कीपिंग के लिए स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हॉटल शिवनेरी, सीएमडी कॉलेज ग्राउंड के सामने, लिंक रोड, बिलासपुर 7776864202 (1483)

आवश्यकता है- पद जूनियर केमिस्ट योग्यता B.Sc. (Honors) in Chemistry, फ्रेशर से 2वर्ष तक का अनुभव। पुरुष/ महिला दोनों आवेदन कर सकते है। पता- श्याम फेरो, इंडस्ट्रियल एरिया खरमोरा कोरबा 97557 85037, 9827921986 (20981)

आवश्यकता है- तखतपुर स्थित राइस मिल में कार्य हेतु न्यूनतम 10वर्ष अनुभवी मशीन ऑपरेटर (मिस्त्री) की आवश्यकता है जिसे अच्छा वेतन एवं रहने की सुविधा प्रदान की जाएगी सम्पर्क करें- 8754507712, 7869955482 (39287)

आवश्यकता है- फ्रुट स्टॉल में कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन कार्य के अनुसार सम्पर्क करें- 7974526737 (39291)

आवश्यकता है- कांट्रेक्टर फॉर्म बिलासपुर में एकाउंटेंट, कम्प्यूटर में डाटा एंट्री आपरेटर एवं स्टोर इंचार्ज अनुभवी युवक की आवश्यकता है समय 11 से 7 सैलरी- योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9203390737, 9755181716 (39290)

आवश्यकता है- डिलीवरी बॉय की आवश्यकता है। वेतन 18000+ इंसेंटिव, स्वयं की बाइक, वैध लाइसेंस स्मार्ट फोन, नेविगेशन अनुभवी पता- साईं कॉम्पलेक्स, फर्स्ट फ्लोर, जेजे हॉस्पिटल के पास, तोरवा, बिलासपुर 7000110166, 9243211815 (39278)

आवश्यकता है- मंगला निरवाना होम्स कॉलोनी में सिक्यूरिटी गार्ड- 2पद एवं बगीचे की देखभाल हेतु अनुभवी, मेहनती फुल टाइम माली- 2पद की आवश्यकता है रहने, बिजली, पानी की सुविधा सम्पर्क- 7470628618, 9301909249 (1432)

आवश्यकता है- बुजुर्ग दम्पति की देखरेख करने के लिए महिला केयर टेकर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार स्थान बिलासपुर सम्पर्क करें-9243530500 (39281)

आवश्यकता है- च्वाईस सेन्टर में कम्प्यूटर कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अग्रवाल च्वाईस सेन्टर शिव टॉकीज चौक बिलासपुर 7000657421, 8871646464 (39275)

आवश्यकता है- ड्राईवर स्विफ्ट एवं वेन हेतु 10वीं पास (जो आफिस, घर का कार्य भी कर सकें) एवं हेड मिस्ट्रेस/ महिला चपरासी चाहिए पता- BBVM स्कूल कस्तूरबा नगर बिलासपुर 9300654801 (व्हाट्सएप) 9755854925 (1430)

आवश्यकता है-एरिया सिक्युरिटी ऑफिसर (ASO) सुरक्षागार्ड, की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247247744, 9981210369 (39258)

आवश्यकता है- मोपका में रंग, पेन्ट दुकान में काम करने के लिए सुपरवाइजर, कम्प्यूटर आपरेटर एवं वर्कर की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9826106448 (39272)

आवश्यकता है- रेस्टोरेंट में एक शैफ साउथ इंडियन डिश बनाने हेतु, एक आल राउंडर शैफ, हेल्पर लड़के, लड़कियों चाहिए वेतन योग्यता अनुसार पता- ब्रदर्स कैफे एंड रेस्टोरेंट सीपत चौक बिलासपुर 91094 57955, 7583004411 (39268)

आवश्यकता है- सिक्यूरिटी एजेन्सी में सुरक्षा गार्ड का कार्य करने हेतु इच्छुक गार्ड की आवश्यकता है कार्य स्थल जिला बिलासपुर है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- उमा सिक्यूरिटी सर्विसेज बिलासपुर 9981630084, 9425534940 (39270)

आवश्यकता है- चिल्हर दवाई दुकान में काम करने हेतु अनुभवी कम्प्युटर आपरेटर लड़के लड़कियां चाहिए वेतन योग्यतानुसार संपर्क करें पराग मेडिकोज शीतला मंदिर के पास मेनरोड तारबहार बिलासपुर मो. 7974541351, 8770297553 (39276)

आवश्यकता है- पेन्ट दुकान में बिजी एवं टैली कम्प्यूटर में काम करने हेतु फीमेल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- बजाज पेन्ट पुराना बस स्टैण्ड एवं मंगला चौक बिलासपुर 8871887871 (1433)

आवश्यकता है- हॉस्टल में साफ सफाई के लिए कर्मचारी की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पी. पुरी, मित्र विहार, नारायण प्लाजा के पास, लिंक रोड, बिलासपुर 93409 69592, 7828803577 (1434)

आवश्यकता है- प्लांट में निर्माण कार्य हेतु दैनिक वेतन पर मिस्त्री 100 पद, कुली 200 पद बढ़ई 200 पद, लोहार 200 पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7000087500, 8602002511, 8234976143 (39274)

आवश्यकता है-14 चक्का डाला बॉडी एवं 18 चक्का ट्रेलर चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवरों की आवश्यकता है वेतन 30000+, हैवी ड्राइविंग लाइसेन्स, आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- 9685758881, 8889655533, 7000056718 (39257)

आवश्यकता है-फोर व्हीलर वर्कशॉप में लड़के/ लड़कियों, सुपर डिजायनर, कम्प्यूटर ऑपरेटर सेल्समैन प्यून चाहिए वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- बालाजी सेल्स एण्ड सर्विसेज मगरपारा रोड बिलासपुर (39197)

आवश्यकता है-पेन, पेन्सिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9631470837 (757)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 30 वर्ष लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000 से 20000 कमाने का अवसर संपर्क करें:- कुदुदंड अरुण आइसक्रीम के पास बिलासपुर मो. 7477050427 (392)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5-G कंपनी में पार्ट टाईम / फुल टाईम SMS करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए घर बैठे (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 9798544556, 9296821428 (1243)

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुपरवाइजर 16000 फील्ड ऑफिसर 15000 कम्प्यूटर ऑपरेटर 3, सुरक्षा गार्ड 56, वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, FF-6 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर 7747000019, 7747000016, 7746000016, 7746000019 (348)

आवश्यकता है-रियल एस्टेट कम्पनी में कार्य का सुनहरा अवसर टेलीकॉलिंग हेतु लड़की, मार्केटिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अम्बे कंस्ट्रक्शन मोपका चौक AGFG चर्च के पास बिलासपुर 7987236607, 7898744079 (39263)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रहकर काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन +बोनस +प्रमोशन+ रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना सम्पर्क करें- 8770508791, 7225815090 (801)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28, वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री सम्पर्क करें- 7870192397, 779688012 (385)

आवश्यकता है- अनुभवी म्यूचुअल फण्डस फाइनेंशियल संबंधित कार्य हेतु सेल्स मार्केटिंग एक्जीक्युटिव की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार समपर्क करें 9753122222 (4044)

बेचना है

बेचना है- तिफरा यदुनंदन नगर में बाजार चौक के पास स्थित नया मकान 1BHK ग्राउन्ड फ्लोर का बिजली पानी सर्वसुविधायुक्त मकान बेचना है संपर्क करें 9340699166 (39277)

बेचना है- बिलासपुर सीपत में मेन रोड पर सीमांकन किया हुआ 8850 वर्ग फीट प्लॉट फ्रंट 150 फीट एक साथ या टुकड़े में रजिस्ट्री पश्चात डायवर्सन कर दिया जावेगा मो. 6399166000 (39292)

बेचना है- बिलासपुर रेलवे स्टेशन से 7KM दूर सिलपहरी में नेशनल हाईवे से लगा 47 डिसमिल 20500 वर्गफुट कमर्शियल प्लॉट बेचना है डबल रोड पर स्थित फ्रंट 300फीट सम्पर्क करें- 9111117776 9993079730 (39289)

बेचना है- गांधी चौक, मधुबन में 2600 वर्गफुट, हेमू नगर 1000 वर्गफुट मोपका 1000 वर्गफुट में विभिन्न साइजो के टीएनसी प्लॉट एवं सर्व सुविधा युक्त मकान बेचना है सम्पर्क करें- 9516737611 (1482)

बेचना है-परसदा (सकरी) कोटा मोड़ दीनदयाल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से लगे सर्व सुविधा युक्त 2BHK मकान 26लाख एवं 3BHK मकान 27लाख में उपलब्ध हैं। बुकिंग कराने हेतु सम्पर्क करें- 9884261185, 9827404638 (39217)

बेचना है- घर बेचना है तार बाहर, इन्दिरा कॉलोनी, आटा चक्की, शीतला मन्दिर के पीछे 1970 वर्गफीट में बना मकान बेचना है कीमत 57 लाख, सम्पर्क करें- 9109232335 (39288)

किराया

किराया - रिंग रोड नम्बर 2 में कालिन्दी कुंज में स्थित 3BHK सर्वसुविधायुक्त मकान किराये से देना है शासकीय या बैंक अधिकारी कर्मचारी को प्राथमिकता संपर्क करें 9630407271, 8770659923 (39285)

फायनेंस

फाइनेन्स- विजया फाइनेन्स कम्पनी द्वारा सभी प्रकार के लोन आधार कार्ड लोन, बिजनेस, पर्सनल, होम, कृषि, महिला ग्रुप लोन, 40% छूट, आसानी से घर बैठे लोन, 2% ब्याज दर पर सम्पर्क करें- 7750826959 (393)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

कोहली ने खेली विराट पारी, जड़ा 52वां वनडे शतक, बने नंबर 1 बल्लेबाज

विराट बने साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे शतक जड़ने वाले प्लेयर

एजेंसी ▶▶| रांची

विराट कोहली का नाम पहले से ही वनडे क्रिकेट के दिग्गज प्लेयर्स में शुमार है और उनका ये वनडे में 52वां शतक है। उनसे ज्यादा शतक इस फॉर्मेट में किसी और बल्लेबाज ने नहीं लगाए हैं। 49 शतकों के साथ दूसरे नंबर पर सचिन तेंदुलकर हैं। रविवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में विराट कोहली ने 120 गेंदों में कुल 135 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। शतक जड़ने के साथ वह साउथ अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे शतक जड़ने वाले प्लेयर बन गए हैं। उन्होंने अफ्रीकी टीम के खिलाफ अभी तक 6 वनडे शतक लगाए हैं। कोहली ने सचिन तेंदुलकर और डेविड वॉर्नर का कीर्तिमान तोड़ दिया है। सचिन और वॉर्नर ने अफ्रीकी टीम के खिलाफ वनडे क्रिकेट में कुल 5-5 शतक ठोके थे। अब कोहली इन प्लेयर्स को पीछे छोड़कर पहले नंबर की कुर्सी पर विराजमान हो गए हैं।

भारतीय टीम के लिए साल 2008 में किया था डेब्यू

विराट कोहली ने भारतीय टीम के लिए वनडे क्रिकेट में साल 2008 में डेब्यू किया था और इसके बाद से ही वह टीम की अहम कड़ी बन गए। उन्होंने अभी तक टीम इंडिया के लिए 306 वनडे मैचों में कुल 14388 रन बनाए हैं, जिसमें 52 शतक और 75 अर्धशतक लगाए हैं।

रोहित बने वनडे के नए सिक्सर किंग

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। रोहित शर्मा वनडे के नए सिक्सर किंग बन गए हैं। रोहित पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी की बादशाहत खत्म करते हुए वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। रांची में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में रोहित ने शाहिद अफरीदी का सबसे ज्यादा वनडे सिक्स जड़ने का रिकॉर्ड ध्वस्त किया। रोहित शर्मा के नाम अब **ODI** क्रिकेट में 352 छक्के हो गए हैं। उन्होंने 277 वनडे मैचों की 269 पारियों में यह मुकाम हासिल किया।

विराट का 9 महीने बाद शतक, ठोका कॅरियर का 83वां सैकड़ा

विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका के खलिाफ रांची में पहले वनडे में शतक लगाया। यह उनके इंटरनेशनल करियर का 83वां सैकड़ा है। जबकि 9 महीने बाद उन्होंने वनडे क्रिकेट में शतक लगाया।

वनडे में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज

- 352* - रोहित शर्मा, भारत
- 351- शाहिद अफरीदी, पाकिस्तान
- 331 - क्रिस गेल, वेस्टइंडीज
- 270 - सनथ जयसूर्या, श्रीलंका
- 229 - एमएस धोनी, भारत

रोहित-कोहली ने तेंदुलकर और द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ा

- सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ - 391
- रोहित शर्मा और विराट कोहली - 391
- राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली - 369
- सचिन तेंदुलकर और अनिल कुंबले - 367
- सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली - 341

कोहली का दमदार शतक,कुलदीप-राणा की घातक गेंदबाजी, भारत ने द अफ्रीका पर बनाई बढ़त

पहले वनडे में रोहित और राहुल ने जड़ा अर्धशतक, राणा 3 और यादव ने झटके 4 विकेट

रांची। भारत ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली (135 रन) के 52वें वनडे शतक के बाद तेज गेंदबाज हर्षित राणा (तीन विकेट) और स्पिनर कुलदीप यादव (चार विकेट) के झटकों की बदौलत रविवार को पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली। दूसरा वनडे 3 दिसंबर को रायपुर में खेला जाएगा। कोहली ने 120 गेंद की तेज पारी के दौरान 11 चौके और 7 छक्के जमाए, जिससे भारत ने आठ विकेट पर 349 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। विराट ने दूसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा (51 गेंद में 57 रन) के साथ 136 रन की साझेदारी करके जेएससीए स्टेडियम की सपाट पिच पर भारत के बड़े स्कोर की नींव रखी। कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल ने 56 गेंद में 60 रन की अर्धशतकीय पारी खेली और रविंद्र जडेजा ने 20 गेंद में 32 रन का योगदान दिया।

कोहली के शतक से बने 5 रिकॉर्ड

- कोहली का 52वां वनडे शतक, एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक का रिकॉर्ड। सचिन तेंदुलकर के नाम वनडे में 49 और टेस्ट में 51 शतक हैं।
- विराट का नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड। विराट ने 223 छक्के लगाकर रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा।
- पुरुष क्रिकेट के इतिहास में ओवरऑल 7000वां शतक विराट कोहली का यह 52वां सैकड़ा रहा।
- अपने घर पर किसी भी एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक विराट के नाम हो गए हैं। कोहली ने भारत में 25वां वनडे शतक लगाया। रूट के नाम इंग्लैंड में 24 टेस्ट शतक दर्ज हैं।
- कोहली ने अपने करियर में तीसरी बार किसी वनडे पारी में लगाए सात या उससे ज्यादा छक्के।

खबर संक्षेप

स्क्वाश इंडियन टूरः सेंथिलकुमार अनाहत होंगे खिताब के दावेदार

चेन्नई। शीर्ष वरीयता प्राप्त वेलवन सेंथिलकुमार और अनाहत सिंह सोमवार से शुरू हो रहे एचसीएल स्क्वाश इंडियन टूर 4 में खिताब के दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। पंद्रह हजार डॉलर पुरस्कार राशि वाले इस पीएसए चैलेंजर प्रतियोगिता में अनुभवी जोशना चिनप्पा (पूर्व महिला विश्व नंबर 10 हैं) और पुरुष विश्व नंबर 51 वीर चोटरानी सहित कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खिलाड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे। सेंथिलकुमार, अनाहत, जोशना, और एशियाई खेलों में कई पदक जीतने वाले अभय सिंह 9 से 14 दिसंबर के बीच इस महानगर में होने वाले आगामी एसडीटी विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं। अभय इस सप्ताह हांगकांग में पीएसए प्लैटिनम स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों लग सकते हैं 3 हजार करोड़ से अधिक

नई दिल्ली। 2030 राष्ट्रमंडल खेल के लिए जल्द ही गठित होने वाली अहमदाबाद की आयोजक समिति इस टूर्नामेंट को 3,000 से 5,000 करोड़ रुपए की परिचालन लागत में आयोजित करने का लक्ष्य रखेगी। खेलों की योजना बनाने में नजदीकी तौर पर शामिल एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार खेल और सार्वजनिक उपयोगिता सुविधाओं सहित चल रहे बुनियादी ढांचा उन्नयन के लिए अनुमान अभी तय किए जा रहे हैं ताकि इस टूर्नामेंट की कुल लागत को अंतिम रूप दिया जा सके। सूत्र ने बताया कि गुजरात ने 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों से जरूरी सबक लिया है क्योंकि वे कई विवादों में घिर गए थे, जिनमें बुनियादी ढांचे में देरी, भ्रष्टाचार के आरोप और शुरुआती अनुमान से कहीं अधिक बढ़ी हुई लागत शामिल थीं। उन्होंने कहा, 'अहमदाबाद राष्ट्रमंडल खेलों की परिचालन लागत 3,000 से 5,000 करोड़ रुपए के बीच होगी। इसमें पूंजीगत व्यय शामिल नहीं है जो अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण में लगाया जाएगा, जिनमें से कुछ शहरी विकास विभाग की ओर से संभाले जा रहे हैं।

अभिषेक ने 284 के स्ट्राइक रेट से महज 32 गेंदों में ठोकी सेंचुरी, लगाए 16 छक्के और 8 चौके

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

अभिषेक शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 284 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट 148 रनों की पारी खेली। अभिषेक ने पंजाब बनाम बंगाल मैच में 16 चौके और 8 छक्कों की मदद से केवल 52 गेंदों पर 148 रन ठोक दिए। उनकी यह पारी टी20 सीरीज से पहले साउथ अफ्रीका को डराने के लिए काफी है। अभिषेक ने सिर्फ 12 गेंद पर अर्धशतक और 32 गेंदों पर शतक पूरा किया। प्रभसिमरन सिंह के साथ पारी की शुरुआत करते हुए अभिषेक ने मोहम्मद शमी और आकाशदीप जैसे गेंदबाजों से लैस गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं। इन दोनों के साथ-साथ सक्षम चौधरी और ऋतिक चटर्जी के खिलाफ 15 रन प्रति ओवर से ज्यादा रन बनाए।

अभिषेक ने अपना अर्धशतक पूरी करने के लिए पांच चौके और पांच छक्के लगाए। उन्होंने टी20 में सबसे तेज अर्धशतक जड़ने के मामले में अपने गुरु युवराज सिंह की बराबरी कर ली।

चंडीगढ़ ने महाराष्ट्र को हराया, वोहरा ने लगाया अर्धशतक

कोलकाता। सलामी बल्लेबाज मनन वोहरा की 48 गेंद में नाबाद 72 रन की पारी की बदौलत चंडीगढ़ ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एलीट ग्रुप बी मैच में महाराष्ट्र को पांच विकेट से हरा दिया। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए महाराष्ट्र ने अर्शिन कुलकर्णी की 41 गेंद में 47 रन की पारी से 20 ओवर में सात विकेट पर 139 रन का स्कोर खड़ा किया। विक्की ओस्तवाल ने 28 जबकि निखिल नाईक ने 24 रन का योगदान दिया। चंडीगढ़ की ओर से संदीप शर्मा ने 18 रन पर दो विकेट चटकाए। जगजीत सिंह, निखिल शर्मा, राहुल सिंह और भागमेंदर लाठेर ने एक-एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए चंडीगढ़ ने 6.2 ओवर में 43 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन वोहरा ने पारी को संभाला, जिससे टीम ने दो गेंद शेष रहते पांच विकेट पर 142 रन बनाकर जीत दर्ज की। वोहरा ने 48 गेंद की अपनी पारी में नौ चौके और दो छक्के मारे।

रसेल ने आईपीएल से लिया संन्यास अब केकेआर में निभाएंगे बड़ी जिम्मेदारी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

आक्रामक हरफनमौला आंद्रे रसेल ने 16 दिसंबर को होने वाली मिनी नीलामी से पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा के साथ बताया कि वह तीन बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स(केकेआर) के कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। सैंतीस साल के रसेल आईपीएल 2014 से केकेआर टीम का अभिन्न अंग रहे हैं। वह 2026 सत्र से पहले 'पावर कोच' के रूप में टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। आईपीएल के आगामी सत्र के लिए अबू धाबी में नीलामी होगी। रसेल ने 'एक्स' पर लिखा, 'आईपीएल से संन्यास ले रहा हूं... लेकिन मेरा आक्रामक अंदाज वैसा ही रहेगा। आईपीएल में पिछले 12 साल का सफर शानदार रहा। केकेआर परिवार को ढेर सारा प्यार।'' उन्होंने कहा, 'सबसे अच्छी बात यह है कि मैं दुनिया भर की अन्य लीग में छक्के जड़ता और विकेट लेता रहूंगा। मैं अपना घर (केकेआर) नहीं छोड़ रहा हूं और आप मुझे एक नई भूमिका में केकेआर के सपोर्ट स्टाफ में 2026 के पावर कोच के रूप में देखेंगे। नया अध्याय। वही ऊर्जा। हमेशा के लिए 'नाइट'।

मैं अपने पीछे एक विरासत छोड़ना चाहता हूं

रसेल ने कहा, ' मैंने आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया है। मैं अभी भी दुनिया भर की विभिन्न लीगों और केकेआर की अन्य सभी फ्रेंचाइजी के लिए सक्रिय रूप से खेलता रहूंगा। मैंने (आईपीएल में) कुछ शानदार पल और बेहतरीन यादें साझा कीं, छक्के जड़े, मैच जीते, एमवीपी हासिल किए।' उन्होंने कहा, ' जब मैंने यह फैसला लिया, तो मुझे लगा कि इस समय यह सबसे अच्छा फैसला था। मैं अपने पीछे एक विरासत छोड़ना चाहता हूं कि प्रशंसक संन्यास क्यों नहीं ले रहे कि जगह संन्यास अभी क्यों ले रहे जैसे सवाल पूछे। ' उन्होंने कहा, 'जब आप सोशल मीडिया पर होते हैं, तो आप खुद को अलग-अलग टीमों की जर्सी में फोटोशॉप की हुई तस्वीरों में देखते रहते हैं। मुझे खुद को बैंगनी और सुनहरे रंग (केकेआर की जर्सी) के अलावा किसी और रंग में देखकर अजीब लगता था और ये विचार मेरे दिमाग में घूमते रहते थे, जिससे मैं कुछ रातों तक सो नहीं पाया।'

केरल ने छत्तीसगढ़ को हराया, सैमसन ने खेली आक्रामक पारी

लखनऊ। संजू सैमसन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर वापसी करते हुए 15 गेंद में 43 रन की आक्रामक पारी खेलकर सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के एलीट ग्रुप ए मैच में छत्तीसगढ़ के खिलाफ केरल को आठ विकेट से जीत दिलाई। सैमसन ने अपनी पारी में पांच छक्के जड़े, जिससे केरल ने महज 10.4 ओवर में ही जीत के लिए मिले 121 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। छत्तीसगढ़ की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में महज 120 रन ही बना सकी। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व तेज गेंदबाज केएम आसिफ ने 16 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह को खाता खोले बिना चलता कर छत्तीसगढ़ को बड़ा झटका दिया।

निरुपमा को हराकर सान्या ने जीता स्क्वाश टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

दो बार की पूर्व जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन 15वीं वरीय सान्या वत्स ने चौथी वरीय हमवतन भारतीय निरुपमा दुबे को सीधे गेम में हराकर 11वें सुनील वर्मा स्मृति स्क्वाश टूर्नामेंट में महिला वर्ग का खिताब जीत लिया। सान्या ने निरुपमा को 11-6, 11-9, 11-4 से हराया। दिल्ली की सान्या पहली बार चैलेंजर टूर्नामेंट के फाइनल में खेल रही थी और अपना पहला पीएसए खिताब जीतने में सफल रहीं। पुरुषों के फाइनल में फ्रांस के दूसरे वरीय मासियो लेवी ने मिस्र के शीर्ष वरीय यासिन एल्शाफेई को सीधे गेम में 11-8, 11-8, 11-4 से हराकर खिताब जीता।

खेलो इंडिया मंच वैश्विक सफलता की यात्रा में महत्वपूर्ण : अदिति स्वामी

जयपुर। विश्व चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज अदिति गोपीचंद स्वामी का मानना है कि खेलो इंडिया युवा खेलों (केआईवाईजी) और खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों (केआईयूजी) जैसे टूर्नामेंट किसी खिलाड़ी के पेशेवर विकास और वित्तीय स्थिरता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। अदिति विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय और दुनिया की सबसे कम उम्र की कंपाउंड तीरंदाज हैं। उन्होंने एक तीरंदाज के रूप में अपने प्रदर्शन का श्रेय खेलो इंडिया पहल को दिया और कहा कि यही वह मंच था, जिसने उन्हें पहचान दिलाई और उन्हें शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं को समझने और उनमें ढलने का मौका दिया। 19 साल की तीरंदाज ने कहा, 'टॉप्स के लिए चुने जाने से पहले चीजें काफी मुश्किल थी। खान-पान, जिम और प्रशिक्षण का खर्च काफी अधिक था। मेरे पिता ने मेरे खेल के सफर में साथ देने के लिए बहुत त्याग किए।

जूनियर हॉकी विश्व कपः स्पेन ने बेल्जियम को हराकर दर्ज की लगातार दूसरी जीत

एजेंसी ▶▶| मदुरै

विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज स्पेन ने एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के पूल डी मैच में बेल्जियम को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत हासिल कर क्वार्टरफाइनल की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए। स्पेन ने जुआन प्राडो (20वें मिनट) के मैदानी गोल और ब्रूनो अविला (32वें मिनट) के पेनल्टी कॉर्नर से किए गए गोल की बदौलत जीत दर्ज की। स्पेन ने इससे पहले शुक्रवार को अपने पहले मैच में मिस्र को 8-0 से शिकस्त दी थी। इस जीत से स्पेन छह अंक के साथ पूल डी में शीर्ष पर है। दुनिया की सातवें नंबर की टीम बेल्जियम दो मैच में तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर है।

स्पेन की नामीबिया से भिड़ंत

स्पेन अब मंगलवार को नामीबिया से भिड़ेगा जबकि बेल्जियम का मुकाबला इसी दिन मिस्र से होगा। पूल डी के एक अन्य मैच में नामीबिया ने मिस्र को 4-2 से हराया। नामीबिया के लिए लियाम बूस (23वें मिनट), जेम्स डि जैगर (26वें मिनट) और जोश वान डर मर्वे (32वें मिनट) ने तीन मैदानी गोल किए जबकि जॉन पॉल ब्रिट्ज ने 60वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। मिस्र के लिए अब्देलरहमान कासेम (28वें मिनट) और मोहब हेगाब (53वें मिनट) ने गोल किए।

सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट

त्रीसा-गायत्री ने 1 घंटे 16 मिनट में जापानी जोड़ी को हराया, खिताब रखा बरकरार

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

गत चैंपियन त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 टूर्नामेंट में जापान की काहो ओसावा और माई तानाबे को तीन गेम में हराकर महिला युगल का खिताब बरकरार रखा। शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद आक्रामक खेल दिखाया और दुनिया की 35वें नंबर की जापानी जोड़ी को एक घंटे 16 मिनट तक चले रोमांचक फाइनल में 17-21, 21-13, 21-15 से शिकस्त दी। कंधे की चोट के बाद गायत्री के पांच महीने के ब्रेक से लौटने के बाद भारतीय जोड़ी सिर्फ अपना दूसरा टूर्नामेंट खेल रही थी। फाइनल की शुरुआत 49 शॉट की शानदार रैली से हुई। दोनों जोड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी, जिसके बाद ओसावा और तानाबे 6-3 से आगे हो गईं।

त्रीसा ने लगाए तेज स्मैश, भारतीय जोड़ी ने की बराबरी

त्रीसा ने कुछ तेज स्मैश लगाए, जिससे भारतीय जोड़ी बराबरी पर आ गई। फिर ओसावा की फोरहैंड गलती ने उन्हें 8-6 से आगे कर दिया। हालांकि जापानी जोड़ी ने फिर वापसी की और ब्रेक तक थोड़ी बढ़त बना ली। तानाबे के बैकहैंड क्रॉस कोर्ट रिटर्न से गायत्री हैरान हो गई, जिसके बाद भारतीय खिलाड़ी की एक और गलती ने जापानी टीम को पांच गेम प्वाइंट दिला दिए। त्रीसा और गायत्री ने दो प्वाइंट बचाए लेकिन तानाबे ने स्मैश मारकर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने लय हासिल कर ली और शानदार अंदाज में खेलते हुए 9-2 से बढ़त बना ली। हालांकि कुछ शॉट नेट में चले गए लेकिन ब्रेक तक भारतीयों की बढ़त 11-5 हो गई थी। त्रीसा और गायत्री ने रैलियों में दबदबा बनाए रखना जारी रखा, जिससे यह जोड़ी 17-9 से आगे हो गई।

बार्सिलोना ने अल्वेस को हराया, ओल्मो ने दागे दो गोल

एजेंसी ▶▶| बार्सिलोना

राफिन्हा के शानदार खेल और दानी ओल्मो के दो गोल की मदद से बार्सिलोना ने ला लीगा में अलावेस पर 3-1 से जीत दर्ज की। राफिन्हा ने टीम के शुरुआती दो गोल में मददगार की भूमिका निभाई जबकि युवा लामिन यामन ने भी एक गोल करने के साथ एक गोल में मददगार की भूमिका निभाकर लय में वापसी के संकेत दिए। इस जीत से टीम को चैंपियंस लीग में पिछले सप्ताह चेल्सी से मिली 0-3 की हार से उबरने में मदद मिलेगी। पाब्लो इबानेज ने मैच के शुरुआती मिनट में ही गोलकर अल्वेज का खाता खोला लेकिन टीम की यह बढ़त महज आठ मिनट तक ही रही। 18 साल के यामल ने मैच के आठवें मिनट में बार्सिलोना को बराबरी दिला दी और फिर ओल्मो ने 26वें मिनट में गोल कर 2-1 से आगे कर दिया। ओल्मो ने मैच के स्टॉपेज समय (90+3 मिनट) ने गोल कर अल्वेस की वापसी की उम्मीद खत्म कर दी। लीग के अन्य मैचों में निको विलियम्स के गोल ने एथलेटिक बिलबाओ को लेवांटे पर 2-0 से जीत दिलाई जबकि ओसासुना ने दो गोल से पिछड़ने के बावजूद मेलोर्का को 2-2 से बराबर पर रोक दिया।

इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी को दी शिकस्त, मेस्सी का ट्रॉफी खेलना पक्का

एजेंसी ▶▶| फोर्ट लाउडरडेल

इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी एफसी को 5-1 से हराकर ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस का खिताब जीतने के साथ ही एमएलएस कप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की, जिससे दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी का एक और ट्रॉफी के लिए खेलना लगभग पक्का हो गया। इंटर मियामी की इस जीत में हालांकि मेस्सी के हमवतन और अर्जेंटीना टीम के उनके साथी खिलाड़ी तादेओ अलेंदे का सबसे बड़ा योगदान रहा, जिन्होंने गोल की हैट्रिक पूरी की। टीम के लिए जोर्डी अल्बा और सर्जियो बुस्केट्स ने भी एक-एक गोल किए। आठ बार के बैलन डी'ओर विजेता मेस्सी के लिए यह मुकाबला कोई खास नहीं रहा लेकिन उन्होंने टीम की शुरुआती दो गोल में मददगार की भूमिका निभाई। यह क्लब और राष्ट्रीय टीम को मिलाकर मेस्सी के लिए 405 वां मदद थी, जो गोल में बदली। फुटबॉल के इतिहास में इसे सबसे अधिक सफल मदद मानी जाती है। इंटर मियामी की टीम एमएलएस कप फाइनल में सैन डिएगो या वैंकूवर के बीच होने वाले वेस्टर्न कांफ्रेंस के विजेता टीम की मेजबानी करेगी।

70 साल से भी पहले कैलिफोर्निया की पालोमर वेधशाला में वैज्ञानिकों ने कई तारों जैसी चमकों की तस्वीरें ली थीं। ये चमकें एक घंटे के अंदर आईं और चली गईं और यह उस समय की बात है जब पहला सैटेलाइट स्पुतनिक 1 लॉन्च भी नहीं हुआ था।

सुलझ गई 70 साल पुरानी 'यूएफओ मिस्ट्री', पालोमर टेलीस्कोप की तस्वीरों में दिखी अजीब चमक

वॉशिंगटन। अब वैज्ञानिकों ने उन पुरानी तस्वीरों को फिर से देखा है। ये शीत युद्ध के दौरान हुए परमाणु हथियारों के परीक्षणों की तारीखों पर या उसके आस-पास दिखाई दीं। अब सवाल आता है कि क्या ये घटनाएं आपस में जुड़ी हो सकती हैं।

क्यों खास है ये चमक?

वैसे तो आसमान में ऐसी चमकें कभी-कभी बदलते हुए तारों, उल्काओं या कैमरे/दूरबीन की खराबी जैसी सामान्य चीजों के कारण भी दिखाई दे सकती हैं। पालोमर की कई चमकों की खासियतें अलग हैं। उनमें से कुछ नुकीले बिंदु जैसे आकार की थीं जो सीधी लाइन में लगी हुई दिखाई देती थीं। नए शोध के लेखक कहते हैं कि इन चमकों के ऐसे आकार और विशेषताएं किसी भी ज्ञात प्राकृतिक कारण या दूरबीन की खराबी से मेल नहीं खातीं।

वैज्ञानिकों की इसपर क्या राय है?

इस रिसर्च के सह-लेखक स्टीफन ब्रुहल ने कहा, इसका मतलब है कि हमें कम से कम इस बात पर विचार करना होगा कि ये चमकें कहीं से आई हुई इंसानों द्वारा बनाई गई चीजें हो सकती हैं। स्वीडन के एक वैज्ञानिक के साथ मिलकर ब्रुहल ने यह रिसर्च की है।

क्यों सहमत नहीं हैं वैज्ञानिक?

सभी वैज्ञानिक इन तस्वीर की डिटेल्स से सहमत नहीं हैं। कुछ वैज्ञानिकों का कबना है कि, उस समय की तकनीकें बहुत लिमिटेड थीं इसलिए इन पुराने डेटा को पक्के तौर पर समझना बहुत मुश्किल है। ब्रिटेन के मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के माइकल गैरेट ने पुराने डेटा का इस्तेमाल करने के लिए विलारोएल की टीम की तारीफ की. हालांकि, उन्होंने इन नतीजों को बहुत ज्यादा सही मानने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने बताया कि स्पुतनिक से पहले का डेटा अच्छा नहीं था।

क्या आए रिसर्च के नतीजे?

विलारोएल की टीम ने 2,718 दिनों के टेलीस्कोप डेटा की जांच की और उन्हें 310 रातों में आसमान में अजीब घटनाएं मिलीं। इन रातों में एक ही दिन कई जगहों पर कुल 4,528 चमक दिखाई दी। लेकिन ,ये घटनाओं से ठीक पहले या बाद में ली गई किसी भी तस्वीर में या बाद में किसी भी सर्वेक्षण में दिखाई नहीं दी।

रोचक खबरें

पिता के अपमान पर दुल्हन ने मंडप में ही ठुकराया दूल्हा

मंडप से सीधे जेल पहुंचा दूल्हा

पुलिस मौके पर पहुंचकर दूल्हे को हिरासत में ले लिया और उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। अब इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह घटना दहेज प्रथा की कड़वी हकीकत को सामने लाती है और यह स्पष्ट संदेश देती है कि किसी भी रिश्ते में सम्मान और इज्जत की अहमियत सबसे ऊपर होनी चाहिए।

नई दिल्ली। सजा-धजा मंडप, रंग-बिरंगी लाइटें, ढोल-नगाड़ों की थाप और शादी की रस्मों की रौनक सब कुछ धरा का धरा रह गया, जब मंडप में पहुंचने के कुछ देर बाद दुल्हन ने दूल्हे से शादी करने से इंकार कर दिय।. यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के वाराणसी के शिवपुर थाना क्षेत्र के बसही इलाके में हुई हकीकत है।

जानकारी के अनुसार, दुल्हन ने शादी से इस तरह इंकार इसलिए किया, क्योंकि लड़के वालों द्वारा लगातार दहेज की मांग की जा रही थी। बताया जा रहा है कि दहेज में 25 हजार रुपए की बकाया राशि को लेकर दूल्हे की मां ने दुल्हन के पिता का अपमान किया।

दुल्हन ने बुला ली पुलिस: दुल्हन के पिता ने अपनी बेटी की शादी में पूरा खर्च कर्ज लेकर किया था। लेकिन, इस छोटी-सी रकम के विवाद और अपमान ने दुल्हन को इतना आहत कर दिया कि उसने स्टेज से दूल्हे को उतारते हुए शादी से साफ इंकार कर दिया। घटना के बाद दुल्हन ने तुरंत पुलिस को बुलाया।

फेमस हस्तियों की कब्र के बगल में दफन होने का अजीबोगरीब ऑफर

पेरिस। सोचिए...जिंदगी भर हम जिन सितारों को स्क्रीन पर देखते हैं, उनके गाने सुनते हैं, उनके किस्से पढ़ते है।..अगर मौका मिले कि मौत के बाद हमारी आखिरी 'जगह' उन्हीं के बगल में हो तो? सुनने में अजीब लगता है, लेकिन यही सच है। पेरिस में इन दिनों एक ऐसी स्कीम वायरल हो रही है, जिसने लोगों को चौंकाने के साथ-साथ रोमांचित भी किया है। यहां की स्थानीय सरकार ने वो ऑफर लॉन्च कर दिया है, जिसे लोग 'आफ्टरलाइफ सेलिब्रिटी पास ' भी कह रहे है। फ्रांस की राजधानी पेरिस ने दुनिया को हिलाकर रख देने वाला ऑफर शुरू किया है। यहां की नगरपालिका ने एक लॉटरी स्कीम लॉन्च की है, जिसमें लोग अपनी मौत से पहले ही यह तय कर सकते हैं कि उनकी कब्र कहां बनेगी, वो भी किसी मशहूर कलाकार, लेखक या संगीतकार की कब्र के ठीक बराबर में। ये वे कब्रगाह हैं जहां दुनिया की सबसे मशहूर हस्तियां चैन की नींद सोई हुई हैं जैसे- ऑस्कर वाइल्ड, जिम मॉरिसन, एडिथ पियाफ और कई ऐतिहासिक कलाकार. सोचकर देखिए, जिनकी फोटो लोग सालों बाद भी फूल और मोमबत्ती के साथ सजाते है।.

रूसी फिटनेस इन्फ्लुएंसर के लिए जानलेवा बना 10 हजार कैलोरी जंक फूड चैलेंज

मॉस्को। रूस के फिटनेस कोच और इन्फ्लुएंसर दिमित्री नुयानजिन की बिंज-ईटिंग चैलेंज में हिस्सा लेने के बाद मौत हो गई है। रशियन शहर ऑरेनबर्ग के 30 साल के दिमित्री की सोते समय जान चली गई, जब वह ईटिंग चैलेंज के जरिए अपने वेट-लॉस प्रोग्राम को प्रमोट करने की कोशिश कर रहे थे। इस चैलेंज में उनका मकसद कम से कम 25 किग्रा तक वजन बढ़ाना था। ये चैलेंज उनके लिए जानलेवा साबित हुआ और हार्ट फेल होने से मौत हो गई।

नुयानजिन ने इस चैलेंज के तहत कई हफ्ते तक जंक फूड खाया। वह कह रहे थे कि इससे उनके क्लाइंट्स भी उनके साथ वजन कम करने पर काम करेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वह एक दिन में 10,000 से ज्यादा कैलोरी लेते थे। वह अपना ट्रांसफॉर्मेशन दिखाने के लिए इसे पूरी तरह कम करने का प्लान बना रहे थे।

नुयानजिन ने अपनी मौत के एक दिन पहले ट्रेनिंग सेशन कैंसिल कर दिए थे। उन्होंने दोस्तों को बताया कि तबीयत ठीक नहीं है और वह डॉक्टर से मिलेंगे। इसके कुछ घंटे बाद ही सोते समय नुयानजिन का हार्ट फेल हो गया। नुयानजिन की 18 नवंबर की आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्हें चिप्स खाते हुए दिखाया गया था। उन्होंने बताया था कि अब उनका वजन 13 किलो बढ़कर 105 किग्रा हो गया है। नुयानजिन की मौत को सोशल मीडिया यूजर्स ने चौंकाने वाली बताते हुए परिवार के प्रति अपनी संवेदना जताई है। कई यूजर्स ने कहा कि यह मौत ऐसे चैलेंज लेने वाले युवाओं के लिए एक सबक है। एक यूजर ने लिखा, 'ऐसी थ्योरी को प्रैक्टिकल में साबित करना ठीक नहीं है।

एआई का युग

शारीरिक बनावट और सौंदर्यात्मक सामंजस्य को शामिल किया

एआई ने बताया कैसी होनी चाहिए लड़के और लड़की की परफेक्ट बॉडी

ओटावा। आज का समय एआई का युग है। हाल ही में वैज्ञानिकों ने एआई के तीन अलग-अलग एआई 'बोट' से सवाल किया कि लड़के और लड़की की आडियल तस्वीर बनाएं। एआई ने फोटो बनाने के लिए चेहरे/शरीर की अनुपातिता, शारीरिक बनावट और सौंदर्यात्मक सामंजस्य को शामिल किया है।

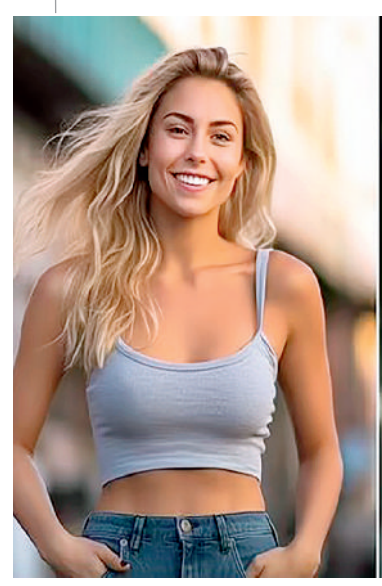

परफेक्ट बॉडी

एआई ने अपनी कल्पना के आधार पर ये फोटो बनाई है। इन फोटो ने समाज में एक बहस खड़ी कर दी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि परफेक्ट बॉडी जैसी अवधारणा की वजह से युवा अपनी बॉडी को उसी पैमाने में मापने लग सकते हैं। परफेक्ट बॉडी की वजह से आने वाले समय में समस्या हो सकती है। फिगर-आधारित फिटनेस या फैशन इंडस्ट्री के दायरे में बनी नॉर्मल बॉडी शेप सेहत के लिए, बल्कि फैशन और कपड़ों की बिक्री के लिए है।

एआई ने बनाई ये ऐसी फोटो : आई के परिणाम के अनुसार एक आदर्श महिला का चेहरा आकर्षक, यंग, गोरी और स्टाइलिश कपड़े और वहीं लड़कों को शर्टलेस, काले बाल और एथलीट बॉडी है। अध्ययन के अनुसार डॉ. डेलाने थिबोडो ने कहा कि एआई के द्वारा बनाई गई 300 फोटो की कोडिंग में पाया गया है कि एआई विविधता का अभाव देखने को मिला है। वहीं, अधिकांश फोटो में गोरे लोग दिखाई दे रहे थेष। परफेक्ट शरीर के बारे में विचार काफी बदल गए हैं।

पतले होने की चाहत देखी गई

उदाहरण के लिए, 1950 के दशक में, जब महिलाएं मर्लिन मुनरो और एलिजाबेथ टेलर जैसी दिखने की चाहत रखती थीं, तब वजन बढ़ाने वाली गोलियां बाजार में आ गईं, जबकि 90 के दशक में महिलाओं में 'हेरोइन चिक' कहे जाने वाले पतले होने की चाहत देखी गई। अध्ययन में, टीम ने यह समझने की कोशिश की कि अब एआई आदर्श पुरुष और महिला शरीर को किस रूप में देखता है।

एथलीट बॉडी

तीन अलग-अलग एआई प्लेटफ़ॉर्म - मिडजर्नी, डॉल-ई और स्टेबल डिफ्यूज़न को महिला और पुरुष शरीर, जिनमें एथलीट भी शामिल थे। कुल मिलाक, 300 तस्वीरें तैयार की गईं , 120 पुरुषों की, 120 महिलाओं की और 60 एथलीटों की। इन तस्वीरों के विश्लेषण से कई प्रमुख रुझान सामने आए। ज़्यादातर 66.7 प्रतिशत पुरुष तस्वीरें और 62.5 प्रतिशत महिला तस्वीरें में गोरे लोग दिखाई दे रहे थे। सभी फोटो में यंग लोग नजर आ रहे हैं।

ब्लाइंड डेट और उड़ गए खाते से 30 लाख, प्यार में लगा बंदे को तगड़ा झटका

बीजिंग। चीन में रहने वाले 40 वर्षीय हुआंग झोंगचेंग की कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। हुआंग ने एक महिला से सिर्फ चार घंटे की मुलाकात के बाद उसी दिन शादी कर ली, लेकिन इस जल्दबाजी का नतीजा यह हुआ कि एक महीने के भीतर ही उनकी सारी जमा-पूंजी, यानी करीब 2,40,000 युआन (लगभग 34,000 अमेरिकी डॉलर), गायब हो गई। हुआंग का कहना है कि वह महिला एक ब्यूटी सैलून में काम करती है और पहली ही मुलाकात में उसने जिद करके उसी दिन शादी का रजिस्ट्रेशन करवाया। हुआंग के मुताबिक, शादी के बाद उस महिला ने तरह-तरह के खर्चों का हवाला देकर उनकी पूरी बचत खर्च करवा दी। हुआंग हूनान प्रांत के हेंगयांग शहर के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि 21 अगस्त की सुबह उनकी मुलाकात इस महिला से एक ब्लाइंड डेट पर हुई थी। उन्हें यह भी अजीब लगा कि रास्ते में अचानक आठ अलग-अलग मैचमेकर सामने आ गए। उनके अपने गांव का मैचमेकर पहले से ही साथ था, यानी कुल नौ लोग उसी महिला की सिफारिश कर रहे थे।

कैसे लगा इतना तगड़ा झटका

हुआंग ने कहा कि इतने सारे लोग उसी लड़की की तारीफ कर रहे थे, मुझे कुछ समझ नहीं आया। वह बार-बार कह रही थी कि आज ही सब कुछ निपटा देते हैं। हुआंग बताते हैं कि उसी दिन शाम करीब पांच बजे दोनों ने शादी का रजिस्ट्रेशन करवा लिया। उन्हें खुद भी यकीन नहीं हो रहा था कि यह सब इतना जल्दी हो गया कि मुझे लगा जैसे सपना देख रहा हूं। उस रात दोनों एक होटल में रुके और वहीं उनका पहला और आखिरी शारीरिक संबंध हुआ। इसके बाद, जब भी वह अपनी पत्नी के करीब आने की कोशिश करते, वह उन्हें दूर कर देती।

भारत में मिला 37 हजार साल पुराना कांटे वाला बांस!

नई दिल्ली। भारत में हुई एक खोज ने पूरे एशिया के आइस एज यानी हिम युग का सीक्रेट सुलझा दिया है। आइस एज का मतलब धरती पर हजारों साल पहले का वो समय, जब धरती का तापमान काफी कम हुआ करता था और चारों तरफ बर्फ ही बर्फ थी। भारत के रिसर्चरों की टीम एक नदी के गाद वाले जमाव में कुछ जांच रही थी तभी एक अलग सी चीज दिखाई दी। वह बांस था। यह एशिया में सबसे पुराने कांटेदार बांस का फॉसिल था।

मणिपुर की इंफाल घाटी में चिरांग नदी के गाद वाले जमाव में शोधकर्ताओं को सही-सलामत बांस का तना मिला है। इस पर बहुत पहले गायब हो चुके कांटों के निशान हैं। एशिया

का यह सबसे पुराना कांटेदार बांस का फॉसिल पूरे एशियाई महाद्वीप के वनस्पति इतिहास का नया अध्याय लिख सकता है।

बांस के तना पर था अजीब निशान

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान बीरबल साहनी इंस्टीट्यूशन ऑफ पैलियोसाइंसेज के वैज्ञानिक को मणिपुर की इंफाल वैली में चिरांग नदी के गाद-वाली जगह में सर्वे के दौरान अचानक एक बांस का तना मिला जिस पर अजीब निशान थे। उनके विस्तृत विश्लेषण से पता चला कि ये कांटों के निशान हैं। इससे इसकी पहचान और महत्व के बारे में और जांच शुरू हुई। लैब में इसकी बनावट जैसे नोड्स, कलियों और कांटों के निशान की चांज करके इसे चिमोनोबाम्बुसा जीनस का बताया गया। बैम्बुसा बैम्बोस और चिमोनोबाम्बुसा कैलोसा जैसे मौजूदा कांटेदार बांसों से तुलना करने पर इसके बचाव करने वाले गुणों और इकोलॉजिकल भूमिका को फिर से बनाने में मदद मिली। लैब में इसकी मॉर्फोलॉजी नोड्स, बड्स और कांटों के निशान की स्टडी के जरिए उन्होंने इसे चिमोनोबाम्बुसा जीनस का बताया।

धरती का अकेला फल, जो नीला न होते हुए भी दिखता है 'नीला'

न्यूयार्क। आपने फल बहुत सारे खाए होंगे। हरेक फल का अपना कोई न कोई रंग जरूर होता है। यह रंग उनके अंदर मौजूद पिगमेंट की वजह से होता है। यानी कि अगर उसमें हरा पिगमेंट होगा तो वह फल हरा दिखेगा और पीला पिगमेंट ज्यादा होता तो पीला नजर आएगा। लेकिन जरा सोचिए, आपको एक ऐसा फल मिले, जो देखने में चमकता नीला हो, लेकिन उसमें नीले रंग का एक भी कण न हो तो कैसा लगेगा। विज्ञान जगत की इस अजीब पहेली पर जहां रिसर्चर उत्साहित हैं, वहीं दुनिया हैरान कि ऐसा कैसे हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वैज्ञानिकों ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया, पापुआ न्यू गिनी और इंडोनेशिया के घने बारिश वाले जंगलों में मिलने वाले एक पेड़ पर रिसर्च की है। इस पेड़ का नाम नीला कुआनदोंग है, जिसे कुछ जगह ब्लू मार्बल ट्री के नाम से भी जाना जाता है। इस पेड़ पर लगने वाले फल को देखें तो पहली नजर में ऐसा लगता है, जैसे कि किसी धातु पर नीला पेंट चढ़ा दिया गया हो।

प्रकृति की सबसे बड़ी 'ऑप्टिकल ट्रिक'

रिसर्च में सामने आया कि ब्लू कुआनदोंग फल का रंग पिगमेंट नहीं, बल्कि संरचनात्मक रंग की वजह से नीला दिखता है। इसे आप ऐसे समझ सकते हैं कि जैसे मोर की गर्दन नीले रंग में चमकती है, तितली के पंख झिलमिलाते हैं और भौंरे पर धातु जैसा रंग दिखाई देता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस फल की त्वचा में नैनो-स्तर पर बेहद महीन सेलुलोज परतें होती हैं, जो रोशनी को इस तरह मोड़ती हैं कि सिर्फ नीली तरंगें वापस लौटती हैं और बाकी सभी रंग गायब हो जाते हैं।

खगोल थुम्बा-जहां 1960 के दशक में इसरो शुरू हुआ था

केरल के इन नामों से जानी जाएंगी मंगल ग्रह की खास जगहें

नई दिल्ली। केरल के प्रसिद्ध नाम जैसे थुम्बा, वर्कला, पेरियार, वलियामाला और बेकल अब सिर्फ भारत के शहर नहीं रहे। इन नामों को अब मंगल ग्रह पर मौजूद गड्ढों और घाटियों को दिया गया है जिसे अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ ने मंजूरी दे दी है। मंगल ग्रह के जैंथे टेरा इलाके में एक 3.5 अरब साल पुराना गड्ढा है, जिसे महान भारतीय भूविज्ञानी एम.एस. कृष्णन को सम्मान देने के लिए यह नाम दिया गया है। मंगल ग्रह की जिन जगहों को केरल से जुड़े ये नाम मिले हैं उनका प्रस्ताव केरल के शोधकर्ता आसिफ इकबाल कक्कासेरी और राजेश वीजे ने दिया था। कक्कासेरी पहले इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी)में काम करते थे। अब वे कासरगोड के सरकारी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। उन्होंने आईआईएसटी के राजेश के साथ मिलकर एक सिसर्च की जिसमें उन्होंने चांद या मंगल पर एक क्रेटर में पुराने समय के ग्लेशियर और नदी बहने के निशान खोजे।

नामकरण में केरल का योगदान

कुछ क्रेटरों के नाम केरल की जगहों पर रखे गए हैं जैसे वलियामाला जहां आईआईएसटी स्थित है, थुम्बा-जहां 1960 के दशक में इसरो शुरू हुआ था, वर्कला- यहां की चट्टानें मंगल की तरह खास हैं, बेकल- एक ऐतिहासिक किला और पेरियार जो कि केरल की सबसे लंबी नदी है। इन नामों को ऐसे छोटे शहरों के नाम पर रखा गया है जिनकी आबादी 1,00,000 से कम है। इन शहरों के नाम सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण होने के साथ बोलने में आसान हैं। इन नामों के साथ यह पहली बार है कि मंगल ग्रह पर केरल की जगहों के नाम रखे गए हैं। अब ये नाम गंगा और देवेंद्र लाल जैसे अन्य भारतीय नामों के साथ शामिल हो गए हैं।

शुरुआत में हुई थी मुश्किलें

टीम को शुरुआत में मना कर दिया गया था, क्योंकि नामों को बोलना या नियमों का पालन करना मुश्किल था। लेकिन टीम ने हार नहीं मानी और लगातार कोशिक की और आखिरकार उन्हें आईएयू से मंजूरी मिल गई। उनका शोध मेटियोरिटिक्स एंड प्लैनेटरी साइंस नाम की पत्रिका में छपा है, जो दिखाता है कि मंगल ग्रह पर जैंथ टेरा नाम की जगह पर पानी के निशान हैं।

मोटापे का ईलाज
वेजर लाइपोसक्शन द्वारा

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.ग.)
9827143060/8871003060
छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
Ajay Advt.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com